THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

कुलगाम, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर संभाग के कुलगाम जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। कश्मीर जोन पुलिस के अनुसार, जिले के रेडवानी इलाके में एनकाउंटर जारी है। पुलिस और सुरक्षाबल के जवानों ने आतंकियों को घेर लिया है। फिलहाल, यहां कितने आतंकी छिपे हैं, यह पता नहीं चल पाया है। दोनों ओर गोलीबारी हो रही है।

इससे पहले गुरुवार को पुलवामा में आतंकियों ने ग्रेनेड हमला किया। इस हमले में एक मजदूर की मौत हो गई। दो मजदूर घायल हुए, जिन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक की पहचान बिहार के मोहम्मद मुमताज के रूप में हुई है।

वर्ष-27 अंक : 143 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.9, 2079 **शनिवार, 6 अगस्त** 2022

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 14** **मूल्य : 8 रुपये**

महंगाई पर कांग्रेस का हल्लाबोल

राहुल के बाद प्रियंका भी हिरासत में, पीएम आवास जाने से रोकने पर सड़क पर बैठीं

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस के रोकने पर प्रियंका सड़क पर बैठ गईं। महिला पुलिस कर्मियों ने उन्हें हिरासत में लेने के लिए उठाया तो उनमें धक्का-मुक्की हो गई।

कांग्रेस ने महंगाई, जीएसटी और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ शुक्रवार को सुबह से ही संसद से सड़क तक प्रदर्शन किया। इस बार कांग्रेस की अलग ही स्ट्रैटेजी दिखी। सबसे पहले सोनिया ने कांग्रेसी सांसदों के साथ संसद में काले कपड़े पहनकर जमकर नारेबाजी की। उसके बाद, राहुल संसद से राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकालने के लिए निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया और हिरासत में ले लिया। इसके बाद, पार्टी मुख्यालय में मौजूद प्रियंका गांधी ने मोर्चा संभाला और वे अपने सांसदों के साथ पीएम आवास घेरने के लिए निकलीं, लेकिन यहां भी पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। नतीजन, वे सड़क पर ही घरने पर बैठ गईं। पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में ले लिया। इस दौरान अजय माकन, सचिन पायलट, हरीश रावत, अविनाश पांडे सहित कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं को हिरासत में लिया गया। महंगाई के खिलाफ कांग्रेस राजस्थान में बड़ा विरोध प्रदर्शन कर रही है। अलग-अलग जिलों में नेता नए-नए तरीकों से विरोध जता रहे हैं। राजस्थान से बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता दिल्ली में हो रहे प्रदर्शन में भी शामिल होने पहुंचे हैं। यहां कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी अजय माकन, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया गया है।

>12

ममता बनर्जी ने की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के बाद उनके आवास पहुंचीं। इसके बाद ममता बनर्जी और पीएम मोदी के बीच मुलाकात हुई। मुलाकात ऐसे वक्त हो रही है, जब बंगाल में ममता सरकार के पूर्व मंत्री पर ईडी ने शिकंजा कसा हुआ है।

दरअसल, ममता बनर्जी गुरुवार दोपहर नई दिल्ली यात्रा पर कोलकाता से रवाना हुईं थी। इसके बाद वे बीते दिन शाम को दिल्ली पहुंचीं। यह दौरा चार दिन तक चलेगा। इस दौरान वे कई वरिष्ठ विपक्षी नेताओं से मिल सकती हैं। ममता आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगी। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान ममता राज्य के बकाया जीएसटी समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पहुंचते ही ममता पार्टी के सांसदों से मिलीं और संसद सत्र की पूरी जानकारी ली। उन्होंने साथ ही 2024 आम चुनावों का रोडमैप पर भी चर्चा की। उन्होंने सांसदों से पश्चिम बंगाल के सात नए जिलों के नामों पर भी सुझाव मांगे। उसके बाद सात अगस्त को ममता बनर्जी नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लेंगी। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली प्रवास के दौरान ममता विपक्ष के नेताओं से भी मुलाकात करेंगी।

263 चीनी नागरिकों को वीजा देने के मामले में ईडी की छापेमारी, कार्ति चिदंबरम भी घेरे में

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने में कथित अनियमितताओं के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में तमिलनाडु में आधा दर्जन स्थानों पर शुक्रवार को तलाशी ली, जिसमें कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम भी शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा चेन्नई और आसपास के इलाकों में कुछ कंपनियों और उनके प्रमोटरों के परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। ईडी ने इसी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी का संज्ञान लेने के बाद मई में जांच शुरू की थी और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के मुताबिक, यह मामला कार्ति और उनके करीबी एस भास्करमन को वेदांता समूह की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) के एक शीर्ष अधिकारी द्वारा रिश्वत के रूप में दिए जाने के आरोपों से संबंधित है, जो पंजाब में एक बिजली संयंत्र स्थापित कर रहा था। सीबीआई ने चिदंबरम परिवार के परिसरों पर छापा मारा था और भास्करमन को गिरफ्तार किया था, जबकि कार्ति चिदंबरम से पूछताछ की गई थी। तमिलनाडु के शिवगंगा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के 50 वर्षीय सांसद कार्ति चिदंबरम ने आरोपों का खंडन किया है और एक बयान में कहा है कि अगर यह उत्पीड़न नहीं है, चुनिंदा शिकार नहीं है, तो क्या है। कार्ति कहा था कि उन्होंने वीजा प्रक्रिया में एक भी चीनी नागरिक को फायदा नहीं पहुंचाया था, 250 की तो बात ही छोड़ दें।

>12

सराय पर जीएसटी को लेकर केंद्र की सफाई

चंडीगढ़, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अमृतसर स्थित दरबार साहिब की सरायों पर 12 प्रतिशत जीएसटी मामले में नया ट्विस्ट आ गया है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एवं कस्टम्स (सीबीआईसी) ने इस मामले में सफाई दी है। उन्होंने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की सरायों पर जीएसटी नहीं लगाया गया है। इसको भरने के लिए भी कोई नोटिस नहीं भेजा गया। यह संभव है कि उन्होंने खुद ही जीएसटी जमा करवा दिया हो। सीबीआईसी ने कहा कि जीएसटी कौंसिल की 41वीं बैठक हुई थी। उसकी सिफारिश के मुताबिक 1000 रुपये प्रतिदिन के किराए वाले होटल कमरों से जीएसटी छूट वापस ले ली गई।

भाजपा का पलटवार : आपकी दादी ने आपातकाल लगाया था, कुछ याद है?

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। आज महंगाई व बेरोजगारी के मुद्दे पर कांग्रेस के प्रदर्शन के बीच भाजपा ने महंगाई व नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस व गांधी परिवार पर सीधा हमला बोला। राहुल गांधी ने कांग्रेस के प्रदर्शन से पहले केंद्र सरकार को घेरा और देश में लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाया। इसके बाद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जब महंगाई पर चर्चा होती है तो राहुल गांधी सदन में आते नहीं हैं। सदन में वॉक आउट कर जाते हैं। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में विस्तार से उत्तर दिया कि कोविड की समस्या के बावजूद भारत की आर्थिक व्यवस्था दुनिया के कई देशों की तुलना में बेहतर है। रविशंकर प्रसाद ने नेशनल हेराल्ड केस को लेकर आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने पांच लाख रुपये लगाकर 5000 करोड़ रुपये की संपत्ति हथिया ली है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस का लोकतंत्र भ्रष्टाचार का तंत्र है। राहुल गांधी भ्रष्टाचार से बचने के लिए देश की आलोचना कर रहे हैं। राहुल गांधी बताएं कि वह जमानत पर क्यों हैं? आज रक्षा सौदों में कोई 'कट' नहीं होता। कांग्रेस पार्टी आज एक परिवार की जेब में है। यह परिवार अब पार्टी की प्रॉपर्टी पर कब्जे की कोशिश कर रहा है।

महात्मा गांधी के वंशज नहीं हैं राहुल 'नकली गांधी' : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। महंगाई को लेकर कांग्रेस के आज हो रहे प्रदर्शन के बीच भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने राहुल गांधी को नकली गांधी करार दे दिया। जोशी ने कहा, वे (राहुल गांधी) महात्मा गांधी के वंशज नहीं हैं। वह एक नकली गांधी हैं और यह कांग्रेस एक नकली विचारधारा है। केंद्रीय मंत्री जोशी ने यह बात कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की एक टिप्पणी पर कही। राहुल गांधी ने आज सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि गांधी सिर्फ एक परिवार नहीं बल्कि एक पूरी विचारधारा है।

संजय राउत गए जेल, अकेले पड़े उद्धव ठाकरे हो रहे फेल

सिर्फ इन नेताओं के भरोसे है जंग

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना के संकटमोचक माने जाने वाले एकनाथ शिंदे की बगावत ने प्रमुख उद्धव ठाकरे को कई मोर्चों पर मुश्किल में डाल दिया है। सत्ता गंवाने के बाद अब वह मजबूत नेताओं की कमी से भी जूझ रहे हैं। मौजूदा हालात में उद्धव पार्टी के कुछ चुनिंदा नेताओं पर ही निर्भर हैं। इसके अलावा वह पार्टी में पड़ी दरार को लेकर भी संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। पार्टी के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि ठाकरे और उनके सहयोगियों की तरफ से किए जा रहे डैमेज कंट्रोल में बड़े नेता की कमी नजर आती है। इसके अलावा बागियों के खिलाफ भी शिवेसना का आमतौर पर नजर आने वाला रवैया गायब है।

इसका एक बड़ा कारण ऐसे नेता की कमी भी है, जो शिंदे की खाली की गई जगह को भर सके। गोपनीयता की शर्त पर पार्टी के वरिष्ठ नेता कहते हैं, 'शिंदे ऐसे ही एक जननेता थे। ऐसे जन नेता को कम समय में तैयार या बनाया नहीं जा सकता। बिल्कुल मुझे इस बात पर संदेह है कि ठाकरे, आदित्य के राजनीतिक भविष्य के लिए किसी जन नेता को बढ़ने देंगे या नहीं।'

अब कैसे जंग लड़ रही है शिवसेना

सेना के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि 'असली' शिवसेना की जंग कानूनी और संगठन स्तर पर लड़ी जा रही है। एक ओर जहां अदालत में अनिल परब, पूर्व मंत्री सुभाष देसाई, अनिल देसाई और अरविंद सावंत कानूनी मामले देख रहे हैं। इधर, रिटायरमेंट की तैयारी कर रहे देसाई संगठन के काम में भी सक्रिय हो गए हैं। खास बात है कि ठाकरे के निजी सचिव मिलिंद नार्वेकर इस सियासी तस्वीर से गायब हैं। उन्हें सियासी दलों और राजनेताओं के बीच राह बनाने के लिए भी जाना जाता है। पार्टी के एक नेता का कहना है कि शिंदे से अच्छे संबंध होने के चलते भी भरोसे की कमी की एक वजह हो सकता है। इसके अलावा सांसद संजय राउत के गिरफ्तार होने के बाद मीडिया के साथ बातचीत के मोर्चा भी प्रभावित हुआ है।

कौन निभा रहा है जिम्मेदारी

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'चूंकि राउत को गिरफ्तार कर लिया है, तो मीडिया की रणनीति अरविंद सावंत और राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी संभाल रहे हैं।' वहीं, परब, सचिन अहीर और अजय चौधरी, रविंद्र वाइकर, सुनील प्रभु और संजय पोटनिस जैसे विधायक और ठाकरे के वफादार रहे विभाग प्रमुख आम शिवसैनिकों तक पहुंच रहे हैं। अपने ही गढ़ में जूझती शिवसेना मुंबई और ठाणे के बाद शिवसेना मराठवाड़ा में तेजी से बढ़ी थी। हालांकि, अब स्थिति अलग है। उदाहरण के लिए औरंगाबाद जिले शिवसेना के 6 विधायक हैं और यहां केवल एक ही ठाकरे के साथ रह गया है। हालांकि, पूर्व सांसद चंद्रकांत खैरे और एमएलसी अंबादास दानवे लोगों को जुटाने के लिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। खैरे ने कहा,

'मैं सभी क्षेत्रों में गया और कार्यकर्ताओं से मिला।' उन्होंने बताया कि संपर्क प्रमुख विनोद गोसलकर और बब्बन थोराड़ ने संगठन को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई है। पूर्व सांसद ने बताया, 'लोग इस बात से नाराज हैं कि जब उन्हें अपने पसीने और प्रयास से चुना और वे लुभाने पर छोड़कर चले गए... आदित्य की जनसभाओं में जुट रही भीड़ इस गुस्से को दिखा रही है।'

घूसखोरी में ओडिशा की कंपनी के डीजीएम समेत चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। सीबीआई ने घूसखोरी के एक मामले में ओडिशा की एक कंपनी के डीजीएम समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पारादीप पोर्ट ट्रस्ट का एक वरिष्ठ इंजीनियर भी शामिल है। मामला पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के अधिकारियों के भ्रष्टाचार से जुड़ा है। आरोप है कि पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के मुख्य मैकेनिकल इंजीनियर सरोज कुमार दास ने सुमंत राउत के माध्यम से ओडिशा स्टीवडोर्स लिमिटेड से 60 लाख रुपये रिश्वत मांगी थी। सीबीआई टीम ने राउत दास, एक निजी व्यक्ति शंख सुभरा मित्रा और ओडिशा स्टीवडोर्स लिमिटेड के डीजीएम सूर्य नारायण साहू को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

केरल में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित, आठ जिलों में रेड अलर्ट

तिरुवनंतपुरम, 5 अगस्त (एजेंसियां)। केरल में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को 8 अगस्त तक आठ जिलों के लिए भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया। बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात हैं, वहीं भूस्खलन के कारण कई जगहों पर सड़कें धंस गई हैं। पीड़ितों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। वहीं, प्रदेश की चलक्कुडी, पम्मा, मनीमाला और अचनकोविल नदियां का जलस्तर बढ़ गया है। जिले में चलक्कुडी नदी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मुख्यमंत्री पी विजयन ने त्रिशूर और एर्नाकुलम जिले में नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी जारी की।

पांच विमानों का रास्ता बदला...

राज्य के कोझिकोड जिले में खराब मौसम के कारण मिडिल ईस्ट की पांच विमानों को कालीकट एयरपोर्ट की जगह कोचीन की तरफ डायवर्ट किया गया।

अब तक 18 की मौत

सरकार के अनुसार, अभी तक बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ आने से 18 लोगों की जान चली गई है। वहीं, 100 से ज्यादा संपत्तियों को नुकसान हुआ।

पठानकोट में नेशनल हाईवे पर मिला हैंड ग्रेनेड

बरसात के कारण आए मलबे को हटाते समय हुआ बरामद

पठानकोट, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पठानकोट में जालंधर नेशनल हाईवे 44 पर हैंड ग्रेनेड मिलने से सनसनी फैल गई। हैंड ग्रेनेड शुक्रवार दोपहर बाद थाना डमटाल के अंतर्गत नेशनल हाईवे 44 पर भडरोया मोड़ के पास मिला। जानकारी के मुताबिक नेशनल हाईवे पर बरसात के चलते पहाड़ियों से मलबा आ गया था। इस पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी द्वारा जेसीबी से मलबा हटावाया जा रहा था। इसी दौरान जेसीबी ऑपरेटर को एक जिंदा हैंड ग्रेनेड दिखाई दिया। इसकी सूचना उसने अपने आला अधिकारियों को दी। उन्होंने तुरंत थाना डमटाल में इस के बारे में सूचित किया। सूचना मिलते ही सब इंस्पेक्टर योगेश कुमार अपनी टीम सहित मौके पर पहुंचे। जल्दी ही आर्मी के अधिकारियों को भी इस संबंधी सूचित कर दिया गया।इसी नाले से दो साल पहले भी एक जिंदा बम बरामद किया गया था जिसे आर्मी की एक्सपर्ट टीम द्वारा डिफ्यूज कर दिया गया था। उस मामले में अभी तक जांच जारी है।

तिरंगे को लेकर आरएसएस पर बरसे असदुद्दीन ओवैसी

पीएम से पूछा – देश का झंडा भगवा होना चाहिए?, मिले ऐसे रिएक्शन

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम को लेकर केंद्र सरकार के साथ आरएसएस पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि क्या देश का झंडा भगवा होना चाहिए? इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी कटाक्ष किया। उनके बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स भी कई तरह के रिएक्शन दे रहे।

असदुद्दीन ओवैसी ने कही यह बात

असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया कि आरएसएस की ओर से मांग की गई थी कि देश का झंडा भगवा होना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, ' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से ही

आगे बढ़ने की शक्ति मिली है तो उनको जवाब देना चाहिए कि क्या देश का तिरंगा भगवा होना चाहिए?' आरएसएस के मुख्य पत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें तिरंगे को नकारने की बात लिखी हुई है, क्या पीएम इससे इत्तफाक रखते हैं।

एआईएमआईएम प्रमुख ने किए ऐसे ट्वीट

असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी सोशल मीडिया हैंडल के जरिए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कई सवाल किए हैं। उन्होंने लिखा, 'ऑर्गेनाइजर पत्रिका आरएसएस का मुख्य पत्र है, 17 जुलाई 1947 को जिसमें कहा गया था कि राष्ट्रीय ध्वज का रंग भगवा होना चाहिए। प्रधानमंत्री कहते हैं कि आरएसएस उनकी नीव है, उन्हें से प्रेरणा मिली है।

पीएम मोदी से किया सवाल

असदुद्दीन ओवैसी ने अपने दूसरे ट्वीट में लिखा कि आरएसएस कहा है कि झंडे में तीन रंग बुरे हैं। प्रधानमंत्री और भाजपा को बताना चाहिए कि उन्होंने जो कहा है वह सही है या गलत, ये उन्हें स्पष्ट करना चाहिए। ओवैसी ने ट्वीट करते हुए कहा कि सरकार हमसे तिरंगा डीपी लगाने और रैलियां निकालने के लिए कह रहे हैं, लेकिन आरएसएस ने स्वतंत्र भारत और तिरंगे को खारिज कर दिया था। आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइज़र ने अपने विचार व्यक्त करते हुए मांग की थी कि देश का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा नहीं बल्कि भगवा हो।

लोगों के जवाब

अभिनव शुक्ला नाम के ट्विटर यूजर ने कमेंट किया गया कि एजेंटों द्वारा बीजेपी पर हमला बोलना स्ट्रैटेजी का हिस्सा है, ताकि जनता को बेवकूफ बनाकर रखा जा सके। रवि नाम के एक यूजर ने दावा किया – पता कर लीजिए कि 7 लोगों की समिति में नेहरू थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश का झंडा केसरिया होना चाहिए। जिसके बाद गांधी ने मना कर दिया था। आशीष पांडे नाम के एक यूजर ने लिखा – इसमें गलत क्या था? जब देश का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ था तो देश का राष्ट्रीय ध्वज भी तो भगवा होना चाहिए था।

कमलनाथ का बीजेपी पर हमला

बोले तिरंगे से कभी प्रेम नहीं करने वाले सम्मान की बात कर रहे

भोपाल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर राजनीति भी तेज है। तिरंगे बेचने के आरोप के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बीजेपी पर बड़ा हमला किया है। कमलनाथ ने कहा कि जिनका तिरंगे से कभी प्रेम नहीं रहा, वो आज तिरंगे के सम्मान की बात कर रहे है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि जिन लोगों का आजादी के संघर्ष में कोई योगदान नहीं, जिनके दल में एक भी ऐसा महापुरुष नहीं, जिसने आजादी की लड़ाई लड़ी हो। जिनका तिरंगे से कभी प्रेम नहीं रहा, वो आज तिरंगे के सम्मान की बात कर रहे हैं। तिरंगे के सम्मान के नाम पर वो खुद को देशभक्त बताने का प्रयास कर रहे हैं, उनकी देशभक्ति आजादी के संघर्ष में सभी ने देखी है। कमलनाथ ने कहा कि आज देश महंगाई, बेराजगारी, खाद्य पदार्थों पर लगाई गई जीएसटी से जूझ रहा है और ये देश का ध्यान मोड़ने में लगे है। बता दें आजादी के 75 साल होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश में हर घर तिरंगा अभियान 13 से 15 अगस्त तक मनाया जाना है। इसके लिए लोगों को अपने घर पर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

श्रीनगर में पीडीपी का प्रदर्शन

महबूबा मुफ्ती ने 370 खत्म किए जाने को बताया काला फैसला

जम्मू, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अनुच्छेद 370 को आज ही के दिन तीन साल पहले केंद्र की मोदी सरकार ने खत्म किया है। इसके साथ ही राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रूप में विभाजित किया गया है। इसे लेकर शुक्रवार को श्रीनगर में पीडीपी ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व पीडीपी प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने किया। महबूबा मुफ्ती ने आज के दिन को 'काला दिन' और 370 हटाए जाने को 'काला फैसला' करार दिया। हाथ में बैनर के साथ प्रदर्शन में शामिल हुईं महबूबा मुफ्ती ने नारेबाजी करते हुए कहा, 'काले दिन का काला फैसला नहीं चलेगा, कश्मीर का मसला हल करो।' मीडिया को संबोधित करते हुए पीडीपी प्रमुख ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वो तिरंगे को भगवे में तब्दील करना चाहती है। उन्होंने कहा, ' भाजपा

आने वाले समय में संविधान और इसकी धर्मनिरपेक्षता की नींव को भी खत्म कर देगी, जिस पर भारत देश टिका है। भाजपा इसे एक धार्मिक देश बनाना चाहती है। आज जिस तिरंगे को लोग गर्व से फहरा रहे हैं, भाजपा इसे भगवा झंडे में बदलना चाहती है। महबूबा मुफ्ती ने कहा, 'वे(भाजपा) इस देश का झंडा वैसे ही बदल देंगे, जैसे उन्होंने जम्मू-कश्मीर का संविधान और झंडा छीन लिया। लेकिन, हमने कसम खाई है कि अपना झंडा और संविधान वापस ले कर रहेंगे। हम उन्हें कश्मीर के मुद्दे को हल करने के लिए भी मजबूर करेंगे, जिसके लिए लाखों लोगों ने बलिदान दिया है।'

सरकार के साथ बदले राणा दंपति के तेवर

अदालत की कार्यवाही से हैं गायब, लगी फटकार

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके पति विधायक रवि राणा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मुंबई पुलिस ने कोर्ट में आवेदन दायर कर दंपति की जमानत रद्द करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि दोनों ही नेता प्रदेश में नई सरकार के आने के बाद कोर्ट की कार्यवाही से गायब रहे हैं। 1 जुलाई को महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना (मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट) ने सरकार बनाई थी। मुंबई पुलिस के इस आवेदन को लेकर विशेष अदालत ने राणा दंपति को फटकार लगाई है। विशेष लोक अभियोजक प्रदीप घरात ने कहा कि जब से नई सरकार आई है, तब से ही न दंपति और न ही उनके वकील कोर्ट आए हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया को हल्के में लिया जा रहा है।

क्या था मामला

तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास मातोश्री के बाहर राणा दंपति ने हनुमान चालीसा का पाठ करने की बात कही थी। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ और उनके खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज हुआ था। बाद में उन्हें जमानत दे दी गई थी। दंपति की तरफ से कोर्ट में पेश हुए शब्बीर शोरा ने कार्यवाही में पेश होने के लिए विस्तार की मांग की है। फिलहाल केस को 11 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले दंपति को कोर्ट में 20 जुलाई को पेश होना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

मंत्री परिषद में मिल सकती है जगह

महाराष्ट्र में मंत्री परिषद को लेकर चर्चाएं जारी हैं। हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में कुछ संभावित मंत्रियों के नाम भी सामने आए थे। कहा जा रहा है महाराष्ट्र सरकार में निर्दलीय विधायक राणा और बच्चू काडू में से किसी एक को जगह मिल सकती है। खबर है कि गुरुवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दिल्ली दौरे पर चले गए थे। वहीं, सीएम शिंदे ने भी स्वास्थ्य खराब होने की बात कही थी।

केंद्रीय मंत्री जोशी बोले- महात्मा गांधी के वंशज नहीं हैं राहुल, 'नकली गांधी'

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। महंगाई को लेकर कांग्रेस के आज हो रहे प्रदर्शन के बीच भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने राहुल गांधी को नकली गांधी करार दे दिया। जोशी ने कहा, 'वे (राहुल गांधी) महात्मा गांधी के वंशज नहीं हैं। वह एक नकली गांधी हैं और यह कांग्रेस एक नकली विचारधारा है। केंद्रीय मंत्री जोशी ने यह बात कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की एक टिप्पणी पर कही। राहुल गांधी ने आज सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि गांधी सिर्फ एक परिवार नहीं बल्कि एक पूरी विचारधारा है। इससे पहले राहुल गांधी ने महंगाई को लेकर आज कांग्रेस के प्रदर्शन के पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, 'मेरे परिवार ने अपने प्राणों की आहुति दी। यह हमारी जिम्मेदारी है क्योंकि हम इस विचारधारा के लिए लड़ते हैं। जब हिंदू-मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होते हैं,

ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने पर पांच पुलिसकर्मियों का एसपी ने किया तबादला

मयिलादुथुराई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। तमिल नाडु के मयिलादुथुराई में चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां ब्यूटी पेजेंट में भाग लेने के बाद एक विशेष सहायक पुलिस निरीक्षक सहित पांच पुलिस कर्मियों का ट्रांसफर कर दिया गया. अधिकारियों ने शुक्रवार को ये जानकारी दी. नागपट्टिनम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) द्वारा ट्रांस्फर का आदेश तब आया जब कर्मियों ने एक ब्यूटी पेजेंट में रैंप वॉक किया. शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, पिछले रविवार को एक निजी संगठन द्वारा मयिलादुथुराई जिले के सेम्बनारकोविल में एक ब्यूटी पेजेंट आयोजित की गई थी, जिसमें अभिनेत्री याशिका आनंद ने विशेष अतिथि के रूप में हिस्सा लिया और प्रतियोगिता का उद्घाटन किया. इस बीच इस बारे में खबर अगले दिन मीडिया में वायरल हो गई. नागपट्टिनम जिले के पुलिस अधीक्षक जवागर ने विशेष सहायक निरीक्षक सुब्रमण्यम सहित इन पुलिसकर्मियों (रेणुका, अश्विनी, नित्यसीला और सिवानेसन) को स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया है, जो वर्तमान में सेम्बनारकोविल पुलिस स्टेशन में कार्यरत है. मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है.

संजय राउत की पत्नी को ईडी ने आज बुलाया

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पात्रा चॉल घाटोला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिवसेना सांसद संजय राउत की पत्नी वर्षा को शुक्रवार को तलब किया है। पहले खबर आई थी कि ईडी ने राउत की पत्नी वर्षा को शुक्रवार सुबह 11 बजे तलब किया है। लेकिन समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अब राउत की पत्नी को शनिवार के लिए समन जारी किया गया है। माना जा रहा है कि ईडी के अधिकारी दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ कर सकते हैं। बृहस्पतिवार को कोर्ट में पेशी के दौरान न्यायाधीश देशपांडे ने राउत से पूछा कि क्या उन्हें कोई दिक्कत है तो राउत ने कहा, जिस कमरे में मुझे रखा गया है उसमें कोई खिड़की और वेंटिलेशन नहीं है। अदालत ने इस पर ईडी के वकील से स्पष्टीकरण मांगा। ईडी के वकील ने कहा, राउत को एसी (वातानुकूलित) कमरे में रखा गया है। इसलिए वहां कोई खिड़की नहीं है। इसके बाद राउत ने माना कि कमरे में एसी की व्यवस्था है, लेकिन स्वास्थ्य की स्थिति के कारण वह इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते।

ईडी की नजर राउत के संपर्कों पर वहीं प्रवर्तन निदेशालय पात्रा चॉल घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउत को गिरफ्तार करने के बाद उनके संपर्क तलाशने में जुटा है। खासतौर पर प्रवीण राउत, सुजीत पाटकर और राउत की पत्नी वर्षा राउत का एक-दूसरे से क्या संबंध हैं, इसकी छानबीन चल रही है। इसी क्रम में ईडी ने मंगलवार को मुंबई में दो स्थानों पर छापे मारे।

सूत्रों का कहना है कि ईडी ने दीवान बिल्डर्स के बांद्रा दफ्तर और दूसरा बांद्रा में ही नेशनल हेराल्ड केस में छापा मारा। ईडी अधिकारी पता लगाने में जुटे हैं कि संजय राउत और उनकी पत्नी वर्षा राउत के बैंक खाते में पैसे कैसे ट्रांसफर किए गए। आरोप है कि प्रवीण राउत ने संजय राउत और उनके रिश्तेदारों के खाते में 1.6 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए थे।

नाबालिग छात्रा से धर्म बदलकर दोस्ती

शादी का दबाव बनाने फोटो एडिट कर वायरल करने की धमकी दी

इंदौर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर पुलिस ने एक नाबालिग छात्रा से धर्म बदलकर दोस्ती करने और फिर फोटो वायरल करने की धमकी देकर शादी का दबाव बनाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर लव जेहाद, छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की नाबालिग छात्रा से पहली मुलाकात एक मेडिकल शॉप में हुई थी, जिसके बाद आरोपी ने उसे बातों में उलझाकर किसी तरह उसका नंबर ले लिया और उसे मदद का आश्वासन दिया। आरोपी ने खुद को हिन्दू बताकर छात्रा से पहले दोस्ती की और छात्रा को मिलने के बुलाया। इसी दौरान उसने छात्रा के कुछ फोटोज ले लिए और बाद में इन्हें ही एडिट कर के उसे ब्लैकमेल करने लगा और शादी करने का दबाव डालने लगा। इतनी ही नहीं आरोपी छात्रा पर धर्म बदलने का दबाव बना रहा था, वह छात्रा को मुस्लिम नाम रुही कह कर बुलाता था और उसका नंबर भी उसी नाम से सेव किया था। मानसिक प्रताड़ना के चलते नाबालिक छात्रा डिप्रेशन में है। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने 13 वर्षीय छात्रा की मां की शिकायत पर बूढ़ी बरलई निवासी दानिश पुत्र सलमान मंसूरी के खिलाफ केस दर्ज किया है। गुरुवार को दानिश ने छात्रा को जबरदस्ती मिलने बुलाया था जहां परिवार के लोगों के साथ ही हिन्दू संगठन के लोग भी पहुंच गए और दानिश को पकड़कर थाने ले गए।

विमान में सिख यात्रियों को कृपाण रखने की अनुमति देने के खिलाफ दायर अर्जी पर एससी का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू उड़ानों में सिख यात्रियों को कृपाण की इजाज़त के खिलाफ हिंदू सेना की अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मामले को लेकर हाईकोर्ट जा सकते हैं. हिंदू सेना का कहना था कि इस तरह की इजाज़त विमान में यात्रा करने दूसरे यात्रियों के लिए खतरा बन सकती है. दरअसल हिंदू सेना ने सिख यात्रियों को घरेलू उड़ानों में कृपाण ले जाने की अनुमति देने के ब्यूरो ऑफ सिविल ए वि ए श न सिक्योरिटी के फैसले को चुनौती दी थी. बता दें कि कृपाण एक घुमावदार खंजर है, जिसे सिख धर्म में शरीर के बगल में पहना जाना है. 4 मार्च के आदेश में बीसीएएस ने कहा था, कृपाण केवल एक सिख यात्री अपने साथ ले जा सकता है, बशर्ते ब्लेड की लंबाई छह इंच से अधिक न हो और कुल लंबाई नौ इंच से अधिक न हो. भारत के भीतर भारतीय विमानों में हवाई यात्रा करते समय कृपाण की अनुमति है. 4 मार्च के आदेश में आगे कहा गया था, यह अपवाद केवल ऊपर बताए गए सिख यात्रियों के लिए होगा.

हवाई अड्डे पर और किसी भी टर्मिनल, घरेलू या अंतरराष्ट्रीय में काम करने वाले किसी भी हितधारक या उसके कर्मचारी (सिख सहित) को व्यक्तिगत रूप से कृपाण ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी. जिसके बाद 9 मार्च को एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को एक पत्र लिखा, जिसमें कहा गया कि 4 मार्च का आदेश सिख अधिकारों पर हमला है. जिसके बाद 12 मार्च को बीसीएएस ने 4 मार्च के आदेश को लेकर शुद्धिपत्र जारी किया है. शुद्धिपत्र ने उस अनुच्छेद को हटा दिया, जिसमें सिख कर्मचारियों को किसी भी हवाई अड्डे पर कृपाण लाने पर रोक लगाई गई थी.

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 6 अगस्त, 2022 3

सु वि चा र

यौवन, जीवन, धन, छाया, लक्ष्मी, प्रमुख- ये पाँच चंचल होते हैं। यह जानकर इंसान को धर्मरत होना चाहिए।

अस्पतालों को अवांछित सिजेरियन से बचना चाहिए : हरीश

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना के सरकारी और निजी अस्पतालों में सामान्य प्रसव को प्रोत्साहित करने और अवांछित सिजेरियन करने की प्रथा पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक कदम उठा रही है।

सरकारी मातृत्व अस्पताल, पेटलाबुर्ज में शुक्रवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार ने किसी भी कीमत पर निजी सहित सभी अस्पताल में सी-सेक्शन को कम करने और सामान्य प्रसव को बढ़ावा देने का कड़ा फैसला लिया है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कई मोर्चों पर इस मुद्दे को संबोधित करने के उद्देश्य से सरकारी मातृत्व अस्पतालों में कर्मचारियों को वित्तीय-आधारित प्रोत्साहन सहित कई उपायों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत प्रति प्रसव 11,000 रुपये के सी-सेक्शन कवरेज को दूर करने का भी निर्णय लिया है।

आरोग्यश्री के तहत सी-सेक्शन के लिए 11,000 रुपये सामान्य प्रसव के लिए एक नकारात्मक प्रोत्साहन बन रहा था। यही कारण है कि राज्य सरकार ने अवांछित सी-सेक्शन को कवरेज प्रदान करना बंद करने का फैसला किया है, हरीश राव ने खुलासा किया। मंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पताल के कर्मचारियों को अवांछित सी-सेक्शन से बचने और गर्भवती महिलाओं में जागरूकता फैलाने और उन्हें सामान्य प्रसव के बारे में सकारात्मक रखने का प्रयास करना चाहिए। हरीश राव ने स्वास्थ्य कर्मचारियों और डॉक्टरों से सामान्य प्रसव के लिए युवा महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दर्द रहित वितरण तंत्र का पता लगाने का आग्रह किया।

सामान्य प्रसव के लिए कर्मचारियों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों को सामान्य प्रसव कराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने शुक्रवार को 'टीम आधारित प्रोत्साहन' की घोषणा की है। सरकारी अस्पतालों के कर्मचारियों और फील्ड स्तर के कर्मचारियों, जो अधिक सामान्य प्रसव करते हैं, उन्हें प्रति प्रसव 3,000 की राशि दी जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानदंडों के अनुसार सामान्य प्रसव का इष्टतम स्तर लगभग 85 प्रतिशत है। इसलिए, यदि कोई सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा 2021-22 में सामान्य प्रसव के 85 प्रतिशत की सीमा से अधिक हो गई है, तो वर्ष 2022-23 के लिए इन सुविधाओं के लिए सामान्य प्रसव के 85 प्रतिशत को बेंचमार्क के रूप में लिया जाएगा। जीओ ने कहा कि बेंचमार्क से ऊपर के प्रत्येक महीने में प्रदर्शन को उस अस्पताल के लिए मासिक आधार पर जारी राशि के साथ प्रोत्साहित किया जाएगा। सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) और मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) सहित फील्ड स्टाफ के लिए प्रोत्साहन का भुगतान भी अस्पताल द्वारा आनुपातिक आधार पर किया जाएगा, जहां एएनएम / आशा व्यक्तिगत रूप से गर्भवती महिलाओं के साथ सुविधा के लिए हैं वितरण का परिणाम। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ एएनएम/आशा कार्यकर्ताओं के दौरे को रिकॉर्ड करने के उद्देश्य से, सरकारी अस्पताल को एक रजिस्टर रखना होगा और अस्पताल अधीक्षकों को धनराशि जारी की जाएगी।

एआईसीसी नेता दासोजू श्रवण ने कांग्रेस छोड़ी

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस प्रवक्ता दासोजू श्रवण ने आज यह घोषणा कर कांग्रेस पार्टी को चौंका दिया कि वह कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उनका फैसला टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ उनके गुस्से का नतीजा है। उन्होंने कहा कि वह भारी मन से घोषणा कर रहे हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, श्रवण ने आरोप लगाया कि एआईसीसी के राज्य प्रभारी मनिकम टैगोर, टीपीसीसी प्रमुख ए रेवंत रेड्डी और राजनीतिक रणनीतिकार सुनील कानुगोलु ने एक-दूसरे से

हाथ मिलाया और तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को नष्ट कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि तीनों सर्वेक्षण के नाम पर पार्टी आलाकमान को गुमराह कर रहे हैं और कहा कि सुनील इसे गुमराह करने के लिए पार्टी आलाकमान को फर्जी सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंप रहे थे।

राजगोपाल रेड्डी अमित शाह की मौजूदगी में होंगे भाजपा में शामिल

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने वाले कांग्रेस विधायक के. राजगोपाल रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में 21 अगस्त को भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। राजगोपाल रेड्डी ने दिल्ली में शाह से मुलाकात के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए यह खुलासा किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव होने पर धन जारी किया जा रहा है। मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र का फैसला मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के लिए आंखें खोलने वाला था। यह आरोप लगाते हुए कि सत्तारूढ़ दल उनके निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए अपना समर्थन नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्रों का विकास राज्य में सिद्दीपेट और सिरिसिला विधानसभा क्षेत्रों तक ही सीमित है। उन्होंने कहा कि मुनुगोडु के फैसले से राज्य की राजनीति में भी एक नया बदलाव आएगा और उम्मीद है कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोग उनके साथ खड़े होंगे। अपने बड़े भाई और कांग्रेस सांसद कोमारिरेड्डी वेंकट रेड्डी पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि उनके भाई भी बहुत जल्द एक अच्छा फैसला लेंगे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SIRAJ SULTANA, W/o. SHAIK SALEEM UDDIN, R/o. 9-4-62/129/A, Tolichowki, Hyd. T.S. lost my Indian Passport No: F7568042, while shifting house at Kamtipura on 20/01/2020. If any one is found contact 9700612641

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
ईसीआईएल (पो.), हैदराबाद - 500 062, तेलंगाना

उज्ज्वल भविष्य के लिए ईसीआईएल के साथ जुड़ें

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत भारत सरकार का उद्यम महाप्रबंधक पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि 06.08.2022 (1400 बजे से) तथा अंतिम तिथि 27.08.2022 (1400 बजे) तक है।

सम्पूर्ण विवरण (योग्यताओं, अनुभव, आयु इत्यादि सहित) तथा ऑनलाइन आवेदन पत्र के लिए कृपया कंपनी की वेबसाइट :http://careers.ecil.co.in या www.ecil.co.in देखें।

विज्ञापन सं. 18/2022 उप महाप्रबंधक- मा. सं. (भर्ती)

CBC 48138/12/0012/2223

No.17-01/2020-Restg.(Pt.)
भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

20, अशोक रोड, संचार भवन, नई दिल्ली-1
दिनांक: 29 जुलाई, 2022

अधिसूचना

'भारत में दूरसंचार को नियंत्रित करने वाली नई कानूनी संरचना की आवश्यकता' पर परामर्श पत्र पर विचार आमंत्रित करना

संचार मंत्रालय, भारत सरकार के दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार क्षेत्र में एक नयी कानूनी संरचना की आवश्यकता पर एक परामर्श पत्र तैयार किया है। परामर्श पत्र www.dot.gov.in पर उपलब्ध है। परामर्श पत्र पर हितधारकों के विचार आमंत्रित किये जाते हैं।

हितधारक अपने विचार ईमेल आईडी naveen.kumar71@gov.in पर भेज सकते हैं।
विचार प्राप्त करने की अंतिम तिथि 25 अगस्त 2022 होगी।

(नवीन कुमार)
निदेशक

CBC 06201/11/0005/2223

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम लि.
(भारत सरकार का उद्यम-मिनी रत्ना श्रेणी-I)
दक्षिण मध्य अंचल
9-1-129/1/102, प्रथम तल, आक्सफोर्ड प्लाजा, एसडी रोड, सिकंदराबाद-500003
CIN:U74899DL1999GOI101707

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

जीजीएम/एससीजेड द्वारा निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है: -

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम मर्या.(दक्षिण मध्य रेलवे, इस्ट कोस्ट रेलवे तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे) के साउथ सेंट्रल जोन के विभिन्न स्टेशनों पर स्थित रिफ्रेशमेंट रूम्स, जन आहारों, फूड प्लाझास, फास्ट फूड इकाईयों तथा रिटायरिंग रूम्स(विश्राम कक्ष) के आरओएमटी एवं डोर्मिटोरीज(शयन कक्ष) पर संचालन, रखरखाव तथा कैटरिंग सेवाओं के प्रति सेवा प्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर) की नियुक्ति हेतु खुली ई-निविदा आमंत्रित हैं।

महत्वपूर्ण तिथियां –

क्रम सं.	इकाई का प्रकार	निविदाओं की प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय	ई-निविदा खोलने की तिथि व समय
1.	रिफ्रेशमेंट रूम (विजयवाडा)	25.08.2022 के 15.00 बजे	25.08.2022 के 15.30 बजे
2.	रिफ्रेशमेंट रूम्स	25.08.2022 के 15.30 बजे	25.08.2022 के 16.00 बजे
3.	जन आहार	26.08.2022 के 15.00 बजे	26.08.2022 के 15.30 बजे
4.	फास्ट फूड यूनिट्स	26.08.2022 के 15.30 बजे	26.08.2022 के 16.00 बजे
5.	फूड प्लाजास	26.08.2022 के 16.30 बजे	26.08.2022 के 17.00 बजे
6.	रिटायरिंग रूम्स	30.08.2022 के 15.00 बजे	30.08.2022 के 15.30 बजे

तत्संबंधित निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग व सहभागिता वेबसाइट:: <www.tenderwizard.com/IRCTC> पर कर सकते हैं।

यदि उपरोक्त विज्ञापन के प्रति भी कोईभी शुद्धिपत्र/ जोड जारी होता है तो उसे केवल निम्न वेबसाइट्स: www.irctc.com--तथा - www.tenderwizard.com/IRCTC पर ही प्रकाशित किया जायेगा।इस हेतु किसी भी प्रकार का न्यूजपेपर प्रेस विज्ञापन जारी नहीं होगा।

भाग्यनगर गणेश उत्सव को अंतरराष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाया जाए : डॉ. संघी

पूर्व सांसद ने भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के प्रतिनिधियों को दी सलाह

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के प्रधान सचिव डॉ. भगवंत राव के नेतृत्व में गणेश उत्सव समिति का प्रतिनिधिमंडल ने आज संघी नगर स्थित आवास पर पूर्व सांसद, अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संघी से मुलाकात कर विशेष चर्चा

की। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति देते हुए भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के सचिव जसमत पटेल ने बताया कि सनातन धर्म प्रेमियों की एकजुटता के प्रतीक रूप श्री गणेश जी महाराज के नवरात्रि महोत्सव को सम्पूर्ण रूप से धार्मिकता से मनाने, आपसी भाईचारा बढ़ाने, साम्प्रदायिक एकता से मनाने हेतु विचार विमर्श हुआ। फीलखाना संघ के पूर्व मंत्री मुकेश जैन चौहान ने बताया कि डॉ. गिरीश कुमार संघी ने बहुत ही सरलता से सभी मुद्दों पर ठोस चर्चा की एवं भाग्यनगर के गणेश उत्सव को अंतरराष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाने पर कार्य योजना बनाने के लिए आगामी सप्ताह में एक विशेष मीटिंग आयोजित करने का तय किया।

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन समाज के सचिव आरके जैन ने सभी सनातन धर्म प्रेमियों को इस गणेश उत्सव को व्यसन मुक्त उत्सव के रूप में मनाते हुए गणेश जी के मंडपों में भक्ति गीत एवं देश भक्ति के गीतों को ही बजाने का निवेदन किया।

मुझे पार्टी से निकालने का प्रयास जारी: वेंकट रेड्डी

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज दावा किया कि पार्टी के कुछ नेता उन्हें पार्टी से निकालने का प्रयास कर रहे हैं। दिल्ली में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, वेंकट रेड्डी ने एआईसीसी प्रवक्ता दासोजू श्रवण का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि राज्य के कुछ नेता श्रवण को पार्टी से निकालने की कोशिश कर रहे है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं को खदेड़ने के बाद तेदेपा नेताओं का पार्टी में स्वागत करने का प्रयास किया जा रहा है। मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में पार्टी द्वारा आयोजित की जा रही जनसभा का जिक्र करते हुए उन्होंने राज्य पार्टी नेतृत्व से पूछा कि वे उन्हें बताए बिना उनके निर्वाचन क्षेत्र में एक कार्यक्रम कैसे तय करेंगे? उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेताओं ने उन्हें तेलंगाना इंटी पार्टी के अध्यक्ष चेरुकु सुधाकर के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बारे में सूचित नहीं किया था। उन्होंने कहा कि वह संसद सत्र के समापन के बाद मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र का दौरा करेंगे।

इस बीच, वेंकट रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उनसे हालिया बाढ़ के मद्देनजर राज्य को वित्तीय सहायता देने का आग्रह किया। उन्होंने शाह को बताया कि राज्य को बाढ़ से 1400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि वेंकट रेड्डी के छोटे भाई और विधायक के. राजगोपाल रेड्डी ने भी अमित शाह से अलग-अलग मुलाकात की।

गुमशुदा

मंगेश भागवत मुले
(पिता : भागवत मुले)
निवास स्थान : सांघी नगर
उम्र : 20 , बी. कॉम फाइनल ईयर, कॉलेज : एसीएमई डिग्री कॉलेज
3-8-2022 को सुबह 11.00 बजे मंगेश दिलसुखनगर बस स्टेशन पर बस पास बनाने गया था तब से लापता है।
संपर्क :
9392481391, 9881238269

योगी-रामगोपाल मुलाकात से अखिलेश यादव की मुश्किलें बढ़ीं

लखनऊ, 5 अगस्त (एजेंसियां)। सियासत में कब कौन सा कदम उलटा बैठ जाए, कुछ तय नहीं होता। कुछ ऐसा ही सपा के वरिष्ठ नेता प्रो. राम गोपाल यादव के साथ हुआ है। वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से क्या मिले माना मुसीबतों और विरोध का 'छत्ता' उन पर टूट पड़ा है। उनकी मुलाकात क्या हुई सपा में हालात बिगड़ने से लगे हैं। इससे अखिलेश यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पहले शिवपाल और फिर अपर्णा ने उन्हें निशाने पर लिया और उनके बाद अब खुद अखिलेश के 'नवरत्न' कहे जाने वाले उनके करीबी निशाने पर हैं। अब्दुल्ला आजम खेमा तो पहले ही नाराज़ है। सपा में विरोध के स्वर और मुखर होते नज़र आएं तो हैरत नहीं।

सपा के वरिष्ठ नेता और थिंक टैंक कहे जाने वाले प्रोफेसर साहब यानी राम गोपाल यादव ने एक अगस्त को मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। उनकी मुलाकात की खबर फैलते ही यह सवाल तैरने लगे कि आखिर उन्होंने मुलाकात क्यों और किस वजह से की। कहीं कोई भ्रम न रहे लिहाजा पार्टी ने उसी रात 9:37 बजे पार्टी के ट्वीटर हैंडिल से इसे एक दावा कर दिया। ट्वीट में बताया गया कि रामगोपाल अल्पसंख्यकों और पार्टी के कार्यकर्ताओं के लगातार हो रहे उत्पीड़न के सिलसिले में योगी आदित्यनाथ से मिले और उत्पीड़न बंद करने की बात कही। बात यहीं थम जाती तो ठीक था लेकिन करीब 24 घंटे बाद उनका पत्र जो उन्होंने सीएम को दिया, सोशल मीडिया में तैरने लगा। हंगामा बस यहीं से खड़ा हो गया। सवाल बड़ा है कि आखिर पत्र सोशल मीडिया तक पहुंचा कैसे और वह भी शिवपाल के हाथों तक? शिवपाल ने न केवल आवाज उठाई बल्कि चिट्ठी की पोल खोलते हुए सपा की दुखती नब्ज पर हाथ रख दिया। जैसा कि सपा ने दावा किया था चिट्ठी में अल्पसंख्यकों के मुद्दे का जिक्र तक नहीं था।

दम है तो बिहार में अकेले चुनाव लड़े भाजपा

जेपी नड्डा के बयान पर बोले तेजस्वी, सियासी माहौल गर्म

पटना, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार को भाजपा पर तीखे प्रहार कर सियासी सरगर्मी बढ़ा दी। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को भारत में सिर्फ एक पार्टी बचेगी के बयान को आड़े हाथों लिया और चुनौती दी कि बिहार में भाजपा अकेले चुनाव लड़कर दिखाए। इसपर बीजेपी नेता और डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद ने कहा है कि मुद्दाविहीन हताशा में अनाप-शनाप बोल रहा है। बीजेपी लीडर और मंत्री जीवेश मिश्रा ने तेजस्वी पर पलटवार किया कि पहले राजद अकेले दम पर 40 सीटों पर भी लड़कर दिखाए। इस बीच जदयू ने दोनों के इस वार-पलटवार से किनारा कर लिया।

बीजेपी को लोकतंत्र में विश्वास नहीं

तेजस्वी यादव ने भाजपा को बिहार में अकेले चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की औकात नहीं है कि वह बिहार में अकेले चुनाव लड़े, बिहार में उसका सारा दंभ टूट जाएगा। जनता उसे उसकी हैसियत बता देगी। नेता विपक्ष ने आगे कहा कि दरअसल, संघ और भाजपा का लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। भाजपा के नेताओं द्वारा विपक्ष को समाप्त करने का बयान उसके इसी मंसूबे को दर्शाता है। लेकिन, लोकतंत्र की जननी बिहार भाजपा के मंसूबों को सफल होने नहीं देगी। बिहार की जनता सबक सिखाना जानती है।

तेजस्वी यादव ने भाजपा को लोकतंत्र के लिए खतरनाक बताया। कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का यह कहना कि देश में सिर्फ भाजपा ही एकमात्र राजनीतिक दल होगी, यह बेहद खतरनाक है। भाजपा के लोग लोकतंत्र की जननी बिहार की धरती पर लोकतंत्र को खत्म करने की बात करते हैं। बिहार की जनता यह स्वीकार नहीं करेगी। लोकतंत्र सिर्फ सत्ता पक्ष से नहीं चलता, बल्कि लोकतंत्र में विपक्ष की अहम भूमिका होती है। उन्होंने केन्द्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। कहा कि देश का करोड़ों लेकर फरार होने वालों को तो वे ढूंढ़ नहीं पाते, लेकिन विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए उसका दुरुपयोग किया जाता है। उनका इस्तेमाल भाजपा के एक प्रकोष्ठ के रूप में किया जा रहा है।

गठबंधन पर बोले ललन सिंह

कल क्या होगा यह किसने देखा है, चुनाव में गठबंधन अभी काल्पनिक बात

पटना, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा है कि हम अपने संगठन को मजबूत और धारदार बनाने में जुटे हैं। पहले हम अपने को तैयार करेंगे, फिर यह तय करेंगे कि चुनाव में किसके साथ गठबंधन होगा। कल क्या होगा, यह किसने देखा है।

ललन सिंह गुरुवार को एक टीवी चैनल के साथ बात कर रहे थे। भाजपा द्वारा 2024 और 2025 के चुनाव में जदयू के साथ गठबंधन का एलान किये जाने के सवाल पर उन्होंने सवालिया लहजे में जवाब दिया उन्होंने कहा कि हम इस बात को नकार कहां रहे हैं। पर, अभी लोकसभा चुनाव की घोषणा नहीं हुई है इसलिए चुनाव में गठबंधन पर कोई सवाल करना काल्पनिक बात है।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि हमने वर्ष 2010 के विधानसभा चुनाव में जितनी सीटें पाई थीं, उसको लक्ष्य बनाकर तैयारी कर रहे हैं। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में जदयू 43 सीटों पर आ गई, यह कोई जनाधार में आई कमी के कारण नहीं हुआ था। बल्कि, षड्यंत्र के कारण सीटें कम हुई थीं। हम अभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनाधार को संगठित करने और उसे समेटने का कार्य कार्य कर रहे हैं। हमारा पूरा फोकस इसी पर है। मालूम हो कि वर्ष 2010 के चुनाव में जदयू ने 115 सीटें जीती थीं।

इधर, परिवहन मंत्री शीला मंडल ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काम से प्रभावित होकर रोज नए-नए लोग विशेषकर महिलाएं बड़ी संख्या में जदयू से जुड़ रही हैं। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि जदयू में एक नेता हैं नीतीश कुमार। सभी उनके मार्गदर्शन में काम करते हैं। उनके विरुद्ध बोलने वाला व्यक्ति जदयू का हो ही नहीं सकता।

जदयू प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को आयोजित जन-सुनवाई कार्यक्रम के बाद वह पत्रकारों से बात कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हमलोग कई नए रूटों पर बहुत जल्द ही अंतरराज्यीय बस सेवा प्रारंभ करने जा रहे हैं पर्यटकों एवं यात्रियों की सुविधा के लिए जहां भी आवश्यकता होगी, वहां बसें जरूर दी जाएंगी।

बिहार के सभी जिलों में खुलेंगे यातायात थाने

गृह विभाग ने डीएम-एसपी को दिया यह निर्देश

पटना, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के सभी जिलों में यातायात थाना खोलने की कवायद तेज हो गई है। गृह विभाग ने जमीन की तलाश शुरू कर दी है। आईजी ट्रैफिक एमआर नायक से प्रस्तावित थाना भवनों के निर्माण के लिए जमीन की उपलब्धता की जानकारी मांगी गई है। वहीं, गृह विभाग ने संबंधित जिले के डीएम और एसपी को जमीन उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय की सड़क सुरक्षा समिति से संबंधित गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद की अध्यक्षता में हुई समीक्षात्मक बैठक में इस बाबत निर्देश दिए गए। 28 नए यातायात थाना खोलने का प्रस्ताव बिहार में 38 जिलों के अलावा दो अतिरिक्त पुलिस जिले हैं। इन 40 जिलों में से 28 में यातायात थाना कार्यरत नहीं है, केवल 12 जिले में यातायात थाने हैं। जहां थाना नहीं है उनके जिला मुख्यालयों में यातायात थाना के सृजन की कार्रवाई जारी है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. 391/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी दिनांक : 03-08-2022 पीयूबी/0678

अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए 26-08-2022 को 15.30 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01. निविदा आईडी : 2527. डीईएन : डब्ल्यू, कार्य का विवरण : गुंटूर डिवीज़न : नल्लापाडु जंक्शन - नंद्याल जंक्शन सेक्शन में यूएमएलसी नं. 234, 240, 250, 270, 274, 276, 277, 278 एवं 280 के स्थान में सब वेज का शेष पूरक कार्य। अनुमानित मूल्य : रु. 4,53,82,258/-, बोली सुरक्षा : रु. 3,76,900/-

क्रम सं. 02. निविदा आईडी : 2528. डीईएन : एन, कार्य का विवरण : गुंटूर डिवीज़न : तेनाली जंक्शन - रेपल्ली सेक्शन में एलसी नं. 261, गुंटूर जंक्शन - नडिकुडी - जंक्शन सेक्शन में यूएमएलसी नं. 28, 55 एवं 58, बीबीनगर - नडिकुडी जंक्शन सेक्शन में यूएमएलसी नं. 95, 74, 72, 20 एवं 17 के स्थान में सब वेज का शेष पूरक कार्य। अनुमानित मूल्य : रु. 4,53,82,258/-, बोली सुरक्षा : रु. 3,76,900/-

क्रम सं. 03. निविदा आईडी : 2529. डीईएन : डब्ल्यू, कार्य का विवरण : जोन नंद्याल : 30-06-2023 तक दोनाकोंडा (छोड़कर) से नंद्याल (मिलाकर) अनुमानित मूल्य : रु. 1,08,26,640/-, बोली सुरक्षा : रु. 2,04,100/-

1. ई-बोलियों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि 26-08-2022 को 15.30 बजे तक है। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट : www.ireps.gov.in को लॉगऑन करें।
2. कोई अतिरिक्त संदेश /शुद्धिपत्र ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

मंडलीय रेलवे प्रबंधक (कार्य), गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/254 दिनांक : 04-08-2022 पीयूबी/0679

अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए 29-08-2022 को 12.00 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

आईडी सं. : 254 कार्य का नाम : (1) गुंटूर डिवीजन में 4.40 किमी. की कुल लंबाई के लिए गुंटूर जंक्शन - नंद्याल जंक्शन के बीच सेक्शन किमी. 4.6-5.0, 119.0-121.0, 131.0-132.0 एवं 143.0-144.0 तक सीटीआर (पी) के संबंध में सिग्नलिंग व्यवस्थाएँ (2) गुंटूर डिवीजन मे 4.40 किमी. की कुल लंबाई के लिए गुंटूर जंक्शन-नंद्याल जंक्शन के बीच सेक्शन किमी. 73.00-77.00 तक सीटीआर(पी) कार्य के संबंध में सिग्नलिंग व्यवस्थाएँ (3) गुंटूर डिवीजन में रेड्डीपालेम-नम्बुरु सेक्शन के बीच 4.000 किमी. की कुल लंबाई के लिए अप एवं डाउन दोनों लाइनों पर किमी. 2.70-4.70 तक गुंटूर जंक्शन - कृष्णा केनाल जंक्शन में टीएफटीआर कार्य के संबंध में सिग्नलिंग व्यवस्थाएँ (4) गुंटूर डिवीजन पर टीटीआर कार्य (टीडब्ल्यूएस- कुल सेट 18 सेट, डीकेडी-4, जीएनटी-1, एनआरटी-1, एसएबी-1, वीकेएन-1, जीजेडएल-1, एनएलपीडी-1, एनजीएनटी-3, एमएजी-2, पीपीएम-1, एसटीयूआर-2) के संबंध में एसएण्डटी कार्य (5) गुंटूर डिवीजन में 3 स्टेशन यानि मिर्यालगुड़ा (एमआरजीए), माचर्ला (एमसीएलए) एवं वेमुरु (वीएमयू) पर ट्रैक मशीन साइडिंग के प्रावधान के संबंध में सिग्नलिंग व्यवस्थाएं (6) गुंटूर डिवीजन में रेड्डीपालेम स्टेशन पर प्रस्तावित टावर कार शेड एवं इसके साइडिंग के संबंध में एसएण्डटी व्यवस्थाओं के संबंध में विविध सिग्नलिंग एवं टेलीकॉम व्यवस्था। अनुमानित मूल्य (रु.) : 87,15,793/-, पूर्व धरोहर राशि/बोली सुरक्षा (रु.) : 1,74,400/-, निविदा दस्तावेज का मूल्य (रु.) : 0.

1. ई-बोलियों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि : 29-08-2022 को 12.00 बजे तक है। विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in को लॉगऑन करें।
2. कोई अतिरिक्त संदेश/शुद्धिपत्र ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से ही सूचित किया जाएगा।

सीनि. डिवीजनल सिग्नल एंड टेलीकॉम इंजीनियर, गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं. 05 से 10 दिनांक 02-08-2022 पीयूबी/0680

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडलीय विद्युतीय अभियंता /रखरखाव/गुंटूर द्वारा आईआरईपीएस पोर्टल : www.ireps.gov.in के माध्यम से नीचे उल्लेखित ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01. निविदा शीर्षक : गुंटूर डिवीज़न पर 12 रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न क्षमताओं के सोलर प्लांट्स (रूफटॉप) का प्रावधान। निविदा संदर्भ सं. : जीएनटी/ई.05/2022-23 दि. 02-08-2022, अनुमानित मूल्य : रु. 52,37,029.92/-, पूर्व धरोहर राशि * : रु. 1,04,800.00 निविदा प्रपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) : रु. नगण्य.

क्रम सं. 02. निविदा शीर्षक : गुंटूर डिवीज़न : गुंटूर डिवीज़न पर विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर नवीनतम 4 कोर यूजी केबल्स के अनुसार एलटीओएच लाइनों के विद्स्टैण्ड हारमोनियस लोड्स एवं अपग्रेडेशन के अनुसार नवीनतम 4 कोर केबल्स के साथ अत्यधिक पुराने एवं परंपरागत टाइप केबल्स का अपग्रेडेशन एवं विद्युत आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली में सुधार। निविदा संदर्भ सं. : जीएनटी/ई.06/2022-23 दि. 02-08-2022, अनुमानित मूल्य : रु. 1,04,64,793.10/-, पूर्व धरोहर राशि* : रु. 2,02,300.00 निविदा प्रपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) : रु. नगण्य.

क्रम सं. 03. निविदा शीर्षक : गुंटूर डिवीज़न पर विंडो टाइप/नॉन स्टार रेटेड/अत्याधिक पुराने ए.सी के स्थान पर ऊर्जा सक्षम एसी का प्रावधान। निविदा संदर्भ सं. : जीएनटी/ई.07/2022-23 दि. 02-08-2022, अनुमानित मूल्य : रु. 34,12,063.20/-, पूर्व धरोहर राशि* : रु. 68,300.00 निविदा प्रपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) : रु. नगण्य.

क्रम सं. 04. निविदा शीर्षक : परंपरागत ए.सी. सीलिंग फैंस के स्थान पर ऊर्जा सक्षम बीएलडीसी फैंस का प्रावधान। निविदा संदर्भ सं. : जीएनटी/ई.08/2022-23 दि. 02-08-2022, अनुमानित मूल्य : रु. 18,22,215.30/-, पूर्व धरोहर राशि* : रु. 36,500.00 निविदा प्रपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) : रु. नगण्य.

क्रम सं. 05. निविदा शीर्षक : गुंटूर डिवीजन : रेल महल/गुंटूर पर डिफेक्टिव फैन, लाइट्स की मरम्मत/प्रतिस्थापन, डक्ट एसी की मरम्मत एवं प्रतिस्थापन एवं विद्युतीय व्यवस्थाएँ। निविदा संदर्भ सं. : जीएनटी/ई.09/2022-23 दि. 02-08-2022, अनुमानित मूल्य : रु. 33,95,471.22/-, पूर्व धरोहर राशि* : रु. 67,900.00 निविदा प्रपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) : रु. नगण्य.

क्रम सं. 06. निविदा शीर्षक : गुंटूर डिवीजन : सर्विस बिल्डिंग्स/ क्वार्टर्स में विद्युतीय संपत्तियों का अपग्रेडेशन। निविदा संदर्भ सं. : जीएनटी/ई.10/2022-23 दि. 02-08-2022, अनुमानित मूल्य : रु. 1,72,99,400.42/-, पूर्व धरोहर राशि* : रु. 2,36,500.00 निविदा प्रपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) : रु. नगण्य.

ई-बोलियों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि व समय : 02-09-2022 को 10.30 बजे तक।

किसी अतिरिक्त संसूचना/शुद्धिपत्र को केवल ई-पोर्टल www.ireps.gov.in में प्रकाशित किया जाएगा।

ए0913 सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/रखरखाव/गुंटूर

अतिरिक्त निविदा शर्तों/ विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

डॉग्स का रजिस्ट्रेशन होगा महंगा

नगर निगम में अब 1000 रुपए देना पड़ेगा शुल्क, कार्यकारिणी में रखा जाएगा प्रस्ताव

लखनऊ, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पालतू डॉग्स का रजिस्ट्रेशन लखनऊ में महंगा हो सकता है। नगर निगम लखनऊ रजिस्ट्रेशन फीस बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत अब 500 रुपए की जगह 1000 रुपए शुल्क लिया जा सकता है। अधिकारियों का कहना है कि इसको लेकर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। आने वाली कार्यकारिणी की बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाएगा। वहां से पास होने के बाद इसको लागू कर दिया जाएगा। मौजूदा समय में नगर निगम 200, 300 और 500 रुपए रजिस्ट्रेशन फीस ली जाती है। इसको अब 1000 रुपए करने की तैयारी है। लखनऊ में करीब 5000 लोगों ने डॉग्स का रजिस्ट्रेशन कराया है। इससे विभाग को करीब 20 लाख रुपए का राजस्व मिलता है। अगर निगम 1000 रुपए रजिस्ट्रेशन शुल्क करता है, तो आने वाले वित्तीय साल में विभाग का राजस्व 50 लाख रुपए पहुंच जाएगा। एक अप्रैल से 31 मार्च तक डॉग्स के रजिस्ट्रेशन का सत्र रहता है। ऐसे में इस साल जिसका रजिस्ट्रेशन हो गया है, उनको पैसा नहीं देना होगा। हालांकि, अगले साल उनकी जेब ढीली हो सकती है। नगर निगम सूत्रों के अनुसार, अभी बहुत बड़े वर्ग ने अपने डॉग्स का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। ऐसे में 15 अगस्त के बाद सुबह और शाम नगर निगम चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इसमें अपार्टमेंट में खासकर इस अभियान को तेज किया जाएगा, ताकि विभाग का राजस्व बढ़ सके।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम आदेश

एससी-एसटी एक्ट में आरोपी पर दोष सिद्ध होने के बाद ही पीड़ित को दिया जाए मुआवजा

लखनऊ, 5 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने अहम फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को आदेश दिया है कि जबतक अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कानून के तहत आरोपी पर लगे आरोप सिद्ध नहीं हो जाते तबतक उसे मुआवजा ना दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ आरोप पत्र या प्राथमिकी दर्ज होने पर मुआवजे की राशि जारी ना की जाए। इसरार अहमद उर्फ इसरार व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस दिनेश सिंह ने ये टिप्पणी की। जस्टिस दिनेश सिंह द्वारा 26 जुलाई को ये आदेश पारित किया गया था जो गुरुवार को वेबसाइट पर अपलोड किया गया। बड़ी संख्या में ऐसे मामले आ रहे हैं जहां मुआवजा मिलने के बाद शिकायतकर्ता मुकदमा खत्म करने के लिए आरोपी से कोर्ट के बाहर समझौता कर लेता है।

एमएलसी मुन्नी रजक ने केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को ललकारा

कहा- आवास एलॉट हो गया है लेकिन जेडीयू के सी.पी. सिन्हा खाली नहीं कर रहे ईरानी जी आवास दिलवाइए

एमएलसी मुन्नी रजक

पटना, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजद की एमएलसी मुन्नी रजक ने भाजपा की नेत्री और केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को ललकारा है। उन्होंने कहा है कि उन्हें आवास नहीं मिल रहा है इस पर भी जरा ध्यान दें। सिर्फ अंगुली दिखा-दिखा कर बोलती रहती हैं। मुन्नी रजक ने कहा कि लालू प्रसाद ने मुझे सड़क से उठाकर उच्च सदन विधान परिषद में भेजने का काम किया और भाजपा के लोग आवास नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उन्हें 22 जुलाई को ही आर ब्लॉक के पास 42 नंबर एमएलसी आवास एलॉट किया गया लेकिन उसमें पहले से जेडीयू के पूर्व सी.पी. सिन्हा रह रहे हैं। मुझे आवास एलॉट होने के बावजूद वे खाली नहीं कर रहे हैं। हथिआए हुए हैं और कह रहे हैं कि अभी एक साल और रहेंगे। उन्होंने सवाल किया कि हम क्या सड़क पर रहेंगे?

उन्होंने कहा कि महंगाई से आम लोगों का बुरा हाल है और नरेन्द्र मोदी लालू प्रसाद के पीछे लगे हुए है। कभी राबड़ी आवास मे रेड मरवाते हैं और कभी कार्यकर्ता के आवास पर रेड मरवाते हैं। जब 12 रुपए करुआ तेल इंदिरा गांधी की सरकार में था तब यही भाजपा वाले नारा लगाते थे- '12 रुपए कड़ुआ का तेल देखो रे इंदिरा का खेल'।

जब वाजपेयी जी की सरकार बनी तो कड़ुआ तेल का रेट 16 रुपए कर दिया। उसके बाद लोगों ने कहा- 'आधे पेट खाएंगे इंदिरा को ही लाएंगे'। उन्होंने कहा कि मेरे आवास में भाजपा के सीपी. सिन्हा रह रहे हैं, स्मृति ईरानी जी कहां हैं? इस पर भी जरा आवाज उठाइएगा, आवास दिलवाइए।

जदयू के पूर्व एमएलसी सीपी सिन्हा ने राजद के एमएलसी मुन्नी रजक के आरोप पर कहा कि मैंने विधान परिषद के सभापति से 4 से 6 महीने का समय मांगा है क्योंकि अभी सावन भादो का समय चल रहा है और मेरे बेटे की तबीयत भी ठीक नहीं है इसलिए सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए अभी इसी आवास में रहने दिया जाए। अभी तुरंत आवास खाली करना संभव नहीं हो पा रहा है। सीपी सिन्हा ने बताया कि इस बात की जानकारी मैंने मुन्नी रजक को भी दी है।

बिहार में ट्रेन 'रास्ता भूली'

अमरनाथ एक्सप्रेस बरौनी से चली, जाना था समस्तीपुर और पहुंच गई विद्यापतिनगर, 2 अफसर निलंबित

समस्तीपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में ट्रेन ही रास्ता भटक गई। उसे जाना कहीं और था और पहुंच कहीं और गई। मामला गुवाहाटी से जम्मूतवी जा रही 15653 अप अमरनाथ एक्सप्रेस का है। ट्रेन गुरुवार तड़के अपना रास्ता भूल गई। बरौनी से खुलने के बाद ट्रेन को जाना था समस्तीपुर, पहुंच गई विद्यापतिनगर। जानकारी के बाद सोनपुर रेल मंडल के अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। विद्यापतिनगर पहुंच चुकी ट्रेन को वापस बछवाड़ा लाया गया। फिर उसे समस्तीपुर रवाना किया गया। इस दौरान करीब एक घंटे लग गए। उधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए सोनपुर के डीआरएम नील मणि ने बछवाड़ा स्टेशन के सहायक स्टेशन मास्टर कुंदन कुमार और सूरज कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए मामले में जांच का आदेश दिया है। डीआरएम ने कहा कि यह बड़ी लापरवाही है।

जानकारी अनुसार अमरनाथ एक्सप्रेस सुबह 4.45 बजे बरौनी से खुली। ट्रेन का सीधा ठहराव समस्तीपुर था। ट्रेन बछवाड़ा में 5.15 बजे थ्रू आउट गुजर रही थी। बछवाड़ा स्टेशन पर गलत लाइन के कारण बरौनी-समस्तीपुर रूट के बदले ट्रेन बछवाड़ा-हाजीपुर रेल खंड पर जाने लगी। ट्रेन के चालक जब तक कुछ समक्ष पाते ट्रेन विद्यापतिनगर स्टेशन के आउटर सिग्नल पर पहुंच गई। चालक ने ट्रेन रोक रेलवे कंट्रोल को जानकारी दी। बाद में ट्रेन को बैक कर वापस बछवाड़ा लाया गया। इस दौरान सुबह के छह बज गए। बाद में 6.15 बजे ट्रेन को समस्तीपुर के लिए रवाना किया गया। रेलवे सूत्रों ने बताया कि तड़के होने के कारण एएसएम समेत स्टेशन पर तैनात कर्मी नींद में थे। चूंकि बछवाड़ा स्टेशन पर ज्यादा ट्रेनों का ठहराव नहीं है और अधिकतर ट्रेन बिना रुके ही गुजरती हैं। माना जा रहा है कि रेलवे कर्मियों के नींद में रहने के कारण गलत ट्रैक बना दिया गया। फलस्वरूप पूरी स्पीड से आ रही अमरनाथ एक्सप्रेस ट्रेन ट्रैक बदल कर विद्यापतिनगर पहुंच गई।

बिहार में सांड भी करते हैं ट्रेन में सफर

भागलपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। आमतौर पर ट्रेन में यात्रियों को सफर करते आपने देखा होगा। बिहार में यात्रियों के साथ उनके सामान, कभी-कभी साइकिल,बाइक, यहां तक कि चारा ले जाते भी लोग दिख जाते हैं। अब भागलपुर से जो तस्वीर सामने आई है, वो अनोखी है। जिसमें लोकल ट्रेन में इंसान के साथ-साथ सांड भी सफर करता दिख रहा है। इसका वीडियो तेजी से शेयर हो रहा है।

जामलपुर से साहिबगंज जानेवाली ईएमयू पैसेंजर ट्रेन में सांड सवारी कर रहा था। वीडियो 2 दिन पहले का है, जो काफी वायरल हो रहा है। भागलपुर जिले के मिर्जाचौकी स्टेशन पर इस सांड को कुछ लोगों ने ट्रेन पर चढ़ा दिया। अपनी बोगी में सांड को देख यात्री दहशत में यात्रा करते नजर आए।

2 अगस्त को जामलपुर से साहिबगंज जा रही ईएमयू ट्रेन मिर्जाचौकी स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो कुछ शरारती लोगों ने स्टेशन पर घूम रहे सांड को ट्रेन पर चढ़ा दिया। इतना ही उन लोगों ने इस सांड को सीट के हैंडल से रस्सी से बांध भी दिया। बोगी में बैठे पैसेंजर ये सब नजारा देखते रहे। लेकिन डर के मारे किसी ने रोकने की कोशिश नहीं की।

बताया जाता है कि एक रिटायर्ड सैनिक ने सांड का रस्सी खोल उसे अगले स्टेशन पर उतार दिया। वीडियो में एक यात्री ने बताया कि मिर्जाचौकी स्टेशन पर 10 -12 संख्या में कुछ लोग आए और जबरदस्ती सांड को इस बोगी में बांध कर चले गए। साथ ही कहा कि साहिबगंज में इसे उतार देना। यात्रियों ने इस घटना को रेलवे प्रशासन की लापरवाही बताया।

आप अपने पालतू डॉगी को अपने साथ केवल फर्स्ट क्लास में ही ले जा सकते हैं। लेकिन इसके लिए सह-यात्रियों की अनुमति और निर्धारित शुल्क चुकाना होगा। रेलवे के नियमों के अनुसार, पालतू जानवरों को किसी भी कंडीशन में स्लीपर, चेयर कार या एसी बोगी में नहीं ले जा सकते हैं। इसी तरह ट्रेन से हाथी, घोड़ा, खच्चर, ऊंट, गधे, बकरी भी ले जा सकते हैं। इसके लिए रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन में बुकिंग करानी पड़ेगी, जिसके लिए भुगतान करना होगा।

युवक की हत्या करने आए कुख्यात को पुलिस ने दबोचा, पूछताछ में उगले कई राज

फारबिसगंज, 5 अगस्त (एजेंसियां)। फारबिसगंज थाना क्षेत्र के परवाहा में एक व्यक्ति का हत्या करने के लिए हथियार के साथ पूर्णिया से परवाहा पहुंचे पूर्णिया के एक कुख्यात को फारबिसगंज पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक पूर्णिया से पहुंचे कुख्यात अपराधी परवाहा चौक के समीप किराये के मकान में रहने वाले पूर्णिया के चम्पा नगर थाना क्षेत्र के निवासी टिंकू मेहता नामक एक व्यक्ति की हत्या करने के उद्देश्य से पहुंचा था। ग्रामीणों ने युवक के पास हथियार देखते ही परवाहा कैंप प्रभारी को इसकी सूचना दी।

कुंडा विधायक राजा भैया के पिता हाउस अरेस्ट

प्रतापगढ़, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कुंडा तहसील में दो दिनों से धरने पर बैठे कुंडा विधायक राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह को पुलिल ने शुक्रवार को हाउस अरेस्ट कर लिया। वह शेखपुर आशिक गांव में बने मस्जिदनुमा गेट को हटवाने की मांग पर अड़े हैं। बताया जा रहा है कि राजा उदय प्रताप सुबह स्नान और पूजा के लिए भदरी हाउस गए थे। इसी दौरान मौका पाकर प्रशासन ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया। इसकी जानकारी होते ही बड़ी संख्या में लोग भदरी हाउस पहुंच गए हैं। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। बता दें कि कुंडा के शेखपुर आशिक गांव में मोहर्रम को लेकर बनाए गए गेट को हटाने की मांग को लेकर पूर्व मंत्री और कुंडा विधायक राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह बुधवार से कुंडा तहसील में धरने पर बैठे थे। बुधवार रात में डीएम-एसपी उन्हें मनाने पहुंचे। साथ बैठकर भोजन किया, लेकिन वो धरना खत्म करने के लिए तैयार नहीं हुए। कुंडा के शेखपुर आशिक गांव में मोहर्रम को लेकर सड़क पर एक मस्जिदनुमा गेट बनाया गया है। इसे हटवाने के लिए भदरी किला निवासी उदय प्रताप सिंह बुधवार को तहसील में धरने पर बैठ गए। इसकी जानकारी होने पर एसडीएम, सीओ और बाद में दो बार एडिशनल एसपी उन्हें मनाने पहुंचे, लेकिन वो तैयार नहीं हुए। उधर, शेखपुर में पीएसी के साथ पुलिस मार्च करती रही। तहसील में उदय प्रताप के समर्थकों

दो दिन से बैठे थे धरने पर

की संख्या बढ़ती चली गई। राजा भैया के दोनों बेटे बृजराज सिंह व शिवराज सिंह भी धरनास्थल पर पहुंच गए। रात करीब साढ़े दस बजे जिलाधिकारी डॉ. नितिन बंसल और एसपी सतपाल अंतिल उन्हें मनाने पहुंचे। दोनों अधिकारी धरनास्थल पर उनके पास जाकर बैठ गए। उनके साथ खाना खाया। अफसरों ने जब धरना खत्म करने की बात कही तो उदय प्रताप गेट हटवाने की जिद पर अड़ गए।

शराब पीकर मरने वालों की संख्या हुई 13

मकेर के थानेदार व चौकीदार सस्पेंड, 15 लोगों ने आंखों की रोशनी गंवाई

छपरा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के सारण जिले में शराब पीकर मरने वालों की संख्या 13 हो गई है। शुक्रवार को 6 और लोगों की मौत हो गई। सभी अस्पताल में भर्ती थे। इलाज के दौरान सभी की मौत हो गई। मृतकों में 11 मकेर और भेल्दी के रहने वाले हैं। वहीं दो अन्य मृतक सारण जिले के ही दूसरे इलाके के रहने वाले हैं। इस घटना में लगभग दो दर्जन लोग बीमार हैं और 15 लोगों के आंख खराब हो गई है। उनकी रौशनी धुंधली हो गयी है। ग्रामिणों ने दावा किया है कि सबकी मौत जहरीली शराब पीने से हुई है।

इस मामले में गुरुवार को सात लोगों की जान चली गयी। मरने वालों में भेल्दी थाने के सोनहो भाथा गांव के पारस महतो का पुत्र चंदन महतो, मकेर थाने के फुलवरिया भाथा नोनिया टोली गांव के काशी महतो का पुत्र कमल महतो, भरोसा महतो का पुत्र ओमनाथ महतो और विलास महतो का पुत्र चंदेश्वर महतो, सकलदीप महतो, धनी लाल महतो व राजनाथ महतो शामिल हैं। कई बीमार अभी भी पीएमसीएच में भर्ती हैं जिनकी हालत खराब है।

इससे पहले ओमनाथ, चंदेश्वर, धनी और सकलदीप महतो की मौत पीएमसीएच में इलाज के दौरान हुई,जबकि कमल महतो ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। चंदन महतो की घर पर ही जान चली गयी, जिसका परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराये ही दाह संस्कार कर दिया। डीएम और एसपी मामले की जांच के लिए घटनास्थल पर कैंप कर रहे हैं।

इधर जिले के डीएम राजेश मीणा ने कहा है कि प्रथम दृष्टया शराब पीने से मौत होना प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल पर मेडिकल टीम भी पहुंची हुई है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लिया बदला

अपने गढ़ ग्वालियर में कांग्रेस को 1 वोट से दी मात

ग्वालियर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। ग्वालियर नगर निगम में सभापति पद पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की रणनीति और बाड़ेबंदी काम आ गई। बीजेपी ने सभापति के पद पर जीत हासिल कर ली है। बीजेपी के प्रत्याशी मनोज तोमर 34 वोट मिले हैं तो वहीं के कांग्रेस उम्मीदवार लक्ष्मी गुर्जर को 33 वोट मिले। हालांकि, कुछ पार्षदों की क्रॉस वोटिंग की बात भी सामने आ रही है। कांग्रेस के पास 25 पार्षद हैं, लेकिन 33 वोट मिले हैं। ग्वालियर नगर निगम में कुल 66 पार्षद हैं और एक महापौर के वोट को मिलाकर कुल 67 वोटर थे।

बीजेपी भले ही ग्वालियर महापौर का पद हासिल नहीं कर पाई लेकिन सभापति के लिए कुशल रणनीति और बाड़ेबंदी का उन्हें फायदा मिल गया। महापौर का पद हारने के बाद बीजेपी ने लगातार सभापति पद को हासिल करने के लिए कुशल रणनीति और एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था। यही नहीं चंबल अंचल के

दिग्गज नेता केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और नरेंद्र सिंह तोमर लगातार रणनीति बनाते रहे। यही कारण है कि सभापति के चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने सभी 34 पार्षदों को ग्वालियर से बस में बैठाकर दिल्ली में एक होटल में ठहराया, जहां पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सभी पार्षदों के साथ मंथन कर सभापति की सीट हासिल करने के लिए रणनीति तैयार की और इसका नतीजा यह निकला कि आज बीजेपी ने सभापति सीट पर कब्जा कर लिया है। बता दे, ग्वालियर में बीजेपी मेयर पद पर हारी तो सिंधिया और तोमर की साख पर सवाल खड़े होने लगे थे। यही वजह है कि इन दोनों दिग्गजों नेताओं के साथ-साथ पूरी बीजेपी ने सभापति की सीट हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। सबसे पहले 34 नवनिर्वाचित पार्षदों को दिल्ली बुलाया, जहां पहले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सभी पार्षदों के साथ बैठकर मीटिंग की और उसके बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने बंगले पर सभी पार्षदों को बुलाकर मंथन किया।

क्योंकि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और नरेंद्र सिंह तोमर की साख को लेकर सवाल खड़े हो रहे थे अगर बीजेपी सभापति का की सीट भी हार जाती तो कहीं ना कहीं ग्वालियर चंबल अंचल में बीजेपी के लिए बड़ी हार थी। यही कारण है कि सिंधिया और तोमर सभापति की सीट को हासिल करने के लिए लगातार पिछले एक सप्ताह से मंथन और रणनीति बनाते रहे और आखिरकार उन्होंने सभापति की सीट को जीतकर अपनी साख बचा ली।

हिसार के डोभी गांव में युवक की हत्या

माता-पिता पर भी हमला किया; पत्नी घर से गायब पुलिस को एक युवक पर शक

हिसार, 5 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले में बालसमंद एरिया के डोभी गांव में शुक्रवार अलसुबह अज्ञात हमलावरों ने युवक की हत्या कर दी। मृतक का नाम सुनील है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर उसे परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पत्नी भी घर से गायब है। पुलिस पत्नी की तलाश कर रही है। पुलिस को एक युवक पर भी शक है। उसकी पत्नी पहले भी युवक के साथ भागी थी। सुनील की राजस्थान के भादरा क्षेत्र के भिरानी निवासी युवती के साथ शादी हुई थी। सुनील अपने परिवार के साथ डोभी गांव की ढाणी में रह रहा था। गुरुवार रात को हमलावर उसके घर पर आए और उस पर चाकू और तेजधार हथियार से हमला कर दिया। पुत्र को बचाने के लिए उसके पिता राजकुमार और मां ने प्रयास किया तो हमलावरों ने उन दोनों को भी घायल कर दिया। घटना की वारदात के बाद से मृतका की पत्नी भी गायब है। पुलिस घायलों के बयान दर्ज करके जांच कर रही है। सदर एसएचओ मंदीप सिंह चहल ने बताया कि सुनील की मौत हो गई है। उसकी पत्नी की तलाश की जा रही है। जल्द ही मामला सुलझा लिया जाएगा।

हाईवे पर गजराज का कब्जा: पिकअप से चट कर गए अनाज

कोटद्वार, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कोटद्वार दुगड्डा मार्ग पर हाथियों का एक झुंड शुक्रवार को सड़क पर आ गया, जिससे यहां लगभग छह से सात घंटे तक यातायात बाधित रहा। इसके बाद हाथियों ने यहां एक पिकअप पर धावा बोल सारा अनाज चट कर दिया। हाथियों के झुंड के यहां घंटों खड़े रहने से यात्रियों को परेशान रहना पड़ा। नजीबाद बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार दुगड्डा के पास हाईवे पर गजराज के झुंड ने शुक्रवार को कब्जा कर लिया। हाथियों ने एक मैक्स पिकअप वाहन पर धावा बोल दिया और वाहन में रखा सारा अनाज चट कर गए। पिकअप पर धावा बोलने के बाद हाथियों ने यहां जमकर उत्पात मचाया। करीब छह से सात घंटे तक हाईवे जाम रहने से यात्री परेशान रहे, लेकिन अनाज चट करने के बाद हाथियों के झुंड ने ऐसी हरकत की खूब ठहाके लगे। यात्री हाथियों के जाने का इंतजार करते रहे, लेकिन थोड़ा दूर जाकर हाथियों का झुंड फिर लौट आता।

चीन का दूसरे दिन फिर मिलिट्री ड्रिल शुरू

20 चीनी जेट्स ताइवान एयरस्पेस में घुसे, पेलोसी बोलीं- हम ताइवान को अकेला नहीं छोड़ेंगे

बीजिंग/ताइपे, 5 अगस्त (एजेंसियां)। चीन ने ताइवान के पास दूसरे दिन की मिलिट्री ड्रिल शुरू कर दी है। इस दौरान चीन के जेट्स फिर से ताइवान के एयरस्पेस में घुस गए। ताइवानी डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा- शुक्रवार सुबह 20 चीनी फाइटर जेट्स और 10 वॉरशिप ने ताइवान स्ट्रैट की मीडियन लाइन को पार किया है। वे जानबूझकर ताइवान स्ट्रैट को पार करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने एहतियात के तौर पर मिसाइल सिस्टम तैनात कर दिया है। हम चीन की हरकत पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। मॉनिटरिंग के लिए कुछ एयरक्राफ्ट और शिप को रवाना किया गया है। चीन की आर्मी ताइवान के इर्दगिर्द 6 इलाकों में ये सैन्य अभ्यास कर रही है। मिलिट्री एक्सरसाइज के पहले दिन चीन के 100 से अधिक फाइटर जेट्स ने ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी एयरस्पेस में उड़ान भरी थी।

मिलिट्री ड्रील की वजह

दरअसल, अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान विजिट को लेकर चीन और ताइवान के बीच विवाद बढ़ गया था। 2 अगस्त को पेलोसी ताइवान पहुंची थीं। उनके लौटते ही चीन ने ताइवान के पास 4 अगस्त को मिलिट्री ड्रिल शुरू कर दी।

जापान पहुंची नैंसी

इसी बीच, ताइवान विजिट के बाद नैंसी पेलोसी जापान पहुंचीं। उन्होंने चीनी सैन्य अभ्यास की निंदा की। पेलोसी ने कहा- अमेरिकी अधिकारियों को ताइवान यात्रा करने से रोककर चीन ताइवान को अलग-थलग नहीं कर सकता। हम ताइवान को आइसोलेट नहीं होने देंगे। अमेरिका चीन को ऐसा करने से रोकेगा।

कल 11 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं

ये एक्सरसाइज 7 अगस्त तक चलेगी। सैन्य अभ्यास के पहले दिन चीन के 100 से अधिक फाइटर जेट्स ने ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी एयरस्पेस में उड़ान भरी थी। ताइवान के उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिमी तट के पास 11 डोंगफेंग बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागी थीं।

फिर एक्टिव हुआ मानसून, मालवा-निमाड़ में भारी बारिश के लिए अलर्ट जारी

भोपाल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एक बार फिर मानसूनी गतिविधियां सक्रिय हो गई हैं। मध्य प्रदेश में अब तक 21 इंच के आसपास बारिश हो चुकी है। बीती रात इंदौर, भोपाल, उज्जैन संभाग के जिलों में झमाझम बारिश दर्ज की गई है। इंदौर में रात 11.30 बजे तक दो इंच वर्षा दर्ज की गई थी। भोपाल में बीते 24 घंटों के दौरान 1 इंच बारिश हुई। इधर सुबह से ही कई इलाकों में रिमझिम तो कहीं तेज बारिश का सिलसिला बना रहा। अगले कुछ दिनों तक मानसून प्रदेश में एक्टिव रहेगा। उधर अगले 24 घंटों में प्रदेश के मालवा-निमाड़ क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

भारतीय नौसेना की महिला सैन्यकर्मियों ने अरब सागर पर निगरानी रख रचा इतिहास

पोरबंदर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। 3 अगस्त 2022 को, नेवल एयर एन्क्लेव, पोरबंदर में स्थित भारतीय नौसेना के आईएनएएस 314 के पांच अधिकारियों ने डोर्नियर 228 विमान पर सवार होकर उत्तरी अरब सागर में पहला सर्व-महिला स्वतंत्र समुद्री टोही और निगरानी मिशन पूरा करके इतिहास रच दिया. विमान की कप्तानी मिशन कमांडर, लेफ्टिनेंट कमांडर आंचल शर्मा ने की थी, जिनकी टीम में पायलट, लेफ्टिनेंट शिवांगी और लेफ्टिनेंट अपूर्वा गीते, और सामरिक और सेंसर अधिकारी, लेफ्टिनेंट पूजा पांडा और एसएलटी पूजा शेखावत थे. आईएनएएस 314 पोरबंदर, गुजरात में स्थित एक फ्रंटलाइन नेवल एयर स्क्वाड्रन है और अत्याधुनिक डोर्नियर 228 समुद्री टोही विमान संचालित करता है. इस ऐतिहासिक उड़ान से पहले महिला अधिकारियों को महीनों का जमीनी प्रशिक्षण और व्यापक मिशन ब्रीफिंग दी गई. सशस्त्र सेनाओं में परिवर्तन लाने में भारतीय नौसेना सबसे आगे रही है. यह प्रभावशाली और अग्रणी महिला सशक्तिकरण पहल है, जिसमें महिला पायलटों को शामिल करना, हेलीकॉप्टर स्ट्रीम में महिला वायु संचालन अधिकारियों का चयन और 2018 में दुनिया भर में एक अखिल महिला नौकायन अभियान का संचालन करना शामिल है. हालांकि, यह अपनी तरह का पहला सैन्य उड़ान मिशन अद्वितीय था और उम्मीद है कि विमानन संवर्ग में महिला अधिकारियों के लिए अधिक जिम्मेदारी संभालने और अधिक चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं की आकांक्षा रखने का मार्ग प्रशस्त होगा. यह शायद सशस्त्र बलों के लिए एक अनूठी उपलब्धि है कि केवल महिला अधिकारियों के एक दल ने एक बहु-चालक समुद्री निगरानी विमान में एक स्वतंत्र परिचालन मिशन को अंजाम दिया. यह वास्तव में एक मिशन था जिसने अपनी वास्तविक भावना में नारी शक्ति का प्रदर्शन किया.

हाईकोर्ट ने बेंगलुरु शहर की सीमा के भीतर पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध बरकरार रखा

बेंगलुरु, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बेंगलुरु शहर की सीमा के भीतर पटाखों की बिक्री के लिए जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) वापस लेने के पुलिस विभाग के फैसले को बरकरार रखा है. संभवतः पहली बार फैसले के पन्नों में पटाखों से घायल हुए लोगों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है. इनमें उन युवाओं और बच्चों की तस्वीरें हैं जिनकी पटाखों की चोटों के कारण आंखों की रोशनी चली गई थी. हाईकोर्ट ने फैसले में कहा, ''इससे संविधान के निर्माताओं की रुह अपनी कब्र में कांप जाएगी. जीवन, अंग-भंग और स्वतंत्रता के अधिकार का इससे बड़ा उल्लंघन नहीं हो सकता है.''कृष्णा एस. दीक्षित की एकल पीठ ने कई व्यापारियों की दलील को खारिज कर दिया जिन्होंने पुलिस विभाग के फैसले को चुनौती दी थी. पुलिस आयुक्त, बेंगलुरु ने 2012 में इन व्यापारियों से एनओसी वापस ले ली थी. कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक ने 2013 में आयुक्त के आदेश को बरकरार रखा था. व्यापारियों ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी,

जिसने 29 जुलाई, 2022 को अपना फैसला सुनाया था. अदालत ने कहा कि पटाखों की बिक्री जहर, शराब, तंबाकू और विस्फोटक जैसे सामान की श्रेणी में आती है और इसलिए इसके व्यापार को संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत मौलिक अधिकार के तहत शामिल नहीं किया जा सकता है. हाईकोर्ट ने कहा, ''यह कहने की जरूरत नहीं है कि विस्फोटक पदार्थ, शराब, जहर आदि जैसे पदार्थ 'अतिरिक्त वाणिज्यिक' होते हैं, कोई भी नागरिक संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (जी) के तहत असीमित मौलिक अधिकार का दावा नहीं कर सकता है."

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	कर्क...	04-34 बजे
चंद्र-	तुला	में	सिंह...	06-46 बजे
मंगल	मेष	में	कन्या	08-54 बजे
बुध-	सिंह	में	तुला -	10-58 बजे
गुरु-	मीन	में	वृश्चिक	13-08 बजे
शुक्र-	मिथुन	में	धनु---	15-22 बजे
शनि-	मकर	में	मकर-	17-28 बजे
राहु-	मेष	में	कुंभ -	19-19 बजे
केतु-	तुला	में	मीन...	20-58 बजे
			मेष--	22-33 बजे
			वृष--	00-18 बजे
			मिथुन..	02-18 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-वर्षा,दिशाशूल-पूर्व-अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी **- 02-11 -** राततक उपरान्त, दशमी
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष **,** शनिवार, **06 August**
नक्षत्र -विशाखा- **17 -51 -** तक,उपरान्त, अनुराधा
योग - शुक्ल - **12 - 41 -** तक उप- ब्रह्म
करण- बालव - **15 -08 -** तक,उप- कौलव
विशेष:- व्रत -त्योहार - कर्क मे शुक्र- रात से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 09:10 से 10:46 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06:00 - 07:34 अशुभ	लाभ	18:46 - 20:10 शुभ
शुभ	07:34 - 09:10 शुभ	उत्पात	20:10 - 21:34 अशुभ
रोग.	09:10 - 10:46 अशुभ	शुभ	21:34 - 22:58 शुभ
उत्पात	10:46 - 12:22 अशुभ	अमृत	22:58 - 00:22 शुभ
चंचल	12:22 - 13:58 शुभ	चंचल	00:22 - 01:46 शुभ
लाभ	13:58 - 15:34 शुभ	रोग	01:46 - 03:10 अशुभ
अमृत	15:34 - 17:10 शुभ	काल	03:10 - 04:34 अशुभ
काल	17:10 - 18:43 अशुभ	लाभ	04:34 - 05:00 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा। आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे। यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं।

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी। किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी।यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है।किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है।प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है।हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है।आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है। कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा। आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेषण करें।यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे यो

यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें। पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं। इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं।यात्रा संभावित है।

तुला रा री रु रे से ता ती तू ते

आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें।दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है।केवल सही होना ही काफी नही है आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू

वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी।इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है।आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं नए लोगों से मिलें।इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे।आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी। ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें।

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है। आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे।इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे। आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

कुंभ गू गे गो सा शी सू से सो दा

आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं। आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं।इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए।आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं।अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं।

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा। किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा। आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं।दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

'दोस्त' ममता बनर्जी से मार्गरिट अल्वा निराश

कहा- मैं उनके लिए लड़ी, हर जंग में साथ दिया

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के वोट नहीं देने के फैसले से मार्गरिट अल्वा 'निराश' हैं। वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपना अच्छा दोस्त बताती हैं और उनके इस कदम पर हैरानी भी जाहिर कर रही हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि बनर्जी उनका फोन भी नहीं उठा रही हैं। भारत के उपराष्ट्रपति के लिए शनिवार को मतदान होगा। अल्वा ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव विपक्षी दलों के लिए भी चुनौती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इस बात से सहमत हूं कि अगर और ज्यादा पार्टियां साझा उम्मीदवार का समर्थन करतीं, तो यह ज्यादा संतुष्टि देने वाला होता। लेकिन जो भी कारण हों, कुछ विपक्षी गुट में शामिल होने को लेकर संकोच कर रहे हैं।' ममता बनर्जी को लेकर उन्होंने कहा, 'वह यूथ कांग्रेस के दिनों से मेरी अच्छी दोस्त रही हैं। मैंने उनके लिए लड़ा है, समर्थन किया है और हर जंग में उनके साथ रही हूं... जब टीएमसी ने दूर रहने का फैसला किया, तो मैं हैरान और निराश थी। इस चुनाव में कोई व्हिप नहीं होता और यह एक गुप्त बैलेट होता है। अगर आप व्हिप जारी नहीं कर सकते, तो आप अपने सांसदों को वोट नहीं देने के लिए कैसे कह सकते हैं? यह एक नेगेटिव व्हिप जारी करने जैसा है।'

उन्होंने टीएमसी के विचार बदलने की उम्मीद जताई है। साथ ही कहा है कि यह सभी विपक्षी दलों की तरफ से भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने का समय है।

फोन पर नहीं हो रही बात!

सीएम बनर्जी से बातचीत को लेकर अल्वा कहती हैं, 'वह फोन नहीं उठातीं। मैंने उन्हें लिखा है और लोगों ने उनसे बात की है। हमारे सभी फोन टैप हैं... इसलिए बातचीत में थोड़ा संकोच है।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भाजपा की मदद करना टीएमसी के लिए कैसे मददगार होगा? ममता सभी भाजपा विरोधी दलों से मुलाकात का प्रयास कर रही हैं,

इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि वह ऐसा क्यों कर रही हैं।'

विपक्षी नेतृत्व पर उठा दिए सवाल

विपक्ष के नेतृत्व को लेकर अल्वा ने साफ कर दिया है कि संसद में सबसे ज्यादा सीटें वाली पार्टी को ही नेतृत्व मिलेगा। उन्होंने कहा, 'कोई नहीं कह रहा कि किसे अगुवाई करनी चाहिए । सभी कह रहे हैं कि मतभेदों के बाद भी हर राज्य में किसी तरह का समझौता होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'साथ ही हो सकता है कि कोई बंगाल में बहुत मजबूत हो, लेकिन क्या आपकी पूरे भारत में पहुंच है? लेफ्ट केरल में मजबूत हो सकता है, लेकिन वे त्रिपुरा और बंगाल में हार गए।' उन्होंने कहा कि कोई भी अगुवाई के लिए किसी को खारिज नहीं कर रहा है, लेकिन 'यह संभव है कि भले ही आप सबसे बड़ी पार्टी न हों, लेकिन सभी चाहते हैं कि आप नेतृत्व करें।'

चुनाव कार्यक्रम

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 6 अगस्त को मतदान होगा। संभावनाएं हैं कि मतदान के दिन ही चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। अल्वा जहां विपक्ष की साझा उम्मीदवार के तौर पर मैदान में हैं। वहीं, नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ को मैदान में उतारा है।

महंगाई-बेरोजगारी पर भोपाल में कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन

राजभवन का घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों को रोका, कुछ देर हंगामा; फिर वापस लौटे

भोपाल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। महंगाई, बेरोजगारी, अग्निपथ योजना और रोजमर्रा की जरूरी चीजों पर जीएसटी बढ़ाने के विरोध में गुरुवार को राजधानी में कांग्रेस ने बड़ा आंदोलन किया। सुबह साढ़े 11 बजे रोशनपुरा चौराहे से कांग्रेसी पैदल मार्च करते हुए राजभवन का घेराव करने जाने लगे तो बीच में ही पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व केंद्रीय सुरेश पचौरी, क्रांतिलल भूरिया समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। उधर, विधायक पीसी शर्मा और कुणाल चौधरी बेरिकेड्स के ऊपर चढ़ गए। जिन्हें पुलिस ने हटा दिया। कुछ देर प्रदर्शन करने के बाद कांग्रेसी लौट गए। कांग्रेस के आंदोलन के चलते भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था, लेकिन कांग्रेसी राजभवन के घेराव करने पर अड़े हुए थे। बावजूद वे घेराव करने जा नहीं सके और करीब पौन घंटे के बाद आंदोलन खत्म हो गया।

हरियाणा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

भूपेंद्र हुड्डा सहित कांग्रेसियों को पुलिस सेक्टर 3 के थाने लेकर पहुंची, कांग्रेसियों ने दिया धरना

हिसार, 5 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस ने महंगाई, अग्निपथ योजना और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर प्रदेश की मनोहर लाल सरकार के खिलाफ पूरे प्रदेश में कांग्रेस ने आज विरोध प्रदर्शन किया। चंडीगढ़ में हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राजभवन का घेराव किया। कांग्रेसी पैदल ही रोष मार्च ही राजभवन के लिए जा रहे हैं। परंतु पुलिस ने उन्हें राजभवन के नजदीक रोक लिया। जिस पर कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने बेरीकेड्स पार करने का प्रयास किया, परंतु पुलिस ने रोक लिया। चंडीगढ़ पुलिस के उच्च अधिकारियों और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बीच बातचीत चल रही है। कांग्रेसी राजभवन तक जाने की मांग कर रहे हैं और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उदयभान और बाकी विधायकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस उन्हें सेक्टर 3 के थाने में ले गई। कांग्रेसियों ने थाने में ही अपना प्रदर्शन शुरू कर दिया। पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता थाने में भाजपा के खिलाफ नारेबाजी कर रहे है।

पिछले 20 दिनों में दूसरी बार राजभवन का घेराव करने जा रही है। इससे पहले ईडी द्वारा सोनिया गांधी से पूछताछ के विरोध में कांग्रेस ने राजभवन का घेराव किया था। दूसरी बार सेक्टर-9 में ही सत्याग्रह किया थी।

हिसार में पुतला फूंका

8 अगस्त से हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी के विरोध में प्रदर्शन किया। हिसार में तो कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 6 अगस्त, 2022

सीमा पर ही नहीं कई मोर्चों पर युद्ध जारी

निरंकार सिंह

देश में एक ओर सेना पाकिस्तान और चीन की सीमाओं पर डटी हुई है। उनके हर मंसूबों को नाकाम कर रही है। वहीं दूसरी ओर देश के भीतर भी कई मोर्चों पर जंग चल रही है। इसका इशारा खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों भारतीय नौसेना की ओर से आयोजित सेमिनार 'स्वावलंबन' में किया है। उन्होंने कहा है कि ''राष्ट्रीय सुरक्षा अब सीमाओं तक ही सीमित नहीं है, यह बहुत व्यापक है। जैसे-जैसे भारत वैश्विक मंच पर खुद को स्थापित कर रहा है, गलत सूचना और दुष्प्रचार के माध्यम से हम पर लगातार हमले हो रहे हैं। हमें सरकार के दृष्टिकोण के तहत चुनौतियों से निपटना होगा। हमें उन ताकतों के प्रयासों को विफल करना होगा, जो भारत के हितों को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।''इसमे कोई संदेह नही कि जंग अब सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं लड़ी जाती है। पहले लड़ाई उन हथियारों की मदद से होती थी जो जंग के मैदान तक लाये जाते थे। लेकिन 2015 के बाद से जंग का एक नया पहलू सामने आया। यह जंग इंटरनेट के जरिये सोशल मीडिया पर गलत सूचना और दुष्प्रचार को फैलाकर लड़ी जा रही है। आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हम एक राष्ट्र के रूप में पीछे से लड़ी जा रही इस नये किस्म की जंग में कैसे कामयाब हों। दुर्भाग्य से हमारे यहां कुछ राजनीतिक दलों के हताश और निराश नेता भी देश में अफवाह, अराजकता एवं हिंसा फैलाने से बाज नही आते है । हाल ही में कुछ विपक्षी दल के नेताओं ने मोदी सरकार के खिलाफ जिन अनैतिक हथकंडो का इस्तेमाल किया है, उसकी तो कोई मिसाल ही नहीं मिलती है। भारत में इंटरनेट मीडिया के उपभोक्ताओं की संख्या करोड़ों में है तो उनके द्वारा पोस्ट किए जाने वाली सामग्री को लेकर भी शिकायतों की भी बड़ी संख्या है। गूगल को भारत से संबंधित उपभोक्ताओं की 24,569 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके आधार पर 48,594 आनलाइन सामग्री को हटाया गया। गूगल ने यह जानकारी अपनी मासिक पारदर्शिता रिपोर्ट में दी है। इससे पहले अक्टूबर में गूगल अपने आटोमेटेड डिटेक्शन सिस्टम से सर्च कर 3,84,509 सामग्रियों को हटाया गया था। हटाई गई सामग्री घृणास्पद दुष्प्रचार और भेदभाव से संबंधित थीं। इससे पहले सितंबर में गूगल को 29,842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। उनके आधार पर 76,967 सामग्री को हटाया गया। जबकि आटोमेटेड डिटेक्शन से 4,50,246 सामग्रियों को हटाया गया। अमेरिका की तकनीक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने यह जानकारी भारत के नए आइटी कानून के प्रविधानों के अनुसार दी है। कुछ महीने पहले बनी कंपनी मेटा ने फेसबुक और इंस्टाग्राम एप से अक्टूबर में 1.88 करोड़ कंटेंट हटाए हैं। राहुल गांधी ने राफेल सौदे को लेकर लम्बे समय तक दुष्प्रचार किया। वह लगातार चैकीदार चोर का नारा लगवाते रहे और अपनी सभाओं में बार बार कहते रहे कि राफेल सौदे में घोटाला हुआ। अपनी बात को प्रमाणित बनाने के लिए उन्होने कुछ अखबारों की कतरनें जुटाई। उस कतरनों में इन खबरों को छोड़ दिया जो उनके राजनीतिक अभियान में सही नही बैठती थी। उसे लेकर सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार करने लगे। कहने लगे कि सियासत को फायदा पहुँचाने के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार ने हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड को राफेल सौदे से बाहर कर दिया है। वे यहीं नहीं रूके। सरकार पर आरोप लगाया कि 36 राफेल ज्यादा दाम पर खरीदे गये हैं। इस खरीद में किसी नियम-कानून का पालन नहीं किया गया है। इस बावत राहुल गांधी और कांग्रेस के पास कोई पुख्ता प्रमाण नहीं थे। बावजूद इसके उन्होंने सरकार को आड़े हाथ लिया। इसको लेकर बाकायदा अभियान चलाया गया। पर अन्त में राहुल गांधी का राफेल दुष्प्रचार फुस हो गया है। इसकी हवा और किसी ने नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने निकाली है। उसने कहा है कि राफेल सौदा निष्कलंक है। उस पर संदेह नहीं किया जा सकता। उसमें नियम का पालन किया गया। खरीद तय प्रक्रिया के तहत हुई है। ऑफसेट का चुनाव भी उसी का हिस्सा है। यह एक व्यावसायिक निर्णय है, उसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। रही बात दाम की, तो संसद में उसका वास्तविक मूल्य बताया जा चुका है। उससे अधिक विवरण देना राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में नहीं है। इसलिए कोर्ट किसी भी 'परसेप्शन' के आधार पर राफेल मामले की जांच नहीं करने जा रहा है। यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राफेल सौदे से जुड़ी सारी याचिकाएं खारिज कर दी। इससे दस जनपथ से संचालित होने वाला राफेल मामला औंधे मुंह गिर पड़ा है। राहुल गांधी खासा मायूस हो गये। इस तरह के बेबुनियाद अभियान चलाने और राजनैतिक लाभ के लिए जनता को गुमराह करने का लंबा कांग्रेसी इतिहास रहा है। इसी तरह पूर्व प्रधानमंत्री वी पी सिंह के बेटे के नाम विदेश में फर्जी खाता खुलवा कर कुछ कांग्रेसियों ने दुष्प्रचार किया था। कुछ राजनीतिक दलों के नेता भ्रष्टाचार के खिलाफ इनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (आईडी) और सेंट्रल ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की कार्रवाई को राजनीति प्रेरित बता रहे हैं। किंतु भ्रष्टाचार के आरोप किसी पर हैं और वे गलत हैं तो उसे डरने की क्या जरूरत है। आरोप बेबुनियाद हैं तो वे अदालत में साबित नहीं हो पाएंगे। फिर निर्दोष साबित होने पर उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी। ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के अधिकारी जहां-जहां जांच कर रहे हैं, उन्हें वहां से लाखों-करोड़ों की बेहिसाब धनराशि और संपत्तियां मिल रही हैं। फिर किसी को जेल भेजने का अधिकार तो अदालतों के पास ही होता है। अदालत सबूत के आधार पर ही कार्रवाई करती है। फिर कुछ नेता और उनके समर्थक शोर-शराबा और प्रदर्शन करके किसको मूर्ख बना रहे हैं ? जाहिर है कई नेताओं के चेहरे पर से पर्दा हट गया है और कुछ के उपर से हटने वाला है। इसलिए अब उनकी चोरी जब पकड़ी जा रही है तो वे अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं। ऐसा लगता कि इस तरह की अराजकता फैलाना उनके चरित्र का हिस्सा बन गया है। अब भ्रटाचार के अधिकार के लिए जंग कर रहे हैं। 2019 में कुछ विपक्षी दलों ने नागरिकता संशोधन कानून, 2019 यानी सीएए को लेकर सरकार विरोधी अभियान चलाया था। उन्होंने कानून के बारे में लोगों को जानबूझकर गलत जानकारी देने, उन्हें डराने, उनकी भावनाएं भड़काने और देशहित के विरुद्ध उकसाने तथा हिंसा भड़काने का काम किया। झूठा प्रचार करते हुए इन लोगों ने शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों के गांधीवादी सिद्धांतों के विपरीत पथराव, सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने, आगजनी और पुलिस बलों पर हमला करने के प्रयास किए। इनमें से कुछ तो विदेशी हस्तक्षेप की हिमायत करने की सीमा तक भी चले गए। धार्मिक आधार पर नागरिकों के मन में डर पैदा करना और युवाओं को भड़काना राजनीति का बहुत निचला स्तर है। अधिनियम के संबंध में यह दुष्प्रचार कि भारतीय मुसलमानों को खतरा है, अज्ञानता से भरा और उनके साथ छल करने के समान है। इसे लेकर धार्मिक आधार पर नागरिकों के मन में डर पैदा करना और युवाओं को भड़काना राजनीति का सबसे निचला स्तर है, जो ब्रिटिश राज की याद दिलाता है। सीएए पर कुछ विपक्षी नेताओं का यह प्रचार कि यह कानून मुस्लिम विरोधी है, सरासर झूठ पर आधारित था। मालूम हो कि दिल्ली का शाहीन बाग 2019 में सीएए के विरोध में प्रदर्शनों का मुख्य केंद्र बनकर उभरा था, जहां प्रदर्शनकारी अधिकतर महिलाएं एवं बच्चे तीन महीने से अधिक समय तक धरने पर बैठे थे। कांग्रेसी नेता मणिशंकर ने वहां जाकर आंदोलनकारिओं से कहा था कि आप लोग इसे चुनाव तक जारी रखिये। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2020 में अपने फैसले में सीएए के विरोध में दिल्ली के शाहीन बाग में तीन महीने से अधिक समय तक हुए प्रदर्शन को गैरकानूनी बताते हुए इसे अस्वीकार्य बताया था, जिसके खिलाफ कुछ कार्यकर्ताओं ने एक समीक्षा याचिका दायर की थी, जिसे शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया।

मतदाताओं को प्रलोभन

लोकतंत्र का मूल मंत्र है निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव। जिस देश में ऐसा हो रहा है मान लीजिए वहां लोकतंत्र की जड़ें काफी गहरे तक समाई हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों से देखने में आ रहा है कि राजनीतिक दलों के कई नेता मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में खींचने के लिए ऐसे लोकलुभावन दावे व वादे करते हैं जिनका पूरा होना असंभव ही होता है। फिर भी लोग इन लुभावने नारों में उलझ कर अपने कीमती वोट उस दल को दे देते हैं जिनके वादे उन्हें प्रभावित करते हैं। फिर चाहे राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लोकसभा चुनाव हों या विधानसभा चुनाव, या फिर स्थानीय निकाय व ग्राम पंचायतों तक के ही चुनाव क्यों न हों। बीते महीने पीएम नरेंद्र मोदी जब यूपी के जालौन में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने गए थे तो उन्होंने इसका जिक्र किया था कि कुछ राजनीतिक दल मतदाताओं को वोट पाने के लिए फ्री की रेवड़ियां बांटते फिर रहे हैं। तभी से इस मामले ने तूल पकड़ा है। इस क्रम में सवाल उठने लगे हैं कि चुनावों के दौरान अपने पक्ष में प्रचार करते हुए कई नेता जिस तरह आम लोगों को कोई सामान या सेवा मुफ्त देने का वादा करते हैं, क्या वह एक तरह से मतदाताओं को रिश्वत देने जैसा नहीं है? यह भी एक प्रकार से उसी तरह की रिश्वत है जिस तरह से मतदाताओं को रिझाने के लिए, शराब व कंबल आदि बांटना है। देखा जाए, तो मतदाताओं का वोट पूरी तरह से सरकारों के कामकाज और जनता के पक्ष में उसके रवैये के आकलन और विवेक पर आधारित होना चाहिए, ताकि सत्ता से लेकर जमीनी स्तर तक लोकतांत्रिक अवधारणा मजबूत होती रहे। लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीति को लेकर फिक्रमंद लोगों और समूहों की ओर से लगातार चिंता जताई जाती रही है और कई सवाल उठाए जाते रहे हैं। अच्छी बात यह है कि वोट के लिए मुफ्त चीजों या सेवाओं का सवाल अब सुप्रीम कोर्ट ने भी सख्त रवैया अपनाया है। इससे संबंधित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। अब बुधवार को अदालत ने इस मामले में विशेषज्ञ समिति के गठन का संकेत दिया, जो चुनावों के मद्देनजर मुफ्त उपहार के संदर्भ में सुझाव पेश करे। फिर भी इस संबंध में अदालत की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है कि कोई भी राजनीतिक पार्टी इस बारे में बात नहीं करेगी, क्योंकि सभी जनता को मुफ्त उपहार का प्रस्ताव देने में आगे रहना चाहते हैं। क्या यह मतदाताओं की राय या मत को कीमत देकर खरीदने जैसा नहीं समझा जाना चाहिए? अगर चुनाव बाद कोई चीज या सेवा मुफ्त में लोगों को मुहैया कराई जाती है, उस मद में होने वाले खर्च का बोझ आखिरकार आम जनता पर ही पड़ता है? इस मसले पर केंद्र सरकार की ओर से सालिसिटर जनरल ने एक अहम पहलू का उल्लेख किया है कि लोकलुभावन मुफ्त उपहार बांटने का वादा या बांटा जाना मतदाताओं को प्रभावित करता है और अगर इसे नियमों के दायरे में नहीं लाया गया तो इससे देश की आर्थिक स्थिति खस्ता हाल हो जाएगी। यह तो सभी जानते हैं कि चुनावों में अपने उम्मीदवारों की जीत तय करने के लिए किए जाने वाले प्रचार-प्रसार में अब विकास और विचार के स्तर पर कोई बात नहीं होती। इसके बजाय लोगों को कोई वाहन या लैपटाप या अन्य सामान देने या बिजली-पानी जैसी सुविधाएं मुफ्त मुहैया कराने के वादों का बोलबाला रहता है। जबकि किसी भी देश या क्षेत्र का समग्र और समावेशी विकास जनता को इस रूप में सशक्त करता है, जहां लोगों को कोई सेवा या सामान मुफ्त में लेने की जरूरत नहीं महसूस होती। आज जरूरत है कि लोगों को सुविधा संपन्न बनाने की तो राजनीतिक दल उन्हें मुफ्त की सुविधा का भोगी बना रहे हैं। राजनीतिक दलों को चाहिए कि सबके लिए रोजगार या फिर पर्याप्त आर्थिक आमदनी का जरिया सुनिश्चित कर दें ताकि किसी भी व्यक्ति को अपनी जरूरत के किसी सामान या बिजली-पानी जैसी सेवाओं के लिए कीमत चुकाने में कोई असुविधा न हो! लेकिन नेता गण बुनियादी समस्याओं का कोई ठोस हल निकालने के बजाय तात्कालिक और अस्थायी राहतों की मुफ्तखोरी में उलझाए रखना चाहते हैं।

मंत्रियों के पास अथाह नोटों के बंडल कैसे?

डॉ उमेश प्रताप वत्स

सरकारी पिंजरे का तोता नाम से अलंकृत आर्थिक प्रवर्तन महानिदेशालय अर्थात इनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानि इडी आजकल देशभर में चर्चा में बना हुआ है। यद्यपि लोगों का मानना है कि 2014 में जब से केन्द्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी है तभी से ईडी बहुत सक्रिय होकर कार्य कर रहा है। कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी को ईडी का बुलावा आने पर ईडी की कार्रवाई को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मंच मिला है। ईडी नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में गांधी परिवार से पूछताछ कर रही थी। पूरे देश भर में कांग्रेस के कार्यकर्ता ईडी का विरोध कर रहे हैं। विरोध मन से हो रहा था यह कह नहीं सकते किंतु कैमरा कवरेज में आने के लिए वृद्ध नेता भी युवाओं की तरह गुलाटी मार रहे थे, सड़कों पर लोट-पोट हो रहे थे। ईडी के छापे से राजनैतिक गलियारों में एक हडकंप सा मचा हुआ है विशेषरूप से उन लोगों में जिन्होंने आने वाली पुश्तों के लिए गैरकानूनी ढंग से धनोपार्जन कर दांए-बांए मित्र-परिचितों के पास छिपाकर रखा हुआ है। ऐसे कई छापेमारी अभियान चलाए गए जहां से ईडी ने कई करोड़ रुपए बरामद रुपये व जेवरात बरामद किए। अगर आपको याद होगा, कानपुर का वाक्या जो काफी चौंकाने वाला था। जहां पर दो दिनों तक ईडी पैसा गिनती रही। गिनने के लिए मशीन मंगानी पड़ गई, पैसे ले जाने के लिए ट्रक लाने पड़ गए यानी इतना सारा रुपया आपने अपने सपनों में नहीं देखा होगा, जो आपको ईडी ने वास्तव में दिखाने का कार्य किया है। पूरे देश भर में कांग्रेस के कार्यकर्ता ईडी का ऐसे विरोध कर रहे हैं मानो कोई दूसरे देश की जाँच एजेंसी छापा मारने के लिए आई हो। विरोध के नाम पर कई राज्यों में ईडी के दफ्तर के बाहर तोड़फोड़ भी की गई। इधर एक मामला थमा नहीं तो उधर बंगाल में भी ईडी की छापेमारी जारी थी। टीएमसी नेता पार्थ चटर्जी की महिला सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के घरों पर छापेमारी में नोटों का अंबार करोड़ों रुपए के रूप में निकला जो चैनलों के माध्यम से देश की जनता ने देखा। लाखों रुपये के गहने भी बरामद किए गए थे। 2014 से इन छापेमारी में तकरीबन 95,486 हजार करोड़ की संपत्ति जब्त की गई। जो देश की जनता की मेहनत का पैसा है। कर्मचारियों, व्यापारियों द्वारा देश को दिये जाने वाले टैक्स का पैसा है, जो इन भ्रष्टाचारियों ने गलत तरीके से एकत्रित कर अपनी पुश्तों के लिए संजोया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ईडी ने 112 छापेमारी की और इन छापेमारी से 5,346 करोड़ की संपत्ति पकड़ी गई। जबकि 2014 के बाद ईडी ने 2,974 छापेमारी की और इन छापेमारी में तकरीबन 95,486 हजार करोड़ की संपत्ति जब्त की गई। इससे साफ जाहिर होता है कि कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान अधिकारी, नेताओं को लूट करने के लिए छूट दे दिया गया था। आपको भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कथन याद ही होगा उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा था कि ₹ना मैं खाऊंगा नहीं ही खाने दूंगा₹। ईडी 2014 के बाद एक्शन मोड में आ गई है और भ्रष्ट व्यक्तियों के ऊपर सख्त कार्रवाई कर रही है। आजकल ईडी की कार्रवाई पर विपक्ष अनेक सवाल खड़ा कर रहा है। इनका कहना है कि ईडी एक सरकारी तोता हो गया है। केंद्र सरकार ईडी का दुरुपयोग कर रही है। यहां तक कि वे लोग भी विरोध कर रहे थे जिन्हें आभास था कि अगला नम्बर उन्हीं का है ताकि उन्हें जनता की सहानुभूति मिल जाये। उदाहरण के लिए संजय राऊत ने भी आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र में सरकार ईडी के दम पर बनाई गई है।

आज वह स्वयं ईडी की कस्टडी में है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि ईडी एक सरकारी संस्था है, इसमें केंद्र सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है ईडी अपने काम को स्वतंत्र रूप से करती है। अगर ईडी किसी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई कर रही है तो वह व्यक्ति भ्रष्ट है तभी ईडी ने कार्रवाई की है। यदि कार्रवाई में अवैध धन मिल रहा है तो फिर ईडी का दुरुपयोग कैसे हुआ अपितु यह तो सदुपयोग है जो जनता के धन को जब्त कर जनता की सुविधा के लिए देश में लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ईडी एक केंद्रीय सरकारी संस्था है। ईडी अवैध रूप से रुपयों के लेन-देन एवं अवैध रूप से बनाई गई संपत्ति पर निगरानी करता है। अगर इसके जद में कोई भी नागरिक आता है तो ईडी के पास यह अधिकार है कि बिना वारंट का छापा मार सकता है। भारत सरकार द्वारा ईडी का गठन 1 मई 1956 में हुआ था। ईडी हर सरकार में अपना कार्य स्वतंत्र रूप से करता है किंतु सरकार के सहयोग से अपराधियों पर कार्रवाई नहीं हो पाती जबकि इस बार छापे के बाद न्यायालय की निगरानी में कार्रवाई भी हो रही है और सरकार तटस्थ दिखाई दे रही है। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने इस संबंध में 2012 में एक शिकायत दर्ज कराई थी। केस दर्ज होने के दो साल बाद जून 2014 में अदालत ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ समन जारी किया। इसी साल अगस्त महीने में प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने संज्ञान लिया और मनी लॉनड्रिंग का केस दर्ज किया। एक निचली अदालत द्वारा यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ आयकर विभाग की जांच का संज्ञान लेने के बाद एजेंसी ने पीएमएलए के आपराधिक प्रावधानों के तहत एक नया मामला दर्ज किया था। नैशनल हेराल्ड केस में ईडी ने हाल ही में नई दिल्ली ऑफिस पर छापा मारा। ईडी की टीम की तरफ से छानबीन जारी है। मुख्य भवन को सील कर दिया गया। इससे पहले ईडी की टीम ने मनीलॉनड्रिंग केस में सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी से पूछताछ की थी। माना जा रहा है कि पूछताछ के बाद ईडी की तरफ से यह कार्रवाई की गई है। नेशनल हेरल्ड मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ के बाद इस बात की अटकल लगाई जा रही थी ईडी अब केस दर्ज कर सकती है और वैसा ही हुआ। ईडी के छापे के बाद राहुल ने कहा कि तानाशाह के हर फरमान से, जनता की आवाज़ दबाने की हर कोशिश से हमें लड़ना है। आपके लिए, मैं और कांग्रेस पार्टी लड़ते आ रहे हैं, और आगे भी लड़ेंगे। राहुल ने लिखा कि ये सरकार चाहती है आप बिना सवाल किए तानाशाह की हर बात को स्वीकार करें। मैं आप सबको विश्वास दिलाता हूं, इनसे डरने की और तानाशाही सहने की ज़रुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ये डरपोक हैं, आपकी ताकत और एकता से डरते हैं, इसलिए उसपर लगातार हमला कर रहे हैं। अगर आप एकजुट हो कर इनका सामना करोगे, तो ये डर जाएंगे। राहुल ने लिखा, मेरा आपसे वादा है, न हम डरेंगे और न इन्हें डराने देंगे। इस बयान को राजनीति के जानकार होने वाली कार्रवाई से बचने के लिए ढाल के रूप में प्रयोग किया जाने वाला बयान बता रहे हैं। जनता को तैयार रहने का संदेश देना अर्थात जनता विरोध के लिए सड़कों पर आ जाये और यह कदापि स्वीकार न करें कि उनके नेता कभी भ्रष्टाचार में भी लिप्त हो सकते हैं। नैशनल हेरल्ड केस में सोनिया और राहुल गांधी दोनों मामले में आरोपी हैं। दोनों नेताओं पर सेक्शन 120 बी आपराधिक षड्यंत्र और 420 धोखाधड़ी के अन्तर्गत केस दर्ज किया गया है।

ताइवान पर तनाव, अमेरिका का चाव, भारत के भाव

सत्यवान 'सौरभ'

अमेरिकी कांग्रेस की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा को लेकर दोनों देशों के बीच तीखा तनाव पैदा हो गया है। मंगलवार को जब अमेरिकी कांग्रेस की स्पीकर ताइवान पहुंची तो अमेरिकी फाइटर जेट्स भी पीछे-पीछे सुरक्षा में रवाना हुए। इससे नाराज चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य युद्ध अभ्यास का ऐलान कर दिया। चीन भड़का हुआ है। अमेरिका ने भी साफ कर दिया कि सुरक्षा के मुद्दे पर अमेरिका ताइवान के साथ खड़ा है। नैंसी पेलोसी के दौरे पर चीन क्यों खफा है। क्या रूस और यूक्रेन की तरह चीन और ताइवान के बीच युद्ध की संभावना है। अमेरिकी स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा का चीन ने स्वागत नहीं किया है। इसने दो शक्तिशाली देशों- चीन और अमेरिका के बीच तीव्र तनाव पैदा कर दिया है क्योंकि चीन ताइवान को एक अलग प्रांत के रूप में देखता है। ताइवान, जो खुद को एक संप्रभु राष्ट्र मानता है, मगर चीन ताइवान को अपना अलग प्रांत मानता है। फिर भी ताइवान अमेरिका को अपना सबसे बड़ा सहयोगी मानता है और अमेरिकी स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद दुनिया एक नए टकराव की ओर बढ़ रही है। यात्रा के बाद अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ गया है, जिसके केंद्र में ग्लोबल सेमीकंडक्टर ट्रेड पर वर्चस्व बनाना है।

ऐसा अनुमान है कि ग्लोबल सेमीकंडक्टर कैपेसिटी में अकेले ताइवान की 20 फीसदी हिस्सेदारी होगी। दूसरी ओर अमेरिका और चीन सेमीकंडक्टर के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार, सेमीकंडक्टर दुनिया में चौथा सबसे ज्यादा ट्रेड होने वाला प्रोडक्ट है। इसमें दुनिया के 120 देश भागीदार हैं। सेमीकंडक्टर से ज्यादा ट्रेड सिर्फ क्रूड ऑयल, मोटर व्हीकल व उनके कल-पुर्जों और खाने वाले तेल का ही ट्रेड होता है। ताइवान, आधिकारिक तौर पर चीन गणराज्य, पूर्वी एशिया में एक देश है, और उत्तर पश्चिमी प्रशांत महासागर में पूर्वी और दक्षिण चीन सागर के जंक्शन पर जापान और फिलीपींस के बीच है। अर्धचालकों की अधिकांश वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला ताइवान पर निर्भर है। वर्तमान में, केवल 13 देश (प्लस वेटिकन) ताइवान को एक संप्रभु देश के रूप में मान्यता देते हैं। चीन और ताइवान की अर्थव्यवस्थाएं अटूट रूप से जुड़ी हुई हैं। 2017 से 2022 तक 515 बिलियन डॉलर के निर्यात मूल्य के साथ चीन ताइवान का सबसे बड़ा निर्यात भागीदार है, जो अमेरिका से दोगुना से अधिक है। ताइवान अन्य द्वीपों की तुलना में मुख्य भूमि चीन के बहुत करीब है, और बीजिंग इसे अपना समझता है क्योंकि 1949 में चीनी क्रांति के दौरान राष्ट्रवादियों को वहां से खदेड़ दिया था। अमेरिका और चीन के बीच जिन मुद्दों को लेकर तनाव है, उनमें है ट्रेड वॉर- दोनों ने एक-दूसरे के उत्पादों पर आयात कर बढ़ाया है। हाल के सालों में एक-दूसरे पर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध भी लगाए हैं। समंदर में बढ़ते चीन के प्रभाव और दक्षिण चीन सागर में चीन के पैर फैलाने से अमेरिका और पश्चिमी मुल्क नाराज़ हैं। इसे लेकर कई बार दोनों के बीच तनाव चेतावनी तक भी बढ़ा है। चीन की घेराबंदी कर अमेरिका पेसिफिक के देशों के साथ संबंध बढ़ाना चाहता है। यहां वो अपने सहयोगी ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर चीन के प्रभाव को रोकने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका, यूके और ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल में ऑकस सुरक्षा गठबंधन बना है। अमेरिका चीन पर वीगर अल्पसंख्यक मुसलमानों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का भी आरोप लगाता है, हालांकि चीन इससे इनकार करता रहा है।अमेरिका और चीन के बीच तनाव के जो मुद्दे हैं वो बने हुए हैं, चाहें वो ताइवान हों, दक्षिण चीन सागर में बढ़ता चीन का प्रभाव हो या फिर दोनों देशों के बीच चल रहा ट्रेड वॉर हो; इन सभी से परे ताइवान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भी साख का सवाल बनता जा रहा है। चीन की आर्थिक हालत इस समय ख़राब है।

शी जिनपिंग ऐसे समय में कमजोर नहीं दिखना चाहेंगे, इसलिए वो राष्ट्रवाद का सहारा लेंगे और ताइवान की तरफ जाएंगे। इसलिए चीन ताइवान को लेकर आक्रामक है और भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल कर रहा है। आज के वैश्विक परिवेश में अमेरिका की शक्ति कम हो रही है और चीन एक उभरती हुई शक्ति है। जहां तक भारत की बात है, भारत एक अनिश्चित शक्ति है, रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने भी वही पक्ष लिया है जो चीन ने लिया है।

चीन भारत का पड़ोसी है, दोनों करीब 3488 किलोमीटर की सीमा साझा करते हैं। लेकिन बीते कुछ सालों से भारत और चीन सीमा विवाद में उलझे हैं।

हाय पैसा वाह पैसा!

डॉ प्रदीप उपाध्याय

दद्दा जी,लोग पैसे के पीछे इतने दीवाने क्यों हो जाते हैं जबकि हर कोई जानता है कि खाली हाथ आए हैं और खाली हाथ ही जाना है। ऐसा है कि जो खाली हाथ जाता है,उसे उसके अंतिम मुकाम पर छोड़कर आने वालों को अपनी भरी जेबें और भरी तिजोरियां याद रह जाती हैं,जाने वाले की खाली मुट्ठियां ऐसे में विस्मृत हो जाती हैं।

फिर माया -मोह के बंधन से दूर कैसे हुआ जा सकता है! कोई तो रास्ता होगा। अरे भाई, सिकंदर की अंतिम इच्छा अनुसार ताबूत के बाहर खाली मुट्ठियां दिखाने के बाद भी लोग नहीं सुधरे तो अब क्या सुधरेंगे!

वैसे भी यदि यह माया-मोह नहीं रहे तो इंसान खुद ही भगवान बन जाए। यह कंचन और कामिनी का मोह ऊपर वाले ने इंसान के फिसलने के लिए ही रखे हैं ।

संभवतः ये भाव इसीलिए रखें गए होंगे कि कहीं इंसान उसकी बराबरी पर आकर नहीं बैठ जाए। फिर भी दद्दा,जब आदमी इसकी बुराइयों से इतना वाक़िफ है तो क्यों पैसे के पीछे भागता रहता है!

देखो भाई,पैसा पैसा करते आखिर कौन थका है। पैसा थक सकता है, इंसान नहीं! जाहिर सी बात है कि वह मानकर चलता है कि पैसा है तो रूतबा है,पैसा है तो शोहरत है,पैसा है तो सब अपने हैं वरना सब बेगाने !यही सब सोचकर हाय पैसा वाह पैसा करता रहता है लेकिन उसे यह नहीं मालूम कि पैसे को नजर लगाने वाले भी कई बैठे हुए हैं। हां दद्दा, अभी तो चहुंओर पुराने पाप निकाल कर सामने लाए जा रहे हैं। बस यही तुमने मार्के की बात कही है। लोगों की नजर में दूसरे करें तो पाप और खुद करें तो पुण्य।

यानी खुद के चेहरे दूध के धुले हुए और दूसरों के चेहरे कालिख पुते हुए! इसीलिए तो दद्दा जी,खोद-खोदकर गड़े मुर्दे उखाड़े जा रहे हैं। हां,सही कह रहे हो।कोई पैसा पैसा करती रही, कोई पैसे -पैसे का ढेर लगाता गया,पैसे अर्पित करता गया।

पार्थ अपार्थ तो तभी होता है जब उसका संजोया सभी पार्थिव हो जाए वरना तो राजा राजा होता है,भूपति होता है,उसे व्यर्थ या निरर्थक करना इतना आसान भी तो नहीं क्योंकि हर कोई उसके सामने समर्पण भाव में रहता है,अपना सर्वस्व अर्पण करने को तत्पर! समय का पल्टा ऐसा भी कि पार्थ अपार्थ हो जाता है! सही है दद्दा,पैसा बस पैसा,इसी को जोड़ने की जद्दोजहद में जिंदगी गुज़र जाती है।

आखिर कोई इससे कैसे मोह त्याग सकता है। धन का प्रभाव ही ऐसा है कि सड़क पर पड़ा पैसा भी आदमी निगाह बचाकर पैरों तले दबा लेता है और आंख चुराकर जेब में धर लेता है।तो फिर वे लोग कैसे बचकर रहते जिनके सामने पैसा बटोरने के खुले अवसर मौजूद थे!

सही कहते हो।अब इसमें कुछ लोग अर्थ ढूंढेंगे तो कुछ लोग व्यर्थ होने का प्रलाप करेंगे। खैर छोड़ो,इससे अपने को क्या?

बिल्लियों की आत्मकथा

रेखा शाह

बिल्लियों ने अपने दुखों से हार कर.. अपनी पीड़ा को हृदय में आत्मसात करते हुए, अपने कुनबे का दुख बिल्लियों की आत्मकथा नामक किताब में संकलित करने का प्रयास किया , ताकि उनकी अगली पीढ़ी को क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, किस से सजग रहना चाहिए, किस से मित्रता भाव रखना चाहिए, उनके उत्तराधिकारीयों को यह जानकारियां उत्तराधिकार में मिल सके.. यह मात्र उनका अंतिम प्रयास था दिनोंदिन सीमित होती उनकी जनसंख्या को लेकर..! !

पहले पृष्ठ में ही दर्ज था-- इंसानों ने चिंतन मनन करना छोड़ दिया है यश ,अपयश से परे होकर स्वार्थ की सार्थकता को ही सिद्ध करने में जुटे हुए हैं, इस समय जीव जगत को ईश्वरी अदृश्य शक्तियों से ही उम्मीद है कि भविष्य में बिल्लियों की प्रजाति बची रहे, वरना इंसानों ने हमारी विलुप्ता का पूरा इंतजाम कर रखा है। अगले कुछ पृष्ठ पर एक काली बिल्ली के उद्भाव कुछ इस तरह से हैं-- इंसानों में एक आम भ्रांति है कि हम बिल्लियां उनका रास्ता काटती हैं, और अपशकुन करती हैं...! पर कोई उन इंसानों से पूछे हम बिल्लियों का रास्ता इन इंसानों ने काट काट कर हमें विलुप्ता के कगार पर पहुंचा दिया है.. तनिक सोचना चाहिए इंसानों को कौन किसका रास्ता काट रहा है! अगले पृष्ठ पर एक भूरी बिल्ली के उद्भाव इस प्रकार है-- हम बिल्लियों को थोड़ी सी दूध -दही खाने पर इतनी बड़ी सजा दी गई है कि हमारा अस्तित्व ही संकट के कगार पर है .उन इंसानों को कौन सी सजा मिलनी चाहिए जिन्होंने पूरी पृथ्वी को खा लिया ना धरती रहने लायक बची.. ना आसमान में हवा.. उनके गुनाहों की सजा कौन उन्हें देगा चितकबरी बिल्ली के उद्भाव कुछ इस प्रकार--₹ हम सारी बिल्लियों को मरने के बाद मोक्ष प्राप्ति की आकांक्षा थी.. किंतु हम प्रेत आत्माएं बनकर भटक रही हैं, क्योंकि हम सभी को अकाल मृत्यु प्राप्त हुई, हम सब किसी न किसी सड़क पर मनुष्य द्वारा चलित वाहनों के द्वारा मृत्यु को प्राप्त हुए, क्या इंसानों की जिम्मेदारी नहीं थी की वह हम जैसे जीव जगत के प्रति थोड़ी सी इंसानियत दिखा दे.. इस पुस्तक में दर्ज सभी उद्धभाव को सभी बिल्लियां ध्यान से पढ़ें.. ताकि अगली पीढ़ी को पता रहे कि उन्हें किस किस से सतर्क रहना है।

त्रिशूल हो या जटाओं में धारण की गई गंगा हो या फिर भस्म और गले में लिपटे सर्प हो

महादेव से जुड़ी हर चीज का रहस्य

यूं तो भोलेनाथ को प्रसन्न करना बहुत आसान है। जरा सी भक्ति से ही देवाधिदेव प्रसन्न हो जाते हैं और अपने भक्तों पर दिल खोलकर कृपा बरसाते हैं। महादेव का स्वरूप जितना सादा है उनसे जुड़ी बात उतनी ही रहस्यमयी है। भगवान शिव से जुड़ी हर बात का अपना रहस्य है।

1. रुद्राक्ष का महत्व

रुद्राक्ष का अर्थ है रूद्र का अक्ष। रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। रुद्राक्ष को प्राचीन काल से आभूषण के रूप में, सुरक्षा के लिए, ग्रह शांति के लिए धारण किया जाता है। आध्यात्मिक लाभ के लिए भी रुद्राक्ष प्रयोग किया जाता रहा है। हालांकि, मुख्य रूप से 17 प्रकार के रुद्राक्ष पाए जाते हैं। लेकिन 12 मुखी रुद्राक्ष विशेष रूप से प्रयोग में आते हैं

रुद्राक्ष धारण करने के नियम- रुद्राक्ष कलाई , कंठ और हृदय पर धारण किया जा सकता है। इसे कंठ प्रदेश तक धारण करना सर्वोत्तम माना जाता है। इसके अलावा कलाई में बारह, कंठ में छत्तीस और हृदय पर एक सौ आठ दानों को धारण करना चाहिए। रुद्राक्ष का एक दाना भी धारण कर सकते हैं। लेकिन ये दाना हृदय तक होना चाहिए और लाल धागे में होना चाहिए।

रुद्राक्ष धारण करने का सबसे अच्छा समय- कहते हैं रुद्राक्ष धारण करने वाले की रक्षा दशों दिशाओं में महादेव करते हैं और सावन में तो रुद्राक्ष पहनना और भी शुभकारी है क्योंकि सावन का महीना महादेव को अति प्रिय है। ज्योतिष के जानकारों की अगर मानें तो रुद्राक्ष को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को या किसी भी सोमवार को धारण कर सकते हैं। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी यानि शिवरात्री को रुद्राक्ष धारण करना सबसे उत्तम होता है। रुद्राक्ष धारण करने के पूर्व उसे शिव जी को समर्पित करना चाहिए। इसके अलावा जो रुद्राक्ष धारण करें उसी माला या रुद्राक्ष पर मंत्र जाप करना चाहिए

2. शिव के त्रिशूल का रहस्य

दुनिया की कोई भी शक्ति हो - दैहिक , दैविक या भौतिक , शिव के

त्रिशूल के आगे नहीं टिक सकती। शिव का त्रिशूल हर व्यक्ति को उसके कर्म के अनुसार दंड देता है। घर में सुख समृद्धि के लिए , मुख्य द्वार के ऊपर बीचों बीच त्रिशूल लगायें या बनायें। त्रिशूल आकृति तभी धारण करें , जब आप का मन, वचन और कर्म पर पूर्ण नियंत्रण हो।

3. शिव को प्रिय है डमरू

भगवान शिव ही नृत्य और संगीत के प्रवर्तक हैं। शिव जी के डमरू में न केवल सातों सुर हैं बल्कि उसके अन्दर वर्णमाला भी है। शिव जी का डमरू बजाना आनंद और मंगल का प्रतीक है। वे डमरू बजाकर भी खुश होते हैं और डमरू सुनकर भी। नित्य अगर घर में शिव स्तुति डमरू

बजाकर की जाय तो घर में कभी अमंगल नहीं होता। महादेव के डमरू में सातों सुर समाहित है।

4.भोलेनाथ के भस्म का रहस्य

भगवान शिव इस दुनिया के सारे आकर्षण से मुक्त हैं। उनके लिए ये दुनिया , मोह-माया , सब कुछ राख से ज्यादा कुछ नहीं है। सब कुछ एक दिन भस्मीभूत होकर समाप्त हो जाएगा , भस्म इसी बात का प्रतीक है। शिव जी का भस्म से भी अभिषेक होता है, जिससे वैराग्य और ज्ञान की प्राप्तिहोती है। घर में धूप बत्ती की राख या कंडे की राख से, शिव जी का अभिषेक कर सकते हैं। परंतु महिलाओं को भस्म से अभिषेक नहीं करना चाहिए।

5. शिव के चंद्रमा का रहस्य

समुद्र मंथन में निकले विष को शिव जी ने ग्रहण किया था। विष की ज्वाला को शांत करने के लिए उन्होंने माथे पर चंद्रमा को धारण किया। चंद्रमा धारण किए हुए शिव जी की पूजा से अनुकूल ग्रहों की शक्ति बढ़ती है। इसीलिए कहा जाता है कि शाम को पूर्व दिशा को ओर मुंह करके पूजा करें। प्रभु शिव का दूध से अभिषेक करें।

6. गंगाधर शिव का रहस्य

महादेव ने राजा सगर के पुत्रों की मुक्ति,लोक कल्याण के लिए गंगा को सिर पर धारण किया। गंगा को धारण किए गए शिव जी के पूजन से पितृदोष से मुक्ति मिलती है। विद्या, बुद्धि और कला के क्षेत्र में सफलता मिलती है। 'ऊं गंगा विष्णु' का 3 बार जाप करते हुए आचमन करें। पूजा में लाल रंग के आसन का प्रयोग करें। इसके साथ ज्योतिष के मुताबिक, ईशान कोण की ओर मुंह करके, 'ऊं रुद्राय नमः' का 5 माला जाप करें। धतूरे के पुष्पों से गंगाधर का पूजन करें। धार्मिक पुस्तकों का दान करें, विद्यार्थियों की पढ़ाई में मदद करें।

धन दायक मानी जाती हैं ये 5 अंगूठियां

लेकिन इस तरह से पहनने पर हो सकता है नुकसान

वैदिक ज्योतिष में कुंडली के ग्रहों को मजबूत करने के लिए कई तरह के रत्नों के बारे में बताया गया है। कहते हैं इन रत्नों को धारण करने से व्यक्ति की किस्मत चमक जाती है। लेकिन अगर रत्न सूट न करे तो इससे व्यक्ति को तमाम परेशानियों भी झेलनी पड़ जाती हैं। आज यहां हम 5 ऐसे रत्नों के बारे में बात करने जा रहे हैं जो धन दायक तो माने जाते हैं लेकिन अगर सूट न करें तो व्यक्ति का जीवन कष्टों से भर देते हैं। जानिए इन रत्न जड़ित अंगूठियों के बारे में।

नीलम की अंगूठी: इस रत्न को बेहद प्रभावशाली माना जाता है। इसे धारण करने से शनि ग्रह मजबूत होता है। इसका प्रभाव सबसे

आज यहां हम 5 ऐसे रत्नों के बारे में बात करने जा रहे हैं जो धन दायक तो माने जाते हैं लेकिन अगर सूट न करें तो व्यक्ति का जीवन कष्टों से भर देते हैं।

अधिक तेजी से होता है। अगर ये आपको सूट कर जाए तो आपकी किस्मत बदल सकता है वहीं अगर सूट न करें तो ये सड़क पर भी ला सकता है। नीलम को शनि की दशा में ही पहनना चाहिए। इस रत्न की अंगूठी बनवाने से पहले इसे कुछ दिन अपने सिरहाने रखकर सोएं या कपड़े में लपेटकर हर समय अपने पास रखें। अगर सब सामान्य रहे तब इसकी अंगूठी बनवाएं। यदि कुछ भी नकारात्मक घटे तो इसकी अंगूठी न पहनें।

कछुए वाली अंगूठी: आजकल काफी लोग इस अंगूठी को धारण करते हैं। कछुए का संबंध माता लक्ष्मी से माना जाता है। कछुए की अंगूठी को पहनने से धन-संपदा की प्राप्ति होती है। लेकिन ज्योतिष अनुसार इस अंगूठी को कर्क, वृश्चिक या मीन राशि वाले धारण करने से बचें। क्योंकि इस अंगूठी के प्रभाव से इन राशियों के लोगों की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

हीरे की अंगूठी: हीरा रत्न शुक्र ग्रह से संबंधित माना जाता है। अधिकतर लोग हीरे को बिना किसी जानकारी के ऐसे ही धारण कर लेते हैं। खासकर शादी के समय हीरे की अंगूठी पहनने का प्रचलन काफी ज्यादा बढ़ गया है। लेकिन ज्योतिष की मानें तो नवविवाहित जोड़े को शादी के समय और शादी के एक साल बाद तक हीरा नहीं पहनना चाहिए। इसके पीछे मान्यता है कि हीरा संतान प्राप्ति में दिक्कत पैदा कर सकता है। लेकिन अगर आप इस रत्न को धारण करना चाहते हैं तो रत्न ज्योतिष विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें।

मोती रत्न: अगर आप इस रत्न को धारण कर रहे हैं तो साथ में लहसुनिया और गोमेद धारण ना करें। अगर आपने गोमेद और लहसुनिया पहन रखा है तब मोती न पहनें। ऐसा इसलिए क्योंकि लहसुनिया केतु का रत्न है वहीं गोमेद राहु का रत्न है। जबकि मोती चंद्रमा का रत्न माना जाता है। ज्योतिष अनुसार चंद्रमा के साथ जब भी राहु और केतु होते हैं तो ग्रहण दोष बनता है।

नवग्रह अंगूठी: ये अंगूठी तांबा, पीतल, कांसा, चांदी, सोना, रांगा, लोहा इत्यादि को मिलाकर बनाई जाती है। इस अंगूठी को अगर धारण किया हुआ है तो मांस-मंदिरा का सेवन बिल्कुल भी न करें। ऐसा करने पर इस अंगूठी का आप पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

घर में बढ़ रहे हैं क्लेश और आर्थिक समस्याएं, तो इन ज्योतिष उपायों से लौट सकती है सुख-शांति

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में सुख-शांति और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद सदा बना रहे। लेकिन जब व्यक्ति काम से थक हार कर घर आता है और वहां भी अगर रोज-रोज के लड़ाई-झगड़े देखने को मिलें तो मानसिक तनाव भी बढ़ने लगता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मान्यता है कि जिस घर में गृह क्लेश होते रहते हैं वहां मां लक्ष्मी का वास नहीं होता और आर्थिक समस्याएं भी आने लगती हैं। ऐसे में घर में शांति बनाए रखने तथा पैसों की तंगी की समस्या दूर करने के लिए इन ज्योतिष उपायों को अपनाया जा सकता है...

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान जी के सामने पंचमुखी दीपक जलाएं और अष्टगंध की धूप को पूरे घर में फैलाएं। मान्यता है कि इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सुख-शांति का वास होता है। गृह क्लेशों से मुक्ति पाने के लिए रात में सोने से पहले गाय के घी में एक कपूर का टुकड़ा डुबोकर उसे पीतल के बर्तन में रखकर जला दें। इसके अलावा सप्ताह में एक बार कपूर जलाकर पूरे घर में उसका धुआं दिखाने से भी नकारात्मकता दूर होती।

पति-पत्नी के बीच आपसी संबंधों में खटास पैदा होने लगी है तो दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए ज्योतिष अनुसार अष्टमी तिथि के दिन पति-पत्नी एक साथ मिलकर मां गौरी का पूजन और श्रृंगार करें। साथ ही कन्याओं को भोजन कराएं।

यदि आपको अपने कारोबार में घाटे और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो अष्टमी तिथि के दिन रात्रि में अपने घर के मुख्य द्वार पर शुद्ध घी का दीपक जलाएं और मां लक्ष्मी के पैरों के चिन्ह लगाएं। मान्यता है कि इससे सौभाग्य और समृद्धि में वृद्धि होती है।

अपने कार्यों से हर किसी को चकित कर देते हैं इस मूलांक के लोग, होते हैं धनवान

अंक ज्योतिष शास्त्र अनुसार मूलांक से किसी भी व्यक्ति के स्वभाव और भविष्य के बारे में काफी कुछ जाना जा सकता है। हर मूलांक के लोगों में कुछ न कुछ ऐसी विशेषता होती है जो उन्हें दूसरे मूलांक के लोगों से अलग बनाती हैं। यहां हम बात करेंगे मूलांक 4 के बारे में। जिन लोगों की जन्म तारीख 4, 13 और 22 होती है उनका मूलांक 4 होता है। इस मूलांक के लोग हमेशा कुछ न कुछ ऐसा काम कर जाते हैं जिससे लोग इन्हें देखकर चकित रह जाते हैं।

मूलांक 4 वाले लोगों पर राहु ग्रह का विशेष प्रभाव रहता है। ये लोग काफी व्यवहार कुशल होते हैं। इन्हें समाज और राजनीति हर विषय की जानकारी होती है। ये समय के पाबंद होते हैं। जो भी कार्य हाथ में लेते हैं उसे समय पर पूरा करने की पूरी कोशिश करते हैं। ये मेहनत

करने से जरा भी नहीं घबराते। जिस चीज की धुन पकड़ लेते हैं उसे पूरा करके ही दम लेते हैं। लाइफ में इन्हें कई उलझनों का सामना करना पड़ता है लेकिन ये सभी उलझनों को पार करते हुए सफलता हासिल करते हैं।

इनकी आर्थिक स्थिति की बात की जाए तो वो अमूमन अच्छी होती है। व्यवहारिक रूप से इन्हें काम करने में अच्छा लाभ प्राप्त होता है। इनकी आर्थिक स्थिति में कभी-कभार बड़े-बड़े उछाल देखने को मिलते हैं लेकिन ये तब भी इनके पास धन की कमी नहीं होती। क्योंकि ये धन के निवेश में भी माहिर माने जाते हैं। ये अपने पैसे व्यर्थ के कामों में खर्च करते हुए भी देखे गए हैं। खासकर दोस्तों पर ये खूब पैसा खर्च करते हैं।

ये हर किसी की मदद के लिए तैयार रहते हैं लेकिन इन्हें दूसरों से लाभ कम ही मिलता है। इनकी खासियत होती है कि ये किसी के साथ भी तुरंत घुल मिल जाते हैं। लेकिन इनके प्रेम संबंध स्थायी नहीं रहते। ये अच्छे व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, ठेकेदार, उद्योगपति, डिजाइनर, डाक्टर, राजनेता, पायलट, वकील, शिक्षाविद और लीडर हो सकते हैं।

बरखा सिंह का यूं नाम पड़ा 'छोटी करीना', माधुरी दीक्षित संग पूरा हुआ बचपन का सपना

एम टीवी के शो 'गर्ल्स ऑन टॉप' से चर्चा में आईं अभिनेत्री बरखा सिंह 'ये है आशिकी', 'लव बाय चांस', 'भाग्यलक्ष्मी' जैसे कई धारावाहिकों में काम करने के बाद अब ओटीटी वूट की नई वेब सीरीज 'द ग्रेट वेडिंग्स मुन्नेस' में अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींच रही हैं। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्म 'मुझसे दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के बचपन का किरदार निभा चुकीं बरखा कई विज्ञापन फिल्मों में भी नजर आई लेकिन प्रोफेशनल एक्टिंग की शुरुआत उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद ही शुरू की।

मुंबई के सेंट जेवियर कॉलेज से मास मीडिया में ग्रेजुएशन और समाजशास्त्र में एमए करने के बाद वह हीरोइन बनी हैं। उनका परिवार भले राजस्थान की पृष्ठभूमि से हो लेकिन बरखा सिंह दिल से भी मुंबईकर है और जन्म से भी। चर्चित निर्माता निर्देशक राज शांडिल्य के तरकश के अगले तीर यानी बरखा सिंह की नई वेबसेरीज 'द ग्रेट वेडिंग्स ऑफ़ मुन्नेस' की शूटिंग देश के तमाम दूसरे शहरों के अलावा उत्तर प्रदेश के शहर मथुरा में भी हुई है।

बरखा सिंह कहती है, 'शूटिंग के दौरान मैं वहां पर ऐसे बहुत लोगो से मिली जो बहुत ही आराम से बात करते है। लोगों के बोलने का ढंग सुनकर बहुत मजा आता था। उनकी हिंदी बहुत साफ होती है। इस शो में मैंने उसी बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया है। वहां के चाट और पानीपूरी में अगल ही स्वाद है जो मुंबई में नहीं मिलता है। मथुरा के पेड़े भी बहुत मशहूर हैं।' बरखा सिंह ने हाल ही में एक ओरीजनल ओटीटी फिल्म माधुरी दीक्षित के साथ 'मजा मा' की है। वह कहती हैं, 'माधुरी मैम के साथ काम करने से पहले मैं बहुत नर्वस थी। लेकिन शूटिंग के दौरान उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। इस फिल्म में उनके साथ मुझे डांस करने का मौका मिला। ये मेरा बचपन एक सपना था, जो उनके साथ काम करके पूरा हुआ। बचपन में उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं। कभी सोचा नहीं था, उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलेगा। जब मैंने 'मुझसे दोस्ती करोगे' में काम किया था तो काफी समय तक लोग मुझे छोटी करीना कहकर बुलाते थे।'

बरखा सिंह के पिता मयंक सिंह नेवी में हैं और मां अविका सिंह हॉउस वाइफ है। आम तौर पर देखा गया है कि जब भी कोई एक्टिंग प्रोफेशन को चुनता है, तो शुरू में उसके घर उसके खिलाफ होते है। बरखा सिंह कहती है, 'इस मामले में मेरे पैरेंट शुरू से ही बहुत ही सपोर्टिव रहे है। मैं जो भी काम करती हूं, वे अपने फेसबुक और व्हाट्सअप ग्रुप में शेयर करते हैं और अपने दोस्तों को देखने के लिए बोलते हैं। मेरी कामयाबी में मेरे माता पिता का बहुत बड़ा हाथ है। अगर शुरू से उनका सपोर्ट नहीं मिला होता तो शायद मैं आज यहां तक नहीं पहुंच पाती।'

छवि सुधारने के लिए करण ने सामंथा-विजय देवरकोंडा से पूछे नेपोटिज्म पर सवाल

नेपोटिज्म फैलाने..स्टार किड्स को लॉन्च करने...कॉफी विद करण में पक्षपात करने...शो के दौरान नेपो किड्स का सपोर्ट करने तक...करण जौहर पर ऐसे कई आरोप लगते आ रहे हैं। लेकिन इसकी शुरुआत आज नहीं हुई है बल्कि छह साल पहले हुई थी। जब 'कॉफी विद करण' के पांचवें सीजन में अभिनेत्री कंगना रणौत ने करण जौहर पर बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद का झंडाबरदार होने का आरोप लगाया था। लेकिन यह मुद्दा तब गरमाया जब सुशांत सिंह राजपूत की मौत के पीछे का कारण नेपोटिज्म बताया गया। यूजर्स ने सोशल मीडिया पर करण जौहर को ट्रोल करना शुरू कर दिया। लोग ट्विटर पर 'कॉफी विद करण' के वह क्लिप्स शेयर करने लगे जिसमें करण जौहर सुशांत सिंह राजपूत का नाम ले रहे थे। मामला इतना बढ़ गया कि मेकर्स ने पिछले साल 'कॉफी विद करण' के नए सीजन को टेलीकास्ट न करने का निर्णय लिया। वहीं अब करण जौहर अपने चैट शो के सातवें सीजन में नॉन-नेपो किड्स से नेपोटिज्म पर सवाल कर अपने ऊपर से यह दाग हटाने की कोशिश कर रहे हैं। पढ़िए कैसे....

सामंथा ने बताया क्या है नेपोटिज्म?

कॉफी विद करण के सातवें सीजन में, फिल्म निर्माता ने सामंथा से तेलुगू और तमिल फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म पर सवाल किया। जवाब में अभिनेत्री ने कहा, ₹नेपो किड्स हों या नॉन-नेपो किड्स, हर कोई अपनी-अपनी किस्मत लेकर आता है। जब आप कोई खेल-खेलने जाते हैं, जब आपका खेल ही आपको जीत दिलाता है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता की आपके पिता कोच हैं या कप्तान। हमारे केस में गेंद हमेशा दर्शकों के पाले में होती है।

विजय देवरकोंडा ने बताई नेपोटिज्म की सच्चाई

शो के दौरान करण जौहर ने विजय देवरकोंडा से पूछा कि क्या दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में प्रवेश करना उनके लिए मुश्किल था? इसके जवाब में उन्होंने कहा, ₹बिल्कुल, आउटसाइडर के लिए इंडस्ट्री में प्रवेश करना निश्चित रूप मुश्किल होता है। लेकिन, मैं कभी भी किसी को इस वजह से नापसंद नहीं करूंगा क्योंकि वह किसी अमीर पिता का बेटा है या उद्योग के किसी व्यक्ति के घर में पैदा हुआ है। अनन्या पांडे का जिक्र करते हुए, विजय देवरकोंडा ने कहा, अगर वह एक सुपरस्टार के परिवार में पैदा हुई हैं तो यह उनकी गलती नहीं है। कल को मेरे भी बच्चे होंगे, वह भी एक अभिनेता के बच्चे कहलाएंगे। एक बात तो साफ है दुनिया कभी भी किसी भी क्षेत्र में निष्पक्ष नहीं होती है और व्यक्ति को सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी ही पड़ती है।

अक्षय कुमार बोले- मुझे नेपोटिज्म...

करण जौहर ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार से भी नेपोटिज्म पर सवाल किया। करण ने पूछा, क्या आपने भी फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद का सामना किया है? करण जौहर के सवाल के जवाब में अक्षय कहते हैं, जब मैं इस इंडस्ट्री में आया था तब मुझे भाई-भतीजावाद का मतलब भी नहीं पता था। मैंने अपनी पत्नी (ट्विंकल खन्ना) से पूछा तो उसने मुझे समझाया। जब मैंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा था तब मुझे नेपोटिज्म के बारे में कुछ भी नहीं पता था। मैं सिर्फ पैसे कमाने आया था। अभिनेता ने आगे कहा, फिल्मों में आने से पहले मैं मार्शल आर्ट्स सिखाया करता था। इसके लिए मुझे प्रति माह 5000 रुपये मिलते थे। मैंने कभी भी फिल्मों में आने का नहीं सोचा था। लेकिन जब मुझे एक विज्ञापन के लिए 21,000 रुपये मिले तब मैंने पैसों के लिए अभिनय की दुनिया में आने का तय किया।"

हरनाज संधू से नाराज कपिल शर्मा की 'बुआ', कोर्ट में किया केस, बोलीं- उन्हें लगता है पंजाबी...

अपनी ब्यूटी और शॉकिंग ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाली मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज संधू विवाद में फंस गई हैं। द कपिल शर्मा शो की बुआ जी यानी एक्ट्रेस उपासना सिंह ने हरनाज संधू के खिलाफ कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। आप सोच रहे होंगे ब्यूटी क्वीन हरनाज संधू ने आखिर ऐसा क्या कर दिया जो उपासना सिंह कोर्ट तक चली गईं, तो आइए जानते हैं।

जैसा कि सभी को मालूम है हरनाज फिल्म 'बाई जी कुट्टंगे' से पंजाबी इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। इसी फिल्म को लेकर विवाद हो रहा है। एक्टर और प्रोड्यूसर उपासना सिंह ने कोर्ट का रुख किया है। उनका आरोप है कि हरनाज संधू ने फिल्म के प्रमोशन को लेकर जो कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, उसका सम्मान नहीं किया है। जब हरनाज मिस यूनिवर्स नहीं बनी थीं तब उन्होंने हरनाज को अपनी फिल्म में मौका दिया था। लेकिन अब हरनाज अपने कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन कर रही हैं। उपासना ने चंडीगढ़ डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में सिविल सूट दर्ज कराया है।

उपासना सिंह के गंभीर आरोप

उपासना का दावा है हरनाज ने फिल्म 'बाई जी कुट्टांगे' के प्रमोशन के लिए डेट्स देने से मना कर दिया है। जबकि उन्होंने मूवी प्रमोट करने का एग्रीमेंट साइन किया था। उपासना ने कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन के लिए हरनाज से हर्जाना मांगा है। पीटीआई के अनुसार, उपासना ने कोर्ट के बाहर रिपोर्टर्स को कहा- मैंने हरनाज को अपनी फिल्म में एक्टिंग का मौका दिया। यही नहीं, मैंने यारा दिया पो बरन भी बनाई। जिसमें भी हरनाज हीरोइन हैं। मैंने हरनाज को तब मौका दिया जब वे मिस यूनिवर्स नहीं बनी थीं। इस फिल्म पर मैंने काफी अमाउंट खर्च किया है। ये स्मॉल बजट मूवी नहीं है।

सुष्मिता को पसंद आई ललित मोदी की 'आई लव यू' पोस्ट, यूजर्स बोले- भाई डूब गए प्यार में...

बिजनेसमैन ललित मोदी ने कुछ हफ्ते पहले ही बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन के साथ अपने रिश्ते की घोषणा की थी। आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर अभिनेत्री संग तस्वीरें शेयर कर दुनिया के सामने उन्हें अपना बेटरहाफ बताया था। लेकिन सुष्मिता सेन ने ललित मोदी के साथ कोई भी पोस्ट शेयर नहीं की थी। जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर यूजर्स ललित मोदी को ट्रोल कर, उनसे कई तरह के सवाल पूछ रहे थे। वहीं अब आखिरकार सुष्मिता सेन ने ललित मोदी के 'आई लव यू' पोस्ट पर रिएक्ट किया है।

दरअसल, शुक्रवार को ललित मोदी ने अपने इंस्टग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में बड़े-बड़े अक्षरों में 'और मैंने कहा मैं तुमसे प्यार करता हूं (एंड आई सेड, आई लव यू)' लिखा हुआ है। पोस्ट सामने आते ही नेटिजन्स ललित मोदी से तरह-तरह के सवाल करने लगे। लेकिन इस पोस्ट सोशल मीडिया पर तब तहलका मचाया जब सुष्मिता सेन ने ललित मोदी के पोस्ट को लाइक किया।

रणवीर के सपोर्ट में 'खतरों के खिलाड़ी 12' फेम एरिका ने कराया बोल्ड फोटोशूट

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह बोल्ड फोटोशूट कराने के बाद से ही सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता के फोटोशूट को लेकर उन्हें विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है और अश्लीलता फैलाने के आरोप में उन पर एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है। वहीं, मनोरंजन जगत से जुड़े कई सितारे खुलकर रणवीर का समर्थन करते नजर आए हैं। कुछ ने तो उनके समर्थन में खुद भी बोल्ड फोटोशूट कराया है। वहीं, अब 'खबरों के खिलाड़ी 12' फेम एरिका पैकर्ड भी रणवीर सिंह के सपोर्ट में उतर आई हैं और उन्होंने अपनी टॉपलेस तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है।

एरिका पैकर्ड हाल ही में रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी 12' में आई थीं। वह पहले ही हफ्ते शो से बाहर हो गई थीं। वहीं, अब एरिका ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक सेमी न्यूड तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन लिखा, 'यहां मैं रणवीर को कंपनी दे रही हूं, लेकिन मेरे बम नहीं दिख रहे हैं।' एरिका इस फोटो को पोस्ट करने के बाद से ही सुर्खियों में आ गई हैं।

एरिका की पोस्ट पर लोग तरह-तरह के कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोगों को उनकी यह तस्वीर पसंद आ रही हैं, तो कुछ उन्हें रणवीर के पास जाने की सलाह दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'एरिका तुम्हारे दिवंगत पिता गैविन पैकर्ड का फैंस और इंडस्ट्री आज भी सम्मान करते हैं, ऐसे फोटो मत पोस्ट करो।' वहीं, एरिका पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग भी की जा रही है। इसके अलावा कुछ लोग एरिका के लुक की तारीफ कर रहे हैं।

रणवीर सिंह के बोल्ड फोटोशूट कराने पर सोशल मीडिया दो गुटों में बंट गया है। कुछ लोगों को उनका यह फोटोशूट करना सही लगा, तो कुछ को यह एकदम रास नहीं आया। रणवीर को उनके फोटोशूट के लिए काफी ट्रोल भी किया जा रहा है। वहीं, रणवीर के सपोर्ट में उनकी पत्नी दीपिका सहित कई सितारे खुलकर अपनी बात रख चुके हैं।

उत्पीड़न का आरोप लगाया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो तनुश्री आखिरी बार फिल्म अपार्टमेंट में दिखाई दी थी।

आलिया भट्ट ने केवल गोल्डन स्कार्फ पहनकर करवाया फोटोशूट, फोटो देखकर रणबीर कपूर हो जाएंगे हैरान

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म के साथ ही अपने होने वाले बेबी को लेकर भी खासी चर्चा में है। अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान भी आलिया लगातार काम कर रही हैं, वो ना सिर्फ फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं। बल्कि अपनी अपकमिंग मूवीज़ का प्रमोशन भी कर रही हैं। वहीं आलिया की फिल्म डार्लिंग आज ओटीटी पर आएगी, ऐसे में इस वक्त आलिया का एक फोटोशूट जमकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जो फैंस को खुब पसंद आ रहा है। आपको बता दें कि ये आलिया का यह लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। आलिया भट्ट ने डब्बू रतनानी के लिए फोटोशूट कराया था, जिसमें वह बेहद ग्लैमरस दिख रही हैं। इस फोटो में उन्होंने गले में बस स्टोल डाला है और उनका यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आलिया का यह लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इस फोटो पर उनकी ननद रिद्धिमा कपूर साहनी का भी रिएक्शन आया है। कमेंट सेक्शन में उनकी ननद ने फायर इमोजी शेयर की है। डब्बू रतनानी ने इस फोटो को अपने इंस्टा हैंडल पर शेयर किया है। फोटो में आप देख सकते हैं कि आलिया भट्ट टॉपलेस हैं, हालांकि उन्होंने अपनी बॉडी को गोल्डन स्कार्फ से कवर कर रखा है। फोटो शेयर करते हुए डब्बू रतनानी ने अपने कैप्शन में लिखा, 'गोल्डन आलिया भट्ट'। जाहिर सी बात है कि ये फोटोशूट बेहद पुराना है। बता दें कि आलिया इन दिनों प्रेग्नेंट हैं और अपने पहले बच्चे के स्वागत के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की शूटिंग कंप्लीट की है। जल्द ही वे अब 'ब्रह्मास्त्र' में रणबीर कपूर के साथ दिखाई देंगी। आलिया भट्ट का एक वीडियो इस समय तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे काम को लेकर अपनी प्लानिंग बता रही हैं।

अगले साल तक दिवालिया हो जाएंगे बॉलीवुड के कई कलाकार, तनुश्री दत्ता के नए पोस्ट ने मचाई सनसनी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री तनुश्री दत्ता अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस बीते लंबे समय से लाइमलाइट से दूर हैं। हालांकि, वह लगातार सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं। साल 2018 में एक्ट्रेस ने हैशटैग मीटू की शुरुआत की थी। इस दौरान उन्होंने कई चौंकाने वाले खुलासे भी किए थे। अभिनेत्री ने इंडस्ट्री के मशहूर एक्टर नाना पाटेकर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसके बाद से ही एक्ट्रेस लगातार बॉलीवुड के खिलाफ बोलती नजर आ रही हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने हाल ही में किए अपने पोस्ट से एक बार फिर बॉलीवुड पर निशाना साधा है।

अभिनेत्री ने कुछ देर पहले ही अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को लेकर हैरान करने वाली भविष्यवाणी की है। अपने इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने कहा कि बॉलीवुड के लिए मेरी भविष्यवाणी है कि 31 दिसंबर 2022 तक फाइनेंसर्स बॉलीवुड फिल्मों और प्रोजेक्ट की फंडिंग करना बंद कर देंगे। साथ ही कई बड़े प्रोडक्शन हाउस और कलाकार अप्रैल 2023 तक दिवालिया हो जाएंगे। दिलाविया हुए लोगों की इस लिस्ट में कई चौंकाने वाले नाम शामिल होंगे।

एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि ओटीटी पर आने वाली फिल्मों को भी काफी कम दर्शक मिलेंगे। लोग अब दुनिया भर कंटेंट ज्यादा देखेंगे, जो हिंदी या दूसरी क्षेत्रीय भाषा में डब किए गए हैं। साउथ की फिल्में भी कुछ लोग देखेंग, लेकिन इसके लिए उन्हें थोड़ा संघर्ष करना होगा। साउथ के सितारे बैकलैश के डर से बॉलीवुड छोड़ देंगे। लोग बॉलीवुड ओर इसके कलाकारों के खिलाफ हो जाएंगे। मैंने ये सब जो भी कहा और लिखा है उसे याद रखना, जब ऐसा समय आएगा।

बता दें कि एक्ट्रेस लगातार सोशल मीडिया के जरिए बॉलीवुड और इसके कलाकारों पर हमला बोल रही हैं। बीते दिनों भी एक्ट्रेस ने अपने एक पोस्ट से हलचल मचा दी थी। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि, 'अगर मुझे कभी कुछ होता है तो इसके लिए मीटू आरोपी नाना पाटेकर, उनके वकील, सहयोगी और उनके बॉलीवुड माफिया दोस्त जिम्मेदार हैं। इसके साथ ही तनुश्री ने अपने इस पोस्ट में सुशांत सिंह राजपूत का भी जिक्र किया था।

गौरतलब है कि अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने साल 2018 में भारत में मीटू की शुरुआत की थी। इस दौरान उन्होंने नाना पाटेकर पर यौन

रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हुईं स्मृति मंधाना

भारत की स्टार महिला क्रिकेट खिलाडी स्मृति मंधाना इन दिनों शानदार फॉर्म चल रही हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार 63 रन बनाने वाले स्मृति ने टी20 क्रिकेट में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है। वह टी20 में दो हजार से ज्यादा रन बनाने वाली देश की दूसरी ओपनर बल्लेबाज बन गई हैं। इस मामले में उनसे आगे पुरुष टीम के कप्तान रोहित शर्मा हैं। रोहित ने भी बतौर ओपनर दो हजार से से ज्यादा टी20 रन बनाए हैं। मंधाना ने राष्ट्रमंडल खेलों में टीम के तीसरे मुकाबले के दौरान यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बारबाडोस के खिलाफ दूसरा रन बनाते ही बतौर ओपनर दो हजार रन पूरे कर लिए। हालांकि, उनका बल्ला इस मैच में नहीं चला। वह सात गेंद पर पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। उन्हें शानिका ब्रूस एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया।

बतौर ओपनर मंधाना और रोहित के रिकॉर्ड

बतौर ओपनर मंधाना के 79 पारियों में 2004 रन हो गए हैं। इस दौरान उनका औसत 27.45 है। उनके बल्ले से 14 अर्धशतक निकले हैं। मंधाना का उच्चतम स्कोर 86 रन है। रोहित शर्मा की बात करें तो बतौर ओपनर उन्होंने 96 पारियों में 33.03 की औसत से 2,973 रन बनाए हैं। इस दौरान चार शतक और 22 अर्धशतक उनके बल्ले से निकले हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 118 रन रहा है।

रोहित और मंधाना का टी20 करियर

ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो रोहित शर्मा ने टी20 में 131 मैच की 123 पारियों में 3454 रन बनाए हैं। चार शतक और 27 अर्धशतक उनके नाम हैं। वह पुरुषों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं, मंधाना ने 90 मैच की 88 पारियों में 2125 रन बनाए हैं। उन्होंने 15 अर्धशतक लगाए हैं।

हार्दिक पांड्या को बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी में बीसीसीआई

आज फ्लोरिडा में पहला टी-20 मैच

भारतीय क्रिकेट टीम इन दिनों वेस्टइंडीज और अमेरिका के दौरे पर है। टीम इंडिया वेस्टइंडीज में तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने के बाद दो टी20 मैचों के लिए अमेरिका के फ्लोरिडा में पहुंच चुकी है। वहां छह और सात अगस्त को दोनों टीमों के बीच मुकाबले खेले जाएंगे। इसी बीच एक खबर आ रही है कि बीसीसीआई हार्दिक पांड्या को लेकर बड़ा फैसला ले सकता है। हार्दिक को टी20 में टीम का नियमित उपकप्तान बनाया जा सकता है।

हार्दिक ने आईपीएल के 15वें सीजन से शानदार वापसी की है। उन्होंने अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाया था। उसके बाद आयरलैंड दौरे पर दो टी20 मैचों के दौरान उन्हें टीम इंडिया की कप्तानी मिली तो उन्होंने प्रभावित किया था। भारतीय टीम दोनों मैचों को जीतने में कामयाब हुई थी। हार्दिक उस दौरे पर मैचों के दौरान मुश्किल समय में शांत दिखे। उनके सही फैसलों ने टीम को जीत दिलाई। इससे बीसीसीआई काफी खुश है।

जल्द हो सकता है हार्दिक के नाम का एलान

विराट कोहली के हटने के बाद रोहित शर्मा को तीनों फॉर्मेट में टीम का कप्तान बनाया गया। उपकप्तानी की जिम्मेदारी केएल राहुल को सौंपी गई। राहुल पिछले कुछ समय से चोटिल होने के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। बोर्ड उन्हें टेस्ट में ही उपकप्तान बनाए रखना चाहता है। वनडे में फिलहाल शिखर धवन के पास यह जिम्मेदारी है। बीसीसीआई एशिया कप के लिए टीम की घोषणा करते समय हार्दिक को उपकप्तान बनाए जाने का एलान कर सकता है।

हार्दिक की शानदार फिटनेस से खुश

एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई हार्दिक की शानदार फिटनेस से खुश है। उन्हें उपकप्तान बनाने के लिए चयनकर्ता भी तैयार है। अंतिम फैसला टीम प्रबंधन का होगा। अगर टीम प्रबंधन चाहेगी तो चयनकर्ता इस पर मुहर लगा देंगे। हार्दिक के ऑलराउंड खेल ने बोर्ड को प्रभावित किया है।

वापसी के बाद से हार्दिक प्रदर्शन

हार्दिक पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद टीम से बाहर हो गए थे। उन्होंने फिटनेस पर जमकर काम किया। गुजरात टाइटंस ने उन्हें कप्तान बनाकर सबको चौंका दिया। गुजरात को सभी कमजोर टीम मान रहे थे, लेकिन हार्दिक ने खिलाड़ियों को एकजुट किया और टीम को चैंपियन बना दिया। उन्होंने आईपीएल के 15वें सीजन में 15 मैचों में 487 रन बनाए और आठ विकेट लिए।

तीन वनडे में उन्होंने 50 की औसत से 100 रन बनाए। इस दौरान 71 रन उनका उच्चतम स्कोर रहा है। उन्होंने छह विकेट भी लिए। वहीं, टी20 में हार्दिक ने 12 मैचों में 253 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 31.6 का रहा। हार्दिक ने आठ विकेट लिए। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 के बाद कहा कि वह अपने प्रदर्शन से खुश हैं। पूरी तरह फिट हैं और गेंदबाजी के साथ अच्छी बल्लेबाजी भी कर रहे हैं।

कपड़े सिलने की जगह लवप्रीत ने चुनी वेटलिफ्टिंग, आर्थिक तंगी के बावजूद पिता ने हमेशा मदद की

अमृतसर के एक दर्जी के 24 साल के बेटे लवप्रीत का बचपन से खेल-कूद का बड़ा शौक था। पिता चाहते थे कि कपड़े सिलने की जगह वह खेलों में आगे निकले। लवप्रीत ने 13 साल की उम्र डीएवी मैदान में अभ्यास शुरू कर दिया था। लवप्रीत बताते हैं कि हर एथलीट की तरह उन्हें कड़ी मेहनत और संघर्ष से गुजरना पड़ा।

उन्होंने कहा- आर्थिक दिक्कतें आईं लेकिन माता-पिता ने सुनिश्चित किया कि मेरी ट्रेनिंग और खुराक को लेकर कोई बाधा न हो। हैवीवेट लिफ्टर को 2015 में नेवी में नौकरी मिल गई थी। उसके बाद वह पटियाला में राष्ट्रीय शिविर में शामिल हो गए। दो साल बाद ही उन्होंने राष्ट्रमंडल जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण और एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

कांस्य जीतने के बाद लवप्रीत ने कहा- मैं बहुत खुश हूं, यह मेरी पहली बड़ी प्रतियोगिता है। मैंने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पदक जीता है। कुछ दबाव था लेकिन पहली लिफ्ट अच्छी होने से दूर हो गया था। साथी वेटलिफ्टर विकास ठाकुर की तरह लवप्रीत ने भी जीत के बाद ताल ठोककर (थाई फाइव) खास अंदाज में जश्न मनाकर दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसावाला को श्रद्धांजलि अर्पित की। उस समय मैच हॉल में सिद्धू मूसावाला का गीत भी गूंज रहा था।

पदक परिवार और देशवासियों को समर्पित

लवप्रीत बताते हैं कि अब राष्ट्रीय खेल होने हैं और फिर अगले साल एशियाई खेल भी हैं लेकिन वहां 102 का भारवर्ग हैं। वह अपने भारवर्ग को लेकर निर्णय लेंगे। उन्होंने अपना मेडल प्रशिक्षकों, परिवार और देशवासियों को समर्पित किया है।

लवप्रीत ने क्लीन एंड जर्क में 192 किलो उठाकर बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भारत के लवप्रीत सिंह ने 109 किलो भारवर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारोत्तोलन में पदक जीतने का सिलसिला जारी रखा। राष्ट्रमंडल खेलों में छठे दिन बुधवार को 355 किलो भार उठाकर पदक तय करने के साथ अपना निजी श्रेष्ठ प्रदर्शन भी कर दिखाया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 192 किलो वजन उठाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बना दिया।

स्नैच में पहले लवप्रीत ने पहले दो प्रयासों में क्रमशः 157 और 161 किलो वजन उठाया और फिर उसे 163 के साथ और बेहतर किया। राष्ट्रमंडल जूनियर चैंपियन रहे लवप्रीत स्नैच के बाद कनाडा के पिएरे एलेकजेंडर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे थे। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने तीसरे प्रयास में 192 के साथ अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर डाला।

मैच से आठ दिन पहले रुकी थी लवलीना की ट्रेनिंग, सोशल मीडिया पर बयां किया था दर्द, अब पदक से भी चूकीं

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में छठे दिन भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने कुल पांच पदक जीते, लेकिन चौकाने वाली बात यह रही कि लवलीना बोरगोहेन सेमीफाइनल में भी जगह नहीं बना पाईं। वो क्वार्टर फाइनल मैच में हारकर बाहर हो गईं और कोई पदक नहीं जीत सकीं। टोक्यो ओलंपिक में देश के लिए पदक जीतने वाली लवलीना से कॉमनवेल्थ में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। उनका पदक जीतना तय माना जा रहा था। देश को उनसे स्वर्ण पदक की भी उम्मीद थी, लेकिन क्वार्टर फाइनल मैच में लवलीना की हार ने सभी को चौका दिया है। लवलीना के लिए यह कॉमनवेल्थ गेम्स विवादों से भरा रहा है। पहले उनके कोच को खेल गांव के अंदर जाने की अनुमति नहीं मिल रही थी। इस मामले पर लवलीना ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयां किया और बॉक्सिंग टीम के डॉक्टर की जगह लवलीना की कोच को खेल गांव के अंदर जाने की अनुमित मिली। इसके बाद वो कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह से पहले ही बाहर निकल गईं, लेकिन टैक्सी के लिए इंतजार करती रहीं। इन्हीं सब वजहों के चलते लवलीना के प्रदर्शन में गिरावट आई है।

कैसा रहा लवलीना का प्रदर्शन

लवलीना ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में कुल दो मैच खेले। महिलाओं के 66-70 किलोग्राम भारवर्ग में लवलीना का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड की एरिएन निकोलसन के साथ था। इस मैच में लवलीना ने शानदार खेल दिखाया और 5-0 के अंतर से यह मुकाबला अपने नाम किया। सभी जज लवलीना के खेल से प्रभावित थे और उन्हें जीत मिली। हालांकि, दूसरे मुकाबले में ऐसा नहीं हुआ।

क्वार्टर फाइनल मैच में लवलीना का सामना वेल्स की रोजी एक्कलेस के साथ था और लवलीना यह मैच 2-3 के अंतर हार गईं। इस मुकाबले में दोनों मुक्केबाजों के बीच कांटे की टक्कर थी, लेकिन

अंत में वेल्स की मुक्केबाज को जीत मिली। लवलीना ने इस मैच में एक पेनाल्टी का अंक भी गंवाया और मुकाबला हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

कॉमनवेल्थ गेम्स से आठ दिन पहले रुक गई थी ट्रेनिंग

कॉमनवेल्थ गेम्स शुरू होने से आठ दिन पहले लवलीना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया था कि मैनेजमेंट की लापरवाही के चलते उन्हें मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनके मैच से आठ दिन पहले उनकी ट्रेनिंग रुक गई है। लवलीना ने कहा था- आज मैं बड़े दुख के साथ कहती हूं कि मेरे साथ बहुत प्रताड़ना हो रही है। हर बार मेरे कोच, जिन्होंने मुझे ओलंपिक में पदक लाने में मदद की, उन्हें बार-बार हटा कर मेरी ट्रेनिंग और मेरे कॉम्पिटिशन में दखल डालते हैं और मुझे प्रताड़ित करते हैं। इनमें से मेरी एक कोच संध्या गुरुंग द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित भी हैं। मेरे दोनों कोच को कैंप में भी ट्रेनिंग के लिए हजार बार हाथ जोड़ने के बाद बहुत लेट से शामिल किया जाता है।

विवादों की वजह से गया पदक

कॉमनवेल्थ खेलों से ठीक पहले लगातार विवादों में रहने के चलते लवलीना पूरी तरह से अपने खेल पर ध्यान नहीं दे पाईं और पदक से चूक गईं। लवलीना के अलावा एतलीट तेजस्विन भी खेल से पहले विवादों में रहे थे और मुकाबले से ठीक तीन दिन पहले वो बर्मिंघम पहुंचे थे। हालांकि, वो पदक जीतने में सफल रहे, लेकिन लवलीना पदक से चूक गईं।

रोज पांच किलो दूध पीने वाले सुधीर लाठ ने राष्ट्रमंडल में गाड़ दिया लठ, यूं चढ़ी सफलता की सीढ़ियां

राष्ट्रमंडल खेलों में पैरा पावरलिफ्टर सुधीर लाठ ने देशवासियों को खुशी का पल दिया है। लगातार सात बार के नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट सुधीर ने राष्ट्रमंडल खेलों में देश के लिए पैरा पावर लिफ्टिंग में सोना जीता है। उनकी उपलब्धि पर परिजनों व ग्रामीणों के साथ सभी खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। सुधीर के परिवार ने बेटे के भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने पर खुशी व्यक्त की। उनकी मां ने कहा कि वे अपने बेटे का भव्य स्वागत करेंगी। सुधीर के पदक जीतने पर उन्हें खुशी है। उसने देश को गौरवान्वित किया है। मैं आशा और प्रार्थना करती हूं कि भगवान हमेशा उसके साथ रहें।

पांच साल की उम्र में हो गए थे दिव्यांग

सोनीपत के गांव लाठ में किसान परिवार में जन्मे सुधीर लाठ बचपन से ही प्रतिभावान रहे हैं। महज पांच वर्ष की आयु में पैर में परेशानी के चलते वह दिव्यांग हो गए। उसके बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वर्ष 2013 में शरीर को फिट रखने के लिए उन्होंने पावर लिफ्टिंग शुरू की थी। उसके बाद बेहतर अभ्यास के चलते इसे जीवन का हिस्सा बना लिया। पैरा खिलाड़ी वीरेंद्र धनखड़ से प्रेरित होकर पैरा पावर लिफ्टिंग शुरू की थी।

महज दो वर्ष की मेहनत से ही वह नेशनल तक पहुंचे और नेशनल में सोना जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। वहां से शुरू हुआ नेशनल में सोना जीतने का उनका सफर लगातार सात साल से जारी है। इसके साथ ही वह वर्ष 2021 और 2022 में स्ट्रांग मैन ऑफ इंडिया का खिताब जीतकर देशवासियों को रोमांचित कर चुके हैं। इंग्लैंड के बर्मिंघम में आयोजित हो रहे राष्ट्रमंडल खेलों में सुधीर ने हैवीवेट वर्ग में देश के लिए सोना जीता है।

पांच किलो दूध, चने व बादाम खाकर बनाया शरीर

सुधीर लाठ चार भाइयों में एक हैं। उनके पिता सीआईएसएफ जवान राजबीर सिंह का चार पहले निधन हो गया था। अब चार भाइयों के साथ परिवार में मां व चाचा है। सुधीर ने सदैव देसी खानपान को तरजीह दी है। वह रोजाना पांच किलो दूध के साथ ही चने व बादाम खाते हैं। जिससे उनका शरीर पूरी तरह नेचुरल है।

सुधीर लाठ की उपलब्धियां

-लगातार सात साल से राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता।
-दो बार स्ट्रांग मैन ऑफ इंडिया का खिताब जीता।
-वर्ष 2019 में पैरा एशियन गेम्स में कांस्य पदक।
-वर्ष 2021 में दक्षिण कोरिया में एशिया-ओसियाना ओपन पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

तूलिका ने दो साल की उम्र में पिता को खोया, क्लब में दिन रात मेहनत की, अब जीता रजत पदक

तूलिका मान ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में रजत पदक अपने नाम किया है। यह जूडो में भारत का तीसरा पदक है। 23 साल की तूलिका को फाइनल में स्कॉटलैंड की सारा एडलिंग्टन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस तरह तूलिका स्वर्ण से चूक गईं और रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स में यह उनका पहला पदक है। हालांकि, तूलिका के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है।

तुलिका ने महज दो साल की उम्र में अपने पिता को खो दिया था। उनकी मां दिल्ली पुलिस में कॉन्सटेबल हैं और वो अपने काम में व्यस्त रहती थीं। ऐसे में उन्होंने पास के ही एक क्लब में तूलिका को भर्ती करा दिया। यहां तूलिका ने जमकर मेहनत की और जूडो में महारत हासिल कर ली। हालांकि, 2017 तक तूलिका जूडो को शौकिया तौर पर खेलती थीं, लेकिन 2017 में उन्हें अच्छे कोच मिले और उन्होंने इसी खेल में अपना करियर बनाने का मन बना लिया।

10वीं की परीक्षा पास करने के बाद तूलिका ने अपनी मां को कह दिया था कि वो पढ़ाई नहीं करना चाहती हैं और जूडो में ही अपना करियर बनाना चाहती हैं। हालांकि, तूलिका आगे पढ़ती रहीं और अपनी यूनिवर्सिटी की तरफ से भी जूडो में कमाल किया। अब उन्होंने देश के लिए पदक जीता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में कैसा रहा सफर

पहले मैच में मॉरिशस की खिलाड़ी को हराया
दूसरे मैच में न्यूजीलैंड की सिडनी को मात दी
तीसरे मैच में स्कॉटलैंड के खिलाड़ी ने हराया

महिलाओं के 78 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में तूलिका का सामना स्कॉटलैंड की सारा एडलिंग्टन के साथ था। इस मैच में उन्होंने शुरुआत में वजा-आरी से बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन आखिर मिनट में सारा ने इपपोन लगाकर मैच जीत लिया।

जूनियर लेवल पर कई पदक जीत चुकी हैं तूलिका

23 साल की तूलिका ने एशियन ओपन में कांस्य पदक अपने नाम किया था। इससे पहले 2018 में उन्होंने जयपुर में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप जीती थी। 2019 में कॉमनवेल्थ चैंपियन बनी थीं। जीवन कुमार शर्मा की देखरेख में आगे बढ़ने वाली तूलिका विश्व कप में एक कांस्य जीत चुकी हैं। जूनियर स्तर पर उन्होंने दो कांस्य अपने नाम किए हैं। जूनियर लेवल पर ही उन्होंने यूरोपियन कप में एक स्वर्ण पदक और नेशनल चैंपियनशिप में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने सीनियर स्तर पर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक भी जीते हैं।

किसान के बेटे गुरदीप ने हैवीवेट वेटलिफ्टिंग में देश को पहला पदक दिलाया

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में वेटलिफ्टिंग में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। इस बार भारत ने कॉमनवेल्थ के इतिहास में इस खेल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। भारत ने इस खेल में तीन स्वर्ण सहित कुल 10 पदक जीते हैं। वेटलिफ्टिंग में सबसे ज्यादा पदक भारत ने ही जीते हैं। वेटलिफ्टिंग में भारत को आखिरी पदक गुरदीप सिंह ने जिताया है। गुरदीप ने वेटेलिफ्टिंग के 109 किलोग्राम भारवर्ग में कुल 390 किलोग्राम भार उठाकर कांस्य पदक जीता है। हैवीवेट वेटलिफ्टिंग में यह भारत का पहला मेडल है।

किसान के बेटे गुरदीप पहले भी हैवीवेट वेटलिफ्टिंग में कमाल कर चुके हैं। इस खेल में सबसे ज्यादा वजन उठाने का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी उनके नाम है। उन्होंने सीनियर नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2018 में 105 किग्रा से ज्यादा के भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

वेटलिफ्टिंग में कैसा रहा है गुरदीप का सफर

अक्टूबर 1995 को पंजाब में जन्में गुरदीप को राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने ट्रेनिंग दी है। वो तीन अलग-अलग स्तरों पर तीन रिकॉर्ड तोड़ने का कीर्तिमान बना चुके हैं। वेटलिफ्टिंग में उनके सफर की शुरुआत साल 2016 में हुई थी, जब उन्होंने 12वें दक्षिण एशियाई खेल में रजत पदक अपने नाम किया था। इसके बाद 2017 में अमेरिका के अनाहिम में उन्होंने आईडब्लूएफ वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में +105 किग्रा भार वर्ग में तीन नए सीनियर राष्ट्रीय रिकाड्र्स स्थापित किए। इस प्रतियोगिता में वो 13वें स्थान पर रहे थे, लेकिन (172+216) कुल 388 किलोग्राम भार उठाया था और स्नैच, क्लीन एंड जर्क और टोटल लिफ्ट में उन्होंने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए थे।

गुरदीप सिंह ने पुरुषों की सीनियर नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2018 के अंतिम दिन +105 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। इसी साल उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में आयोजित हुए 2018 कॉमनवेल्थ खेलों में 105 किलोग्राम से ज्यादा भारवर्ग में (175+207) कुल 382 किलोग्राम भार उठाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, लेकिन पदक जीतने से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे। गुरदीप ने चार साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने का अपना सपना पूरा किया और बर्मिंघम में 390 किलोग्राम भार उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

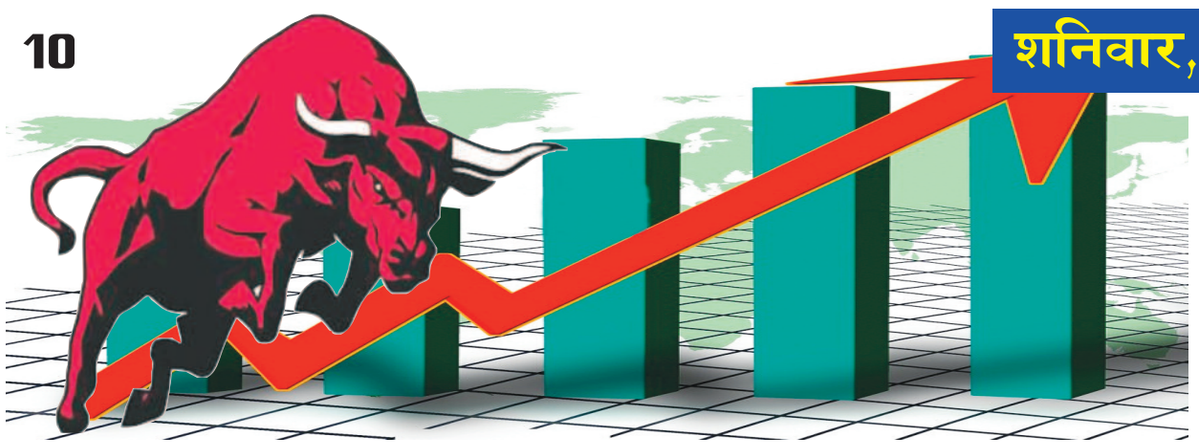

2024 तक 26 नए हाईवे बनाएगा सड़क मंत्रालय

गडकरी ने संसद में कहा- हमारे पास भरपूर फंड्स; हर साल 5 लाख करोड़ रुपए की सड़क बना सकता हूं

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में बताया है कि 2024 खत्म होने से पहले वे देश में 26 नए हाईवे बनाने वाले हैं। उन्होंने 10 प्रस्तावित रोड प्रोजेक्ट्स का जिक्र किया और बताया कि यह सफर कितने घंटे में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं वचन देता हूं कि 2024 के अंत तक भारत का रोड इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका के जैसा हो जाएगा।'

NHAI की आर्थिक स्थिति मजबूत है। मैं सदन में ऑन-रिकॉर्ड कह रहा हूं कि मैं हर साल 5 लाख करोड़ रुपए की सड़क बना सकता हूं।
नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री

गडकरी ने कहा- हमारे पास फंड की कमी नहीं

नितिन गडकरी ने कहा, 'इस समय नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत है। मैं सदन में ऑन-रिकॉर्ड यह बात कह रहा हूं कि मैं हर साल 5 लाख करोड़ रुपए की सड़क बना सकता हूं। हमारे पास पैसे की कमी नहीं है। संसद में किसी भी पार्टी के सांसद से पूछिए, जिसने भी मुझसे सड़क बनवाने के लिए पैसा मांगा है, मैंने उसे पैसा सैंक्शन किया है। मैंने किसी पार्टी के सांसद को मना नहीं किया।'उन्होंने कहा, 'एनएचएआई को एएए रेटिंग मिली हुई है। हाल ही में दो बैंकों के चेयरमैन मेरे पास आए और उन दोनों ने मुझे 25-25 हजार करोड़ रुपए लोन देने का प्रस्ताव रखा। मुझे सिर्फ 6.45% की ब्याज दर पर यह पैसा मिला है। इसलिए एनएचएआई के पास सड़कें बनवाने के लिए भरपूर पैसा है।' मेरठ से दिल्ली आने में पहले 4.30 घंटे लगते थे, अब सिर्फ 40 मिनट लगते हैं।

बदलेंगी वाहनों की नंबर-प्लेट

गडकरी ने कहा कि फिलहाल टोल कलेक्ट करने के लिए हमारे पास एक सिस्टम मौजूद है, लेकिन हम दो विकल्पों पर काम कर रहे हैं। पहला है सैटलाइट आधारित टोल-सिस्टम जिसमें कार में जीपीएस लगा होगा और उसमें से खुद ही टोल कट जाएगा। दूसरा सिस्टम है- नंबर प्लेट में बदलाव करना। 2019 से ही हमने नए तरीके की नंबर प्लेट बनाने की तकनीक पर काम करना शुरू कर दिया है। अब मैन्युफैक्चरर के लिए यह नंबर-प्लेट लगाना अनिवार्य होगा।

पुरानी नंबर-प्लेट्स को नई नंबर प्लेट्स से बदला जाएगा। नई नंबर-प्लेट से एक सॉफ्टवेयर जुड़ा होगा, जिससे टोल कट जाया करेगा।'

अपना पूरा फंड खर्च करता है सड़क व परिवहन मंत्रालय

सड़क व परिवहन मंत्रालय को 2018-19 में 71 हजार करोड़ रुपए का फंड मिला था। इसमें से सड़क बनाने के लिए 40,881 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया को 29,663 करोड़ रुपए दिए गए। रोड ट्रांसपोर्ट और सेफ्टी को 315 करोड़ रुपए दिए गए व अन्य मदों में 141 करोड़ रुपए खर्च किए। मंत्रालय ने कुल 71 हजार करोड़ रुपए खर्च किए।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरें 0.50% बढ़ाईं:लोन महंगे होंगे

20 साल वाले 30 लाख के होम लोन की ईएमआई करीब 900 रु. ज्यादा होगी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बढ़ती महंगाई से चिंतित भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में 0.50% इजाफा किया है। इससे रेपो रेट 4.90% से बढ़कर 5.40% हो गई है। यानी होम लोन से लेकर ऑटो और पर्सनल लोन सब कुछ महंगा होने वाला है और आपको ज्यादा ईएमआई चुकानी होगी। इस बढ़ोतरी के बाद ब्याज दरें अगस्त 2019 के लेवल पर पहुंच गई है। ब्याज दरों पर फैसले के लिए 3 अगस्त से मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग चल रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में ब्याज दरें बढ़ाने की जानकारी दी। मान लीजिए रोहित नाम के एक व्यक्ति ने 7.55% के रेट पर 20 साल के लिए 30 लाख रुपए का हाउस लोन लिया है। उसकी लोन की ईएमआई 24,260 रुपए है। 20 साल में उसे इस दर से 28,22,304 रुपए का ब्याज देना होगा। यानी, उसे 30 लाख के बदले कुल 58,22,304 रुपए चुकाने होंगे। रोहित के लोन लेने के एक महीने बाद भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट में 0.50% का इजाफा कर देता है। इस कारण बैंक भी 0.50% ब्याज दर बढ़ा देते हैं। अब जब रोहित का एक दोस्त उसी बैंक में लोन लेने के लिए पहुंचता है तो बैंक उसे 7.55% की जगह 8.05% रेट ऑफ इंटरेस्ट बताता है। रोहित का दोस्त भी 30 लाख रुपए का ही लोन 20 साल के लिए लेता है, लेकिन उसकी ईएमआई 25,187 रुपए की बनती है। यानी रोहित की ईएमआई से 927 रुपए ज्यादा। इस वजह से रोहित के दोस्त को 20 सालों में कुल 60,44,793 रुपए चुकाने होंगे। ये रोहित की रकम से 2,22,489 ज्यादा है। होम लोन की ब्याज दरें 2 तरह से होती हैं पहली फ्लोटर और दूसरी फ्लेक्सिबल। फ्लोटर में आपके लोन कि ब्याज दर शुरू से आखिर तक एक जैसी रहती है। इस पर रेपो रेट में बदलाव का कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं फ्लेक्सिबल ब्याज दर लेने पर रेपो रेट में बदलाव का आपके लोन की ब्याज दर पर भी फर्क पड़ता है। ऐसे में अगर आपने पहले से फ्लेक्सिबल ब्याज दर पर लोन ले रखा है तो आपके लोन की ईएमआई भी बढ़ जाएगी। मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। तब भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 4% पर स्थिर रखा था। लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक ने 2 और 3 मई को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40% बढ़ाकर 4.40% कर दिया था। 22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग 6-8 अप्रैल को हुई थी। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में रेपो रेट में 0.50% इजाफा किया है। इससे रेपो रेट 4.40% से बढ़कर 4.90% हो गई थी। अब अगस्त में इसे 0.50% बढ़ाया गया है जिससे ये 5.40% पर पहुंच गई है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास रेपो रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो, भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। रेपो रेट ज्यादा होगा तो बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक से मिलेने वाला कर्ज महंगा होगा।

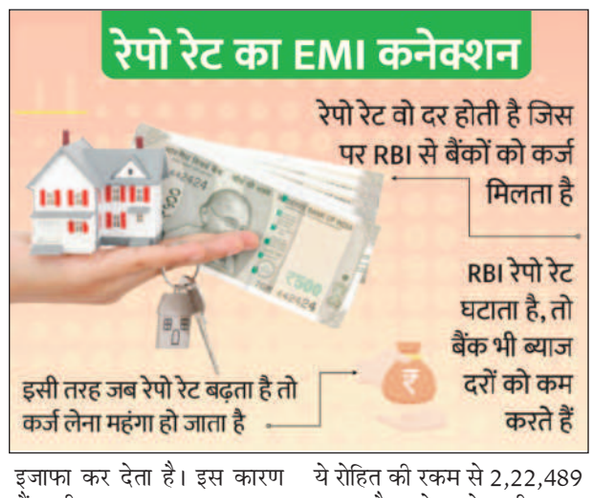

10 रुपये लीटर और घट सकता है खाद्य तेल का भाव,लोगों को महंगाई से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। एक बार फिर से खाने के तेल की कीमतें घट सकती हैं। सरकार ने इस संबंध में कंपनियों से विचार करने को कहा है। खाद्य सचिव ने बृहस्पतिवार को तेल कंपनियों के साथ बैठक की थी। इसमें हर लीटर पर कम से कम 10 रुपये कीमत घटाने की बात कही गई है। इससे लोगों को राहत मिलेगी। हालांकि हाल में तेलों की कीमतें 30 रुपये लीटर तक घटी थीं। सरकार अगर फिर से खाद्य तेलों का दाम घटाने में सफल रहती है तो त्योहारी सीजन में भी इसका फायदा लोगों को मिलेगा।

150 रुपये से ज्यादा हैं भाव

खाने वाले तेल की कीमतें अभी भी 150 रुपये से ऊपर ही हैं। उपभोक्ता मंत्रालय के मुताबिक, मूंगफली तेल का भाव अभी 187.55 रुपये लीटर है। एक महीने पहले भी यह 187.88 रुपये लीटर था। सरसों का तेल 173.9 रुपये लीटर है जो एक महीने पहले 178.32 रुपये था। वनस्पति तेल का भाव155.2 रुपये है। एक महीने पहले 163 रुपये था।

सोया तेल का भाव 10 रुपये गिरा

सोया तेल की कीमत एक महीने में 10 रुपये घटी है। यह 165.5 रुपये से घटकर 157.84 रुपये लीटर पर आ गया है। सूरजमुखी तेल का भाव इसी दौरान 186 से घटकर 171 रुपये लीटर हो गया है। इस समय विदेशी बाजारों में तेल की कीमतें कम हैं। ऐसे में भारत में भी घटाने की मांग हो रही है।

उतार-चढ़ाव के बाद सपाट ढंग से बाजार बंद सेंसेक्स 89 अंक ऊपर, निफ्टी 17400 के नीचे

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन उतार-चढ़ाव के बाद बाजार दोबारा हरे निशान में लौट आया है। शुक्रवार को बाजार पिछले दिन के मुकाबले 89.13 अंक उछलकर 58,387.93 अंकों पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी बीते दिन के मुकाबले मामुली बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी 15.50 अंक उछलकर 17,397.50 अंकों पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबार में इंडिगो के शेयरों में 5% की बढ़त दिखी। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में 2% प्रतिशत तक का उछाल देखा गया। ऐसे में बाजार पिछले दिन लाल निशान पर बंद होने के बाद एक बार फिर हरे निशान पर लौट आया है। बाजार में ऑटो, मेटल, फार्मा और पीएसयू बैंक के शेयरों में बिकवाली के कारण बाजार पर दबाव दिखा। शुक्रवार को श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बाजार में टूप गेनर रहे। वहीं, ब्रिटानिया, हिन्डालको, आयशर मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिरो मोटोकॉर्प, सिप्ला और मारुति के शेयर टॉप लूजर रहे।

सोना महंगा, चांदी सस्ती, जीएसटी और ज्वैलर का मुनाफा समेत ये हैं ताजा भाव

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी के भाव में आज बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अब आपको 24 कैरेट 10 ग्राम के लिए 59000 रुपये अधिक चुकाना पड़ेगा। वहीं 22 कैरेट गोल्ड के लिए करीब 54112 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। इंडिया बुलियंस एसोसिएशन द्वारा जारी हाजिर रेट के मुताबिक सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट शुद्ध सोना गुरुवार के बंद भाव 52140 के मुकाबले आज यानी शुक्रवार को 101 रुपये महंगा होकर 52140 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। वहीं, चांदी 219 रुपये नरम होकर 57838 रुपये प्रति किलो के रेट पर खुली। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10

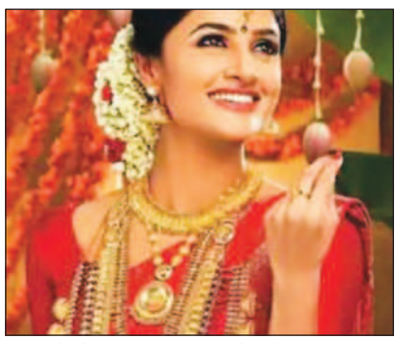

ग्राम से केवल 4114 रुपये ही सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 18170 रुपये सस्ती है। 24 कैरेट सोने पर 3 फीसद जीएसटी जोड़ लें तो इसका रेट 53704 रुपये हो जा रहा है, वहीं ज्वैलर का 10 फीसद मुनाफा जोड़ने के बाद सोने का भाव 59074 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। जीएसटी जोड़ने के बाद चांदी की कीमत 59573 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसमें ज्वैलर का 10 से 15 फीसद मुनाफा अलग से है। यानी आपको 10 फीसद मुनाफा लेकर ज्वैलर करीब 65530 रुपये में देगा। अगर 23 कैरेट गोल्ड की बात करें तो आज यह 51931 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से खुला। इस पर भी 3 फीसद जीएसटी मेंकिंग चार्ज और 10 फीसद मुनाफा जोड़कर आपको मिलेगा 58837 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से। वहीं, 22 कैरेट सोने का भाव 47760 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। तीन फीसद जीएसटी के साथ यह 49152 रुपये का पड़ेगा। इससे बने जेवरों पर भी मेकिंग चार्ज और ज्वैलर्स का मुनाफा अलग से जोड़ने पर करीब 54112 रुपये का पड़ेगा। वहीं, 18 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 39105 रुपये प्रति 10 ग्राम है। यह 3 फीसद जीएसटी के साथ 40278 रुपये प्रति 10 ग्राम का पड़ेगा। ज्वैलर का 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़कर यह 44305 रुपये का पड़ेगा। अब 14 कैरेट सोने का भाव 30502 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। जीएसटी के साथ यह 31417 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। इस पर 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़ लें तो यह 34558 रुपये का पड़ेगा।

रफ्तार में नई वंदे भारत एक्सप्रेस देंगी यूरोपियन ट्रेनों को मात: रेलवे कर रहा बड़ी तैयारी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। देश में फिलहाल अभी दो वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है। भारतीय रेलवे और भी कई रूटों पर वंदे भारत ट्रेन चलाने पर विचार कर रहा है। इसी बीच पश्चिम रेलवे को चेन्नई स्थित आईसीएफ (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री) से वंदे भारत ट्रेन सेट की नई रेक अलॉट कर दी गई है। यह आवंटन रेल मंत्रालय द्वारा दिया गया है। अमर उजाला को जानकारी के अनुसार पश्चिम रेल ज़ोन को 18 कोच वाली अत्याधुनिक वंदे भारत रेक अलॉट की गई है। यह रेक आईसीएफ में पूरी तरह से डिस्पैच हो चुकी है। इस रेक में केवल पांच फीसदी कार्य फिनिशिंग के तौर पर बाकी रह गए हैं।

आसमानी रंग की होंगी सीटें

पश्चिम रेलवे को अलॉट हुई पहली वंदे भारत ट्रेन सेट लगभग तैयार हो चुकी है। इसमें सीटें लगाने का काम पूरा कर दिया गया है। इस नई वंदे भारत ट्रेन की सीटें रंग स्काई ब्लू रंग की हैं। आईसीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने के अनुरोध पर अमर उजाला से कहा, हमने इस रेक को लगभग डिस्पैच कर दिया है। इसमे सीट

लगाने का काम पूरा कर दिया है। इसमें अब फिनिशिंग का लगभग पांच प्रतिशत काम और बाकी है, जो एक दो हफ्ते में पूरे कर लिए जाएंगे। उसके बाद रेल मंत्रालय के निर्देशानुसार इसे पश्चिम रेल जोन मुंबई के लिए भेज दिया जाएगा। हमने इसे चलाने के लिए सबसे पहले मुंबई-अहमदाबाद रूट का प्रस्ताव तैयार किया है और समय सारिणी भी बनाई है, लेकिन अभी यह प्राथमिक स्टेज पर है। यानी इसमें बदलाव होना संभव है। रूट और समय सारिणी दोनों पर रेल मंत्रालय के निर्देश के बाद ही आखिरी निर्णय लिया जाएगा। ट्रेन का मेंटेनेंस कहां करना है इसकी अन्य तैयारियां कहां की जानी हैं, इन सब पहलुओं की तैयारी हो रही है। रेल मंत्रालय के निर्देश पर यह रेक मुंबई आएगी।

यूरोपियन हाई स्पीड ट्रेनों की गति से होगा मुकाबला

आईसीएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने अमर उजाला को बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का नया संस्करण 160 किलोमीटर प्रति घंटे (किमी प्रति घंटे) की बजाय 180 किलोमीटर प्रति घंटे (किमी प्रति घंटे) की रफ्तार पकड़ेगा। साल 2025 तक ट्रेन की स्पीड क्षमता अपग्रेड होकर 220 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से यात्रा करने का अनुमान है। फिर यूरोप में हाई स्पीड ट्रेनों की औसत गति से मेल खाते हुए 260 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है।अगले तीन वर्षों में भारतीय रेलवे ने 300 वंदे भारत ट्रेन सेट (2025) के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। 2028 तक यह बढ़कर 500 ट्रेन हो जाएगा। भारत को आजादी मिलने के बाद से अगस्त 2022 तक रेलवे ने इनमें से कम से कम 75 ट्रेनों का निर्माण किया होगा। 500 ट्रेनों के लक्ष्य को पूरा करने के लिए चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री को प्रति माह लगभग 10 वंदे भारत ट्रेनों का उत्पादन करने का लक्ष्य है।

इस रक्षाबंधन पर लाएं केवल 750 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन के डेट को लेकर भले ही कन्फ्यूजन हों, लेकिन घरेलू एलपीजी सिलेंडर आपको 750 में भी मिलेगा, इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है। बता दें घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट 6 जुलाई को बदले थे और एक अगस्त को केवल कॉमर्शियल सिलेंडर ही सस्ते हुए थे। 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ था। अब बात करते हैं उस सिलेंडर की जिसकी दिल्ली में कीमत 750 रुपये तो लखनऊ में 777 और जयपुर में 753 रुपये का है। पटना में 817 रुपये का तो इंदौर 770 रुपये का मिल रहा है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कंपोजिट सिलेंडर की। इसमें गैस दिखती

भी है और 14.2 किलो गैस वाले भारी भरकम सिलेंडर से हल्का भी है। इस सिलेंडर में केवल 10 किलो ही गैस रहेगी। दिल्ली 750 मुंबई 750 कोलकाता 765 चेन्नई 761 लखनऊ 777 जयपुर 753 पटना 817 इंदौर 770 अहमदाबाद 755 पुणे 752 गोरखपुर 794 भोपाल 755 आगरा 761 रांची 798 करीब 6 दशक की यात्रा के बाद घरेलू सिलेंडर में गैस कंपनिया बदलाव करने जा रही हैं। बाजार में आने वाला कंपोजिट सिलेंडर लोहे के सिलेंडर के मुकाबले 7 किलो हल्का है। इसमें थ्री-लेयर होंगे। बता दें अभी इस्तेमाल होने वाला खाली सिलेंडर 17 किलो का होता है और गैस भरने पर यह 31 किलो से थोड़ा अधिक पड़ता है। अब 10 किलो के कंपोजिट सिलेंडर में 10 किलो ही गैस होगी। लेह 1299 आईजोल 1205 श्रीनगर 1169 पटना 1142.5 कन्या कुमारी 1137 अंडमान 1129 रांची 1110.5 शिमला 1097.5 डिब्रूगढ़ 1095 लखनऊ 1090.5 उदयपुर 1084.5 इंदौर 1081 कोलकाता 1079 देहरादून 1072 चेन्नई 1068.5 आगरा 1065.5 चंडीगढ़ 1062.5 विशाखापट्टनम 1061 अहमदाबाद 1060 भोपाल 1058.5 जयपुर 1056.5 बेंगलुरू 1055.5 दिल्ली 1053 मुंबई 1052.5 ।

मोबाइल, टीवी, लैपटॉप... ताइवान पर चीन-अमेरिका की तनातनी से क्यों भारतीय कंपनियों की उड़ी हवाइयां?

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। ताइवान पर चीन और अमेरिका की तनातनी बढ़ गई है। इसने कई भारतीय कंपनियों की धुकधुकी बढ़ा दी है। इनमें खासतौर से वे कंपनियां शामिल हैं जो इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़ी हैं। पूरा खेल चिप से जुड़ा है। कोरोना की महामारी के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पहले ही सेमीकंडक्टर की किल्लत है। यह करीब दो साल से बनी हुई है। अब अमेरिका और चीन जिस तरह ताइवान पर आमने-सामने आ गए हैं, उसने चिंता और बढ़ा दी है। ताइवान चपि की मैन्यूफैक्चरिंग करने वाला प्रमुख देश है। खास बात यह है कि वह दुनिया में सबसे आधुनिक चिप की सप्लाई करता है। दुनिया की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की खपत पूरी करने में इसकी हिस्सेदारी 9 फीसदी है। चीन न केवल निर्माण बल्कि खपत के लिहाज से बड़ा देश है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती टेंशन पूरी दुनिया में सेमीकंडक्टर

इंडस्ट्री की सप्लाई पर असर डाल सकती है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। अगर ऐसा होता है तो मोबाइल, टीवी, लैपटॉप से लेकर तमाम इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की कीमतों पर असर पड़ सकता है। पिछले दो साल से सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री किल्लत का सामना कर रही है। ताइवान पर अमेरिका और चीन के तेवर से इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली भारतीय कंपनियों की समस्या और बढ़ गई है। यह पूरा घटनाक्रम ग्लोबल सप्लाई चेन पर असर डाल सकता है। इसकी वजह को समझने की कोशिश करते हैं। ताइवान सेमीकंडक्टर या यूं कहें कि दुनिया की चिप खपत को पूरा करने वाले प्रमुख देशों में है। अमेरिका, चीन, दक्षिण कोरिया, जापान और यूरोप भी इसकी मैन्यूफैक्चरिंग करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। दुनिया में चिप बनाने वाली जितनी कंपनियां हैं, उनमें से 9 फीसदी का मुख्यालय ताइवान में है। अमेरिका की हिस्सेदारी 33 फीसदी और चीन की 26 फीसदी है। खपत के लिहाज से देखें तो अमेरिका 25 फीसदी के साथ पहले नंबर पर है। इसके बाद चीन आता है। दुनिया की कुल खपत में उसकी हिस्सेदारी 24 फीसदी है। यूरोप 20 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है। दक्षिण कोरिया और जापान की खपत 6-6 फीसदी है। अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी बुधवार को ताइवान पहुंची थीं। पेलोसी के इस दौरे के बाद से चीन चिढ़ा हुआ है। उसने सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। ताइवान पर टेंशन बढ़ी तो इसका असर चिप की ग्लोबल सप्लाई चेन पर पड़ सकता है। फिलहाल पूरे मामले में अभी भारत का रुख बहुत सतर्कता वाला है। इस बारे में उसने अब तक कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है। इसकी एक वजह यह भी है कि भारत के अभी तक ताइवान के साथ औपचारिक कूटनितिक रिश्ते नहीं हैं। वह इसकी दिशा में बढ़ रहा है। पिछले कुछ साल में भारत का ताइवान से आयात बढ़ा है। यह इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी, प्लास्टिक से लेकर ऑर्गेनिक केमिकल और आयरन व स्टील हर क्षेत्र में है। देश में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियां चिप के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर हैं। यह पूरा घटनाक्रम इस उद्योग की संवेदनशीलता को दिखाता है। केंद्र सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर फैब और डिस्प्ले फैब बनाने करने के लिए दिसंबर 2021 में 76,000 करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी दी थी।

भारत में पेटीएम की सेवाएं ठप

लेन-देन करने और एप खोलने तक में आ रही दिक्कत

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय पैमेंट प्लेटफॉर्म पेटीएम की सेवाएं शुक्रवार सुबह डाउन हो गईं। यह डाउन पूरे भारत में देखने को मिल रहा है। यूजर्स को पेटीएम से लेन-देन करने में समस्या आ रही है। आपको बता दें कि पेटीएम पर न सिर्फ पेमेंट करने में बल्कि मोबाइल एप खोलने में भी समस्या आ रही है और इसकी वेबसाइट की भी सेवाएं ठप हैं। पेटीएम यूज करने पर यूजर्स का अकाउंट अपने आप लॉग-आउट हो रहा है।

वहीं पेटीएम ने कहा कि जल्द ही सेवाओं को बहाल कर दिया जाएगा।

पेटीएम वॉलेट भी डाउन

दरअसल, भारत में शुक्रवार सुबह से ही पेटीएम की सेवाएं डाउन देखी जा रही हैं। यूजर्स को पेमेंट करने से लेकर एप यूज करने और वेबसाइट के इस्तेमाल में भी परेशानी आ रही है। साथ ही यूजर्स पेटीएम वॉलेट से भी पेमेंट नहीं कर पा रहे हैं। पेटीएम से पेमेंट करने पर यूजर्स का अकाउंट अपने आप लॉग-आउट हो रहा है और यूजर्स को फिर से लॉगिन करने और अनेबल टू सेंड मनी का मैसेज दिखाई दे रहा है।

एप पर आया नेटवर्क एरर

पेटीएम डाउन के बाद पेटीएम ने ऑफिशियल रूप से सेवाओं के ठप होने की पुष्टि की है। पेटीएम ने कहा कि एप पर कुछ नेटवर्क एरर है। हमारी टीम इसे ठीक करने पर काम कर रही है। जल्द ही सेवाओं को बहाल कर दिया जाएगा।

इससे पहले इंस्टाग्राम और ट्विटर भी थे ठप

पिछले महीने ही इंस्टाग्राम और ट्विटर की सेवाएं ठप हो गई थीं। 19 जुलाई को इंस्टाग्राम डाउन हो गया था, जिसके बाद यूजर्स को टाइमलाइन अपडेशन में दिक्कत का सामना करना पड़ा था। वहीं 14 जुलाई को ट्विटर पर भी डाउन देखने को मिला था। कई यूजर्स ने अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें ट्विटर एक्सेस करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। करने और ट्वीट देखने तक में दिक्कत आ रही थी, साथ ही सोशल मीडिया पर ट्विटर डाउन भी ट्रेंड करने लगा था।

कुलदीप बिश्नोई के भाजपा में आने पर राजे ने किया स्वागत

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता कुलदीप बिश्नोई औपचारिक तौर पर भाजपा में शामिल हो गए है। राजस्थान में विश्नोई समाज बड़ी तादात है। पश्चिमी राजस्थान की करीब 40 सीटों पर विश्नोई समाज हार-जीत में निर्णायक भूमिका में रहा है। सीएम अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर में बिश्नोई समाज की बड़ी तादात है। कुलदीप बिश्नोई के भाजपा में शामिल होने से नए समीकरण बने हैं। राजस्थान में 2023 के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। ऐसे में कांग्रेस के सियासी समीकरण बिगड़ सकते हैं। कुलदीप बिश्नोई के भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस की चिंता बढ़ गई है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कुलदीप विश्नोई का भाजपा में शामिल होने पर स्वागत किया है। पूर्व सीएम ने ट्वीट कर लिखा- हरियाणा के दिग्गज नेता कुलदीप विश्नोई का भाजपा में मैं स्वागत करती हूं। मुझे विश्वास है कि आप भाजपा परिवार के समर्पित और कर्मठ सदस्य के रूप में भारत के नव निर्माण में अहम भागीदारी निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान का बिश्नोई समाज फ़िल्म स्टार सलमान खान के हाथों काले हिरणों के शिकार का मामला सामने आया तो वे सड़कों पर आ गए थे। सलमान खान को सड़कों पर ले आए थे।

भजनलाल के बाद रामसिंह बिश्नोई हुए बड़े नेता

राजस्थान में बिश्नोई समाज का झुकाव कांग्रेस-भाजपा दोनों ही दलों की तरफ रहा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता रामसिंह बिश्नोई के निधन के बाद कांग्रेस की बिश्नोई समाज में पकड़ कमजोर हो गई है। अतीत में बिश्नोई समाज का झुकाव कांग्रेस की तरफ ज्यादा रहा है, लेकिन कालांतर में झुकाव कम होता चला गया। बिश्नोई समाज में भजन लाल के अलावा राजस्थान में बिश्नोई समाज के एक और दिग्गज नेता रामसिंह बिश्नोई हुआ करते थे, लेकिन उनका निधन हो गया है। रामसिंह बिश्नोई के बेटे और कांग्रेस विधायक मलखान सिंह वर्तमान में नर्स भंवरी के अपहरण व हत्या मामले में जेल जाने पर कांग्रेस को फजीहत का सामना करना पड़ा था। अब वे सीएम गहलोत के कट्टर विरोधी हैं। विधानसभा चुनाव में नया रास्ता तलाशने और कांग्रेस से बिश्नोई समाज का मोहभंग होने की बात कहते रहे हैं। अब कुलदीप बिश्नोई के भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस की चिंता बढ़ गई है। नए सियासी समीकरण से चिंतित सीएम गहलोत ने पार्टी के बिश्नोई नेताओं से सक्रिय होने के लिए कहा है।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे कुलदीप बिश्नोई ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। गुरुवार को उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली।

गहलोत बोले- कल्पना नहीं की थी लोकतंत्र खत्म होते देखेंगे

कहा- जनता को भी अब सरकार के खिलाफ खड़ा होना होगा

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि हमने कभी कल्पना नहीं की थी कि ऐसा वक्त भी आएगा जब लोगों को डेमोक्रेसी समाप्त होते देखना पड़ेगा। जिस रूप में संविधान की धज्जियां उड़ रही है। उसकी कल्पना नहीं कर सकते। महंगाई, बेरोजगारी, जीएसटी जो कुछ देश में हो रहा है। उसमें सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। डेमोक्रेसी खत्म हो रही है। अब समय आ गया है कि जनता को भी आगे आना पड़ेगा। गहलोत दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी के साथ मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

गहलोत ने कहा- जब विधानसभा सत्र चल रहा होता है तो जिलों में कोई ऐसी बैठक नहीं कर सकते, जिसमें विधायक को भाग लेना हो। ऐसा पहली बार हुआ, जब संसद का सत्र चल रहा है। उसके बीच मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी को पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। इसलिए मैंने कहा था कि देश में ईडी का आंतक है। ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई का दुरुपयोग हो रहा है। आज तक हमने सुना था कि सीबीआई पुलिस पर छापा डालती है। हमने पहली बार देखा कि रात में सीबीआई पर पुलिस छापा डाल रही थी। देश में जो कुछ हो रहा है। वह खतरनाक खेल हो रहा है।

गहलोत ने कहा- डेमोक्रेसी खत्म हो रही है। अब जनता को भी आगे आना पड़ेगा। आंदोलन कांग्रेस कर रही है, दूसरी विपक्षी पार्टियां भी कर रही हैं। जहां जिसे सूट करे वह साथ दे। एनजीओ, सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी सरकार के खिलाफ खड़ा होना होगा। लोगों को महसूस हो रहा है कि कितनी भारी मार है महंगाई की। बेरोजगारी से युवाओं में हाहाकार मचा हुआ है। जीएसटी के नए कारनामे हो रहे हैं। नेशनल हेराल्ड अखबार पर हमला हो सकता है तो किसी पर भी हो सकता है।

हिटलर की तानाशाही के समय भी जर्मनी के लोग चुप रहे तो देश बर्बाद हो गया था : गहलोत

गहलोत ने कहा- जर्मनी में जब हिटलर की तानाशाही हुई थी, उसके बारे में विचारक मार्टिन निमोले ने जो कहा था वह याद दिलाना चाहता हूं। हिटलर की तानाशाही के वक्त जब विपक्षी पार्टियों, अल्पसंख्यकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों को निशाने पर लेने लगे तो वहां की जनता चुप रही। जनता सोचती रही कि राजनीतिक लड़ाई है। 1945 में जर्मनी जब हिटलर की तानाशाही से बर्बाद हो गया तो वहां की जनता को पछताना पड़ा। समय रहते लोकतंत्र के लिए आवाज उठाई जाती तो देश बर्बाद नहीं होता। इसी तरह अगर आज हम आज चुप रहेंगे तो हमें इतिहास माफ नहीं करेगा।

सड़कों पर लेटे कांग्रेसी, पायलट हिरासत में

राजस्थान में भी महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन

मंत्री बोले-लाठी का जवाब लाठी से देंगे

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। महंगाई के खिलाफ कांग्रेस राजस्थान में बड़ा विरोध प्रदर्शन कर रही है। अलग-अलग जिलों में नेताओं ने नए-नए तरीकों से विरोध जताया। राजस्थान से बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता दिल्ली में हो रहे प्रदर्शन में भी शामिल होने पहुंचे। यहां कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी अजय माकन, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया गया है।

जयपुर में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ कई मंत्रियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ सिविल लाइंस में धरना दिया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि लाठी का जवाब लाठी होगी।

राजस्थान में शुक्रवार को जयपुर, उदयपुर, सीकर, अजमेर सहित कई जिलों में प्रदर्शन हुए हैं। कई स्थानों पर पुलिस के साथ हल्की धक्का-मुक्की भी हुई है।

उदयपुर में कलक्ट्रेट पर कांग्रेस के जबरदस्त प्रदर्शन के बीच पुलिस के साथ नेताओं की धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस कांग्रेसी नेताओं को बसों में भरकर ले गई। सबसे पहले सुबह करीब 11 बजे देहात जिलाध्यक्ष लालसिंह झाला को हिरासत में लिया गया। उसके बाद दूसरे नेताओं को हिरासत में लेकर कलक्ट्रेट से 2 किलोमीटर दूर यूआईटी सर्किल और आसपास के इलाकों में छोड़ दिया गया।

इससे पहले नेताओं ने कलक्ट्रेट के बाहर एकत्रित होकर जोरदार नारेबाजी की। कांग्रेसियों को रोकने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया। कांग्रेस की कई कांग्रेस महिला नेता भी सड़क पर लेट गईं। इन्हें पुलिस को उठाकर ले जाना पड़ा।

राजधानी जयपुर में प्रदेश कांग्रेस ने सांकेतिक राजभवन का घेराव रखा है। सिविल लाइंस फाटक के बाहर कांग्रेस नेता विरोध सभा कर रहे हैं। यहां कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मंत्री महेश जोशी प्रतापसिंह खाचरियावास सहित प्रमुख नेता मौजूद हैं। तेज बारिश के बीच सभा करते कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी भी की।

खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि आज जनता महंगाई से त्रस्त है। केंद्र सरकार ने हर चीज पर जीएसटी लगा दिया। कफन तक पर टैक्स लगा दिया। मोदीजी हर चीज पर जीएसटी लगा दी, मरने पर मत लगा देना नहीं तो मरना भी मुश्किल हो जाएगा।

जयपुर में बिजनेस पार्टनर ने किया महिला से रेप

लिव इन रिलेशनशिप में रखा शादी का वादा कर किया दुष्कर्म

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में एक महिला से उसके बिजनेस पार्टनर के रेप करने का मामला सामने आया है। स्टाम्प पर एग्रीमेंट कर दोनों लिव-इन-रिलेशनशिप में रहे। शादी का वादा कर बिजनेस पार्टनर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। करधनी थाने में पीड़िता ने मामला दर्ज कराया है।

एसएचओ बनवारी लाल मीणा ने बताया कि हाथोज करधनी निवासी 30 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसके पति की मौत के बाद वह अपने बच्चों के साथ यहां रहती हूं। पिछले करीब 2 साल पहले आरोपी अयुब खान से उसकी मुलाकात हुई थी। दोनों साथ में बिजनेस करने लगे। बिजनेस पार्टनर होने के कारण अयुब ने जरुरत होने पर रुपए उधार दिलवाए।

अप्रैल 2022 में बहला-फुसलाकर और बच्चों की परवरिश करने का झांसा देकर स्टाम्प पर रिलेशनशिप का एग्रीमेंट करवा लिया। बाद में शादी करने का वादा कर लिव-इन-रिलेशनशिप में रहने लगा। शादी का झांसा देकर पिछले 4 महीने से दुष्कर्म करता रहा। जिसके बाद गांव जाने के बाद कॉन्टैक्ट खत्म कर दिया। धोखा देने का पता चलने पर पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

भाजपा के लिए आसान नहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की राह

राजस्थान में मिल सकता है ध्रुवीकरण का लाभ

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले सेमीफाइनल के रूप में देखे जा रहे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। पार्टी नेतृत्व को विभिन्न स्तरों खासकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जो प्रारंभिक अनुमान मिले हैं, उसमें राजस्थान में वह बेहतर स्थिति में है, लेकिन मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में काफी सतर्कता बरतने की जरूरत है। इन राज्यों में अगले साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। गौरतलब है कि पिछली बार भाजपा तीनों में ही चुनाव हार गई थी, हालांकि बाद में उसने कांग्रेस में टूट से अपनी सरकार बना ली थी।

इन तीनों राज्यों में 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस की सरकार बनी थी, लेकिन अब कांग्रेस केवल छत्तीसगढ़ और राजस्थान में ही सत्ता में है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस में ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में हुई टूट के बाद भाजपा ने वहां पर अपनी सरकार बना ली है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा को विभिन्न स्तरों से जो अनुमान मिले हैं, उनके अनुसार छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश उसके लिए काफी कठिनाई भरे हो सकते हैं। मध्य प्रदेश में हाल में स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा को को झटका भी लगा है। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार को बीते चार साल में कोई बड़ी चुनौती नहीं दे सकी है। भाजपा वहां पर प्रभावी नेतृत्व के संकट से भी जूझ रही है।

सूत्रों के अनुसार भाजपा ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए अपनी अलग रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके तहत पार्टी ने पूर्वोत्तर में संगठन में काम कर रहे अजय जामवाल को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का क्षेत्रीय संगठन मंत्री नियुक्त किया है और उनका केंद्र रायपुर रखा गया है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में भाजपा ने सवा साल बाद ही अपनी सरकार बना ली थी, क्योंकि कांग्रेस में ज्योतिराज सिंधिया के नेतृत्व में बड़ी टूट होने से कमलनाथ सरकार का पतन हो गया था।

13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर में सुबह से बरसात, बांसवाड़ा में 4 इंच पानी गिरा

अब 4-5 दिन एक्टिव रहेगा मानसून

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्वी राजस्थान में नया सर्कुलेटरी सिस्टम एक्टिव होने के साथ ही प्रदेश में तेज बारिश का दौर फिर शुरू हो गया। पिछले 24 घंटे के दौरान बांसवाड़ा, झुंझुनूं, नागौर, प्रतापगढ़ जिलों में अच्छा खासा पानी बरसा। राजधानी जयपुर में शुक्रवार सुबह से भी कई जगहों पर जोरदार बारिश हुई। घने बादल छाए हुए हैं।

मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक 7 अगस्त के आसपास उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर सिस्टम डवलप होगा, जिसके असर से अगले 2-3 दिन के अंदर राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश भी हो सकती है। अगले 24 घंटे में राज्य के 13 जिलों में तेज बारिश के आसार हैं।

जयपुर में लगातार तीसरे दिन बारिश हुई। जेएलएन मार्ग, झोटवाड़ा, मुरलीपुरा, सहकार मार्ग समेत कई स्थानों पर तेज बारिश हुई। कल भी जयपुर में कई जगहों पर 16 से लेकर 59मिमी तक बरसात हुई थी। जयपुर के अलावा राज्य में झुंझुनूं, नागौर, प्रतापगढ़, राजसमंद, उदयपुर, कोटा, जैसलमेर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बाड़मेर, बांसवाड़ा, अलवर और अजमेर जिले के कई हिस्सों में अच्छी बरसात हुई।

राजस्थान में मानसून को आए एक महीने हो गया और अब तक पूरे प्रदेश में बरसात औसत से 44 फीसदी ज्यादा हो चुकी है। राज्य में 1 जून से 4 अगस्त तक औसतन 237मिमी बरसात होती है, लेकिन अब तक 341मिमी बरसात पूरे राज्य में हो चुकी है। जिलेवार रिपोर्ट देखें तो राज्य के 33 में से एक भी ऐसा जिला नहीं है, जहां सामान्य से कम बारिश हुई हो। सबसे ज्यादा बरसात गंगानगर जिले में सामान्य से 75 फीसदी ज्यादा बरसात अब तक हो चुकी है।

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के पूर्वी क्षेत्र के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है और मानसून ट्रफ लाइन भी अपने सामान्य स्थिति में है। 7 अगस्त के आसपास उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है। इस सिस्टम के कारण राज्य में आगामी दिनों में मानसून लम्बे समय तक सक्रिय रहने के आसार है।

उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटे के दौरान भरतपुर, बारां, अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, सवाईमाधोपुर, झालावाड़, जालोर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद जिलों कहीं-कहीं हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वहीं, 6 अगस्त को अजमेर, बांसवाड़ा, बारां, बूंदी, चित्तौड़गढ़, कोटा, प्रतापगढ़, सिरोही, उदयपुर, बीकानेर, चूरू, जोधपुर, नागौर और पाली जिलों में कहीं-कहीं अच्छी बारिश हो सकती है।

'अमीरों का 5 लाख करोड़ का टैक्स माफ कर दिया'

'रेवड़ी कल्चर' पर गहलोत का मोदी पर तंज

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने रेवड़ी कल्चर वाले बयान पर पीएम मोदी पर फिर निशाना साधा है। सीएम गहलोत ने कहा कि मेरी दृष्टि में ये रेवड़ियां हीं जरुरतमंद तबके के साथ सामाजिक न्याय है। सीएम गहलोत ने एक अंग्रेजी अखबार में छपे लेख का हवाला दिया है। लेख में लिखा है कि गरीबों को जीवनयापन करने के लिए जो राशि और खाद्य सामग्री दी जात है उसे हमारे प्रधानमंत्री रेवड़ी कह रहे हैं। जबकि कॉरपोरेट घरानों और उद्योगपतियों के लिए 5 लाख करोड़ का टैक्स कर देना इन्सेन्टिवज कहलाता है। देश के वर्तमान लोकतंत्र की विडंबना है कि जब गरीब को कोई चीज निशुल्क दी जाती है तो वह रेवड़ी बन जाती है और वह चीज अमीर को दी जाती है तो इन्सेन्टिवज बन जाती है। इसलिए अब समय आ गया है कि इसका वर्गीकरण किया जाए कि कौनसी निशुल्क सुविधाओं, वस्तुओं और सेवाओं को रेवड़ी के रूप में वर्गीकृत करके उन्हें समाप्त किया जाए। कौनसी वस्तुओं और सेवाओं को गरीब के जीवन यापन हेतु चालू रखा जाए। सीएम गहलोत द्वारा अपने ट्वीटर पर जारी लेख में कहा गया है कि प्रधानमंत्री केंद्र सरकार की निशुल्क योजनाओं को रेवड़ी नहीं बताकर विपक्षी दलों द्वारा निशुल्क वस्तुओं और सेवाओं को रेवड़ी बताते हुए कहा कि ये चीजें देश के विकास के लिए नुकसानदायक है। भारत में चुनाव के दौरान निशुल्क वादा करना कोई नई बात नहीं है। निशुल्क टेलीविजन बांटना रेवड़ी में रखा जा सकता है। परंतु पीडीएस के तहत निशुल्क अथवा सब्सिडी वाला राशन, मिड डे मिल के तहत दिया जाने वाला निशुल्क भोजन, आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा दिए जाने वाला निशुल्क सप्लीमेंट्री न्यूट्रीशन तथा मनरेगा के तहत दिया जाने वाला कार्य क्या रेवड़ी कहा जा सकता है।

आईटी रेड में कारोबारी से 70 करोड़ की ब्लैकमनी मिली

4 करोड़ कैश, ज्वेलरी और 24 लॉकर्स मिले; रियल एस्टेट कारोबारी के यहां छापे

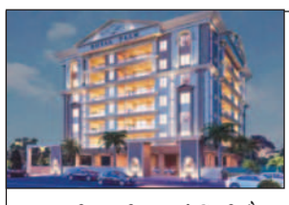

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। इनकम टैक्स चोरी की सूचनाओं पर जयपुर और कोटा में रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, ज्वेलरी, होटल, हॉर्टिकल्चर कारोबारियों के यहां छापेमारी में अब तक 70 करोड़ से ज्यादा की काली कमाई मिली है। इनमें 4 करोड़ कैश, ज्वेलरी और लेन-देन के डॉक्यूमेंट आईटी विभाग के हाथ लगे हैं। कई बैंकों में इन कारोबारियों के करीब 24 लॉकर्स भी मिले हैं। जिन्हें अब खुलवाया जाएगा। गुरुवार तक यह आंकड़ा 40 करोड़ का था। बुधवार को शुरू हुई कार्रवाई लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी जारी है।

इनकम टैक्स अफसरों को पता चला है कि आशीष ग्रुप का कॉलोनाइजर और रियल एस्टेट का काम है। कोटा और जयपुर में कई मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाकर फ्लैट बेचने के कारोबार से जुड़ा है। जमीनों की खरीद और फ्लैट बेचने में गड़बड़ी, कई जगह इंस्वेस्टमेंट,ऑनलाइन मनी ट्रांसफर के साथ ही पैसा इधर से उधर करने, टैक्स चोरी की जानकारी आईटी विभाग को लगी है।

लेजर बुक्स और खातों से इनका मिलान कर जांच-पड़ताल की जा रही है। इन कारोबारियों के यहां काम करने वाले मैनेजर, स्टाफ कर्मचारियों से भी पूछताछ चल रही है। सभी के फोन बंद करवाकर रखे गए हैं। जयपुर और कोटा में 37 ठिकानों के अलावा मुंबई और दिल्ली में भी कुछ ठिकानों की जानकारी इनकम टैक्स अफसरों को लगी है, जिस पर एक्सरसाइज शुरू कर दी गई है।

सूत्र बताते हैं आलोक कोटावाला, प्रमोद कोटावाला, आशीष अग्रवाल, कमलेश जैन, भीमाराम पन्नालाल और इनके करीबियों के 37 ठिकानों पर छापेमारी में बड़ी टैक्स चोरी उजागर हो सकती है। 200 से ज्यादा इनकम टैक्स और पुलिस कर्मचारी-अधिकारी रेड में शामिल हैं। शनिवार-रविवार तक यह कार्रवाई चल सकती है।

जयपुर के मालवीय नगर में रॉयल इंडिया ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मालवीय नगर में बन रहे होटल, हथरोई में होटल आशीष, हथरोई स्कूल के सामने कॉर्पोरेट ऑफिस और एमआई रोड पर शोरूम यूनिक आर्ट्स, रामनिवास बाग के पास एक प्रतिष्ठान पर कार्रवाई चल रही है। जयपुर में सी-स्कीम, अजमेर रोड, वैशाली नगर, टोंक रोड, जौहरी बाजार, कोटावाला मार्केट, त्रिपोलिया बाजार, क्रॉप्स मार्केट गार्डनिंग और हॉर्टिकल्चर में काम करने वाली कंपनी- सेंट्रल ऑर्चिड्स प्राइवेट लिमिटेड, रेसीडेंस, ऑफिस और शोरूम समेत कई ठिकानों पर इंवेस्टीगेशन किया जा रहा है।

भाजपा विधायक से परेशान साधु ने किया सुसाइड

जमीन के लिए परेशान करने का आरोप लगाया, मौके पर साधू-संतों की भीड़ जुटी

जालोर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जालोर के राजपुरा गांव में सुंधा माता मंदिर की तलहटी के पास एक आश्रम में शुक्रवार सुबह एक साधु ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मामला आश्रम के पास एक जमीन को लेकर है। मौके से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। इस सुसाइड नोट में जमीन को लेकर भीनमाल से भाजपा विधायक पूराराम चौधरी पर परेशान करने के आरोप लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह जमीन विधायक के रिश्तेदार के नाम पर है। थानाधिकारी मनीष सोनी ने बताया कि तलहटी पर स्थित एक आश्रम में शुक्रवार सवेरे एक साधु रविनाथ (40) ने पेड़ पर फंदा लगाकर लटक कर आत्महत्या कर ली। दरअसल, आश्रम के पीछे भीनमाल विधायक पूराराम सहित कुछ लोगों की जमीन है, लेकिन रास्ता नहीं था। इस पर साधु के आश्रम में से रास्ता लेने को लेकर विवाद चल रहा था। तीन दिन पहले विधायक पूराराम ने अपने लोगों को आश्रम में खाई खोदने भेजा था। उन्होंने आश्रम के पास यह खाई खोद दी।

इस विवाद के चलते साधु रविनाथ ने पेड़ पर फांसी के फंदे से लटकर आत्महत्या कर ली।

रियल एस्टेट कंपनी ट्राई कलर्स पर आईटी के छापे से चर्चाओं का बाजार गर्म

बिहार के रहने वाले है कंपनी के प्रमुख संचालक

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित रियल एस्टेट फर्म ट्राइकलर्स प्रॉपर्टीज पर आईटी अधिकारियों के छापे से चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। कंपनी देश के अलावा विदेशों में भी कारोबार कर रही है। दो दिन पूर्व आईटी अधिकारियों ने कंपनी से जुड़े हैदराबाद समेत कई जगहों पर छापेमारी की है। चेन्नई, बेंगलुरु, पटना, दिल्ली और मुंबई समेत देश भर में छह अन्य जगहों पर तलाशी जारी है। बताया गया है कि आईटी अधिकारियों को छापेमारी में बड़ी मात्रा में बेहिसाब नकदी मिली है। रियल स्टेट सेक्टर में बड़ा कारोबार कर रही इस

कंपनी के दफ्तरों में देशभर में 16 जगहों पर ये तलाशी ली जा रही है। हैदराबाद, मुंबई, पटना, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई शहरों में जांच जारी है। ट्राई कलर्स कंपनी ट्राई कलर्स कंपनी ने सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रियल स्टेट, संपत्ति और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में निवेश किया है। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में भागीदार है।

विदेशों में कई प्रोजेक्ट बन रहे हैं। ट्राई कलर्स संगठन पर करों के भुगतान में अनियमितताओं का आरोप है। आईटी अधिकारी संगठन के कार्यालयों में तलाशी ले रहे हैं।

अकेले हैदराबाद में 10 जगहों पर तलाशी ली जा रही है। माना जा रहा है कि इस मौके पर भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। इस कंपनी के एक प्रमुख संचालक बिहार के रहने वाले है। हलांकि कंपनी की ओर से छापे को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सितंबर/अक्टूबर में टीओएसएस परीक्षा

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एसएससी और इंटरमीडिएट (टीओएसएस) की तेलंगाना ओपन स्कूल सार्वजनिक परीक्षा सितंबर / अक्टूबर 2022 में आयोजित होने वाली है। एसएससी और इंटरमीडिएट (टीओएसएस) के उम्मीदवार टीओएसएस परीक्षाओं के लिए नियत तिथियों के अनुसार परीक्षा शुल्क का भुगतान कर सकते है। परीक्षा शुल्क के भुगतान की समय सारिणी: 11 से 22 अगस्त तक बिना जुर्माने के, 23 से 29 अगस्त तक प्रति पेपर 25 रुपये जुर्माना के साथ 30 अगस्त से 1 सितंबर तक प्रति पेपर 50 रुपये का जुर्माना के साथ उम्मीदवारों को भुगतान परीक्षा शुल्क www.telanganaopen-school.org पर करना होगा। सेवाएं केवलमी-सेवा/टीएस ऑनलाइन केंद्रों पर भी उपलब्ध हैं। चालान या डीडी के माध्यम से भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग

कांग्रेस के नेताओं ने की भूख हड़ताल

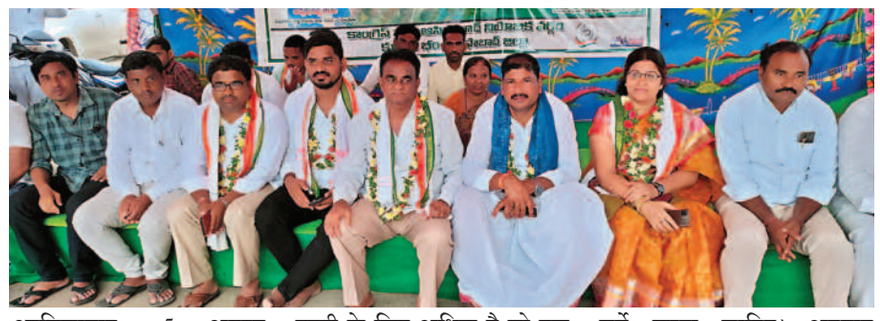

आसिफाबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला केंद्र में शुक्रवार के दिन कांग्रेस पार्टी के तेलंगाना किसान नेता अन्वेश रेड्डी के समर्थन में, जिला कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष विश्वप्रसाद और कांग्रेस पार्टी के नेता और किसानों ने बरसात के मौसम में किसानों को फसलों का हुआ नुकसान के मुआवजा की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त फसलों के लिए कम से कम 20 हजार रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया जाए। काश्तकार किसानों की पहचान कर सीधे नुकसान की भरपाई की जाए, 50 हजार प्रति एकड़ निवेश हल्दी के लिए अधिक है जो एक व्यावसायिक फसल है, बालू के टीलों को निकालने और धुली हुई मिट्टी को खेती योग्य भूमि में बदलने के लिए सरकार को आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए। बाढ़ में बह गए पंप सेटों के लिए एक लाख रुपये दिए जाएं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हैं, उन्हें मकान आवंटित किए जाने चाहिए।

पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए मकानों के लिए एक लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 50 हजार रुपये दिए जाने चाहिए। इसके लिए तेलंगाना सरकार को फुल स्केल सर्वे करना चाहिए। अनुमान लगाना चाहिए। विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। इस रिपोर्ट को जनता के सामने रखा जाना चाहिए और सभी सुझावों के साथ अंतिम रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जानी चाहिए। रिपोर्ट पर चर्चा करने और सभी पक्षों का सहयोग लेने के लिए एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जानी चाहिए।यह प्रतिवेदन विधान सभा के पटल पर रखा जाए और सर्वसम्मत प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाए।बाढ़ में मरने वालों को 10 लाख की सहायता राशि दी जाए। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता अनिल, मर्सकोला सरस्वती, चरण, दीपक आदि कांग्रेसी नेताओं ने भाग लिया।

प्रेम विवाह करने वाली बेटी का किया अपहरण

अपहरण के आरोप में माता-पिता सहित 21 लोग सलाखों के पीछे

मंचेरियल, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रिश्तेदारों की मदद से इच्छा के विरुद्ध एक व्यक्ति से शादी करने पर माता-पिता ने अपनी 18 वर्षीय बेटी का अपहरण कर लिया और आखिरकार शुक्रवार को जनाराम मंडल केंद्र में सलाखों के पीछे पहुंच गए। इस मामले में कुल 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया और तीन वाहनों को जब्त किया गया। जनाराम सब-इंस्पेक्टर पोचमपल्ली सतीश ने कहा कि आरोपी माता-पिता गुररारा बालकृष्णा और अनसूर्या थे तथा उनके 21 रिश्तेदार सिद्दीपेट जिले के गजवेल मंडल के जलिगामा गांव के थे। शिकायतकर्ता जनाराम मंडल के मोरीगुडा गांव के कोटा नागेश था।

बालकृष्णा की बेटी लक्ष्मी ने शनिवार को मोरीगुडेम मंदिर में काफी लंबे समय तक एक-दूसरे के प्यार में पड़ने के बाद नागेश से शादी कर ली। लेकिन, उसके माता-पिता इस शादी को मानने को तैयार नहीं थे। पुलिस ने दोनों पक्षों को परामर्श दिया और उनके कृत्यों के परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने लक्ष्मी के माता-पिता को उसके फैसले को स्वीकार करने की सलाह दी क्योंकि वह दो महीने पहले 18 साल की हो गई थी।

बालकृष्ण और अनसूर्या ने अतीत में लक्ष्मी का अपहरण करने का एक व्यर्थ प्रयास किया, उसे छोड़ दिया जब स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका और चेतावनी दी कि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अपनी बेटी से फोन पर बात करना जारी रखा और सुझाव दिया कि वह नवविवाहित जोड़े को आजीविका खोजने में मदद करने का वादा करके जलिगामा में स्थानांतरित हो सकती है।

शुक्रवार सुबह पांच बजे माता-पिता पांच वाहनों में सवार होकर नागेश के घर पहुंचे। वाहनों द्वारा लक्ष्मी को सिद्दीपेट ले जाने से पहले उन्होंने उसके साथ मारपीट की और फर्नीचर को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना की जानकारी होने पर जनाराम उपनिरीक्षक सतीश और उनके हेड कांस्टेबल देवन्ना ने सुबह 6.30 बजे थल्लापेट वन रेंज अधिकारी रत्नाकर की मदद से माता-पिता का पीछा किया।

सतीश ने जनाराम मंडल केंद्र से लगभग 30 किलोमीटर दूर दांडेपल्ली मंडल के मुथ्यमपेट गांव में माता-पिता और 21 अन्य लोगों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की और लड़की को बचाया, जिससे उसे और नागेश को राहत मिली। उन्होंने लक्ष्मी के माता-पिता को उसका अपहरण करने से रोकने और अपने पति के साथ फिर से जुड़ने में मदद करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया और सहजता दिखाने के लिए कई लोगों से प्रशंसा प्राप्त की।

शुक्रवार को चिराग गली स्थित लक्ष्मी माता के मंदिर में आयोजित वर लक्ष्मी पूजा कार्यक्रम में भाग लेती हुईं अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, वंदना पंचारिया, रितु गोयल, शीतल बंसल, सुमन पंडेय, संगीता जाजोदिया व अन्य।

हरिबौली स्थित श्री अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मठ में शुक्रवार को श्रवण मास के दूसरे शुक्रवार और वरलक्ष्मी पूजा के दिन विशेष पूजा की गई, जिसमें मंदिर समिति के आयोजन सचिव एस.पी.क्रांति कुमार और एस.शैलाजा व पुजारी ने भाग लिया।

भाजपा अध्यक्ष सांसद वेंकट रेड्डी पर अपनी टिप्पणी से मुकरे

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज कांग्रेस पार्टी के सांसद कोमटीरेड्डी वेंकट रेड्डी पर की गई टिप्पणी से मुकर गए। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि वेंकट रेड्डी भाजपा के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि यह मीडिया के एक वर्ग का निर्माण है। यादाद्री भोंनगिरी जिले में अपनी पदयात्रा के मौके पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, संजय ने कहा कि वेंकट रेड्डी हमेशा अपनी लोकसभा सीट के विकास के लिए धन की मांग करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मिलते हैं। मुनुगोडु उपचुनावों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने दोहराया कि उनकी पार्टी उपचुनावों में जीतेगी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री से ऑल इंडिया रेडियो स्टेशन की ट्रांसमीटर क्षमता बढ़ाने की अपील

आसिफाबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात कर कागजनगर कस्बे के ऑल इंडिया रेडियो स्टेशन पर ट्रांसमीटर की क्षमता मौजूदा 100 वाट से बढ़ाकर 5 किलोवाट करने के लिए मांग की। जिससे रेडियो सेवाओं का विस्तार हो सके। बीजेपी टीम ने एफएम रेडियो सुविधा का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि एफएम रेडियो सेवाओं के माध्यम से किसानों और युवाओं को जानकारी देना उपयोगी होगा। इस अवसर पर सांसद सोयम बाबूराव, भाजपा नेता डॉ. पलवई हरीश बाबू, राजन्ना, जदी दीपक और अन्य शामिल थे।

कोमपल्ली स्थित ढोला-री-ढाणी में 7 अगस्त को आयोजित राजस्थानी म्युजिकल नाईट्स के कार्यक्रम को भव्यरुप से मनाने के लिए कार्यस्थल का निरीक्षण करते हुए विशेष सहयोगी धर्मीचन्द कुमावत, अशोक कुमावत, फतेहचंद मनावत, अशोककुमार, सुमन घोडेला, सुरेखा घोडेला व अन्य।

एफटीसीसीआई के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रेहण करने पर सुरेश कुमार सिंघल का सम्मान करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग व निदेशक बृजगोपाल असावा।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा की सावन की सैर कल

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की सावन की सैर कल रविवार 7 अगस्त को संपन्न होगी। शाखा के मानद मंत्री योगेश अग्रवाल के द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यादगिरीगुट्टा के समीप स्थित सौभाग्य रिसॉर्ट में संपन्न होने वाली उक्त सावन की सैर कार्यक्रम स्थल तक जाने हेतु शाखा द्वारा की गई बस सुबह 8:30 बजे भारत स्काउट्स और गाइड्स के पास से प्रारंभ होगी। उक्त कार्यक्रम की संयोजिका रश्मि अग्रवाल ने बताया की कार्यक्रम में भाग लेने वाले हेतु रिसॉर्ट में सुबह के नाश्ते , दोपहर में खान पान के साथ ही रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई है। रिसॉर्ट में उपलब्ध तैराकी , इन डोर गेम्स के साथ ही शाखा के द्वारा अरेंज किए गए विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम और तंबोला का इंतजाम भी किया गया है। शाखा की के एस सदस्य सीमा अग्रवाल, महिला समिति की संयोजिका सरला अग्रवाल, उप संयोजिका पूजा गुप्ता और अन्य के संयोजन में आयोजित सभी कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरुष्कृत किया जाएगा। शाखा के उपाध्यक्ष अनिल गर्ग , संयुक्त मंत्री प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विजय कुछल और अग्रवाल हेल्थ क्लीनिक के संयोजक अक्षय अग्रवाल ने बताया की इस अवसर पर संपन्न होने वाले मंचीय कार्यक्रम के अंतर्गत शाखा के वरिष्ट सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी (उपाध्यक्ष , अग्रवाल समाज, तेलंगाना) और अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने सभी सदस्यों को सपरिवार समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वाहन किया है।

एसआई प्रारंभिक लिखित परीक्षा की व्यवस्था पूरी : पुलिस अधीक्षक

आसिफाबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिला एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने कहा कि 7 अगस्त रविवार को आयोजित होने वाली एसआई प्रारंभिक परीक्षा के लिए पूरी व्यवस्था कर ली गई है। एसपी ने शुक्रवार को जूम एप पर परीक्षा केंद्रों के मुख्य अधीक्षकों, पर्यवेक्षकों, क्षेत्रीय समन्वयकों और पुलिस अधिकारियों के साथ विशेष समीक्षा बैठक की।क्षेत्रीय समन्वयक श्रीधर सुमन ने कहा उन्होंने कहा कि जिला केंद्र के आसिफाबाद में तीन परीक्षा केंद्र और खगज नगर में तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं और प्रारंभिक लिखित परीक्षा में कुल 1492 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की अनुमति नहीं है। उम्मीदवारों को अपने साथ केवल परीक्षा हॉल टिकट, पेन लाना चाहिए। परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन लैपटाप रखने के लिए क्लोक रूम की सुविधा नहीं होगी। उम्मीदवारों को अपने हॉल टिकट पर पासपोर्ट आकार का फोटो लाना चाहिए, अन्यथा उन्हें परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। समीक्षा बैठक में अपर जिला एसपी अच्चेवर राव, आसिफाबाद डीएसपी श्रीनिवास, कागजनगर डीएसपी करुणाकर, अन्य आला पुलिस अधिकारी, परीक्षा केंद्रों के मुख्य अधीक्षक,पर्यवेक्षकों और मार्ग अधिकारियों ने भाग लिया।

दहेज प्रताड़ना मामले में एक को सात साल की सजा

आसिफाबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला मुख्य न्यायाधीश रवींद्र शर्मा ने शुक्रवार को अतिरिक्त दहेज प्रताड़ना के मामले में दाहेगाम मंडल के बीबरा गांव की चाकीनाला चंद्रशेखर को सात साल कैद की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की कहानी के अनुसार दाहेगाम मंडल के बिबरा गांव के चंद्रशेखर की शादी इसी मंडल के गांव देवाजीगुड़ा की पवनी से 2013 में हुई थी।उनके दो बेटे हैं। चंद्रशेखर अक्सर अतिरिक्त दहेज के लिए पवनी को प्रताड़ित करते थे। दो बार बुजुर्गों की मौजूदगी में पंचायत भी हुई। हालांकि, जब चंद्रशेखर नहीं बदले तो प्रताड़ना बढ़ गई और पवनी इस प्रताड़ना को सहन नहीं कर पाई और 29 जुलाई 2018 को घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस हद तक दहेगाम पुलिस ने मृतक के पिता पोटुराजुला लछैया की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपपत्र दाखिल किया। 13 गवाहों के परीक्षण के बाद आरोपी को दोषी पाया गया और सात साल की कैद और 15000 और रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई। 15,000 जुर्माना और जुर्माना नहीं भरने पर जिले के मुख्य न्यायाधीश ने फैसला सुनाया है कि उन्हें एक और साल की कैद होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से एपीपी रंतेंकी श्याम राव ने दलील दी।

न्यू बोइनपल्ली, बापूजीनगर स्थित श्री देवी नाला पोचम्मा मंदिर में वरलक्ष्मी व्रतम के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पाना प्रताप। साथ में हैं दुर्गा, अजित कल्याण, प्रेम मुदिराज, नरेंद्र, नरसिम्हा, महेश व अन्य।

चीनी मिलों और सहकारी समितियों का अध्ययन करने तेलंगाना के किसान बारामती रवाना

वनपर्ती, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के 70 से अधिक किसानों का एक दल महाराष्ट्र के बारामती के अध्ययन दौरे पर रवाना हुआ है और चीनी मिलों का दौरा करने के अलावा किसान सहकारी समितियों के कामकाज की जांच करेगा।

अध्ययन दौरे के पीछे का उद्देश्य बागवानी किसानों को गन्ने की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना और किसान सहकारी समितियों के बारे में उनमें जागरूकता पैदा करना है।

महाराष्ट्र के बारामती में कई किसान सहकारी समितियां सफलतापूर्वक काम कर रही हैं। प्रत्येक सहकारी समिति में लगभग 10,000 से 25,000 किसानों ने नामांकन किया है। अपने अध्ययन दौरे के दौरान, वानापर्थी के किसान खेती, उपज, विपणन, कारखानों के संचालन और अन्य पहलुओं के बारे में अधिक सीखेंगे। जिला रैतु बंधु समिति के अध्यक्ष जगदीश्वर रेड्डी ने शुक्रवार को यहां बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

हुजूराबाद में हल्का तनाव : भाजपा-टीआरएस कार्यकर्ताओं में झड़प

करीमनगर, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद कस्बे में हल्का तनाव उस समय व्याप्त हो गया जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन क्षेत्र के विकास पर चर्चा करने के लिए अंबेडकर चौक पर आयोजित खुली बहस के मंच की ओर भागने की कोशिश की। गौरतलब है कि एमएलसी पी. कौशिक रेड्डी ने शुक्रवार को स्थानीय विधायक इटेला राजेंदर को हुजूराबाद क्षेत्र के विकास पर बहस के लिए आमंत्रित किया था।

अपने चैलेंज के मुताबिक, कौशिक रेड्डी सुबह 11 बजे डायस पहुंचे और आधे घंटे इंतजार करने के बाद राजेंद्र के न निकलने पर वहां से निकल गए। जब एमएलसी ने अपना भाषण समाप्त किया, तो भाजपा के कुछ कार्यकर्ता अंबेडकर चौक पर पहुंचे और कौशिक रेड्डी का पुतला फूंका। जब वे मंच की ओर बढ़ रहे थे तो टीआरएस कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोक लिया। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे पर चप्पल और पार्टी के झंडे फेंके। पुलिस के जवान हरकत में आए और हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को शांत कराया। पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर थाने भेज दिया है।

महिला सरपंच की आत्महत्या पर उठा पर्दा

रेप के प्रयास ने सरपंच को किया जान देने के लिए मजबूर

कोत्तागुडेम, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सुजाता नगर मंडल के कोमाटीपल्ली थंडा की एक महिला सरपंच की मौत के मामले में पुलिस ने महिला के साथ बलात्कार के कथित प्रयास के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

गौरतलब है कि सरपंच ने मंगलवार को आत्महत्या का प्रयास किया और गुरुवार को खम्मम के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

शुरुआत में उनके इस कदम का कारण पारिवारिक परेशानी बताया गया। हालांकि, सरपंच की मां डी. सैदम्मा द्वारा सुजाता नगर पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, थांडा की एक महिला गुगुलोथ बुज्जी की मदद से एक व्यक्ति भुक्या नवीन ने मंगलवार दोपहर बुज्जी के आवास पर सरपंच के साथ बलात्कार करने की कोशिश की।

एक चश्मदीद ने थांडा वासियों और पीड़िता के पति को घटना की जानकारी दी। घटना से अपमानित महसूस कर रही सरपंच ने जहर खा लिया और दो दिन तक जिंदगी की जंग लड़ने के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने सैदम्मा की शिकायत के आधार पर नवीन और बुज्जी के खिलाफ मामला दर्ज किया। दोनों आरोपित फरार है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

महंगाई पर कांग्रेस ...

शुक्रवार को पटना में कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने राजभवन मार्च निकाला। मार्च कुछ दूर ही निकला था कि पुलिस ने उसे रोक दिया। इसके बाद हंगामा शुरू हो गया। कार्यकर्ता सड़क पर नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं ने पुलिस गाड़ी को घेर लिया और विरोध करने लगे।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कांग्रेस ने अपना विरोध प्रदर्शन किया। देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर कांग्रेस ने सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश भर के अलग-अलग जिलों से आए जिला स्तर के नेताओं के अलावा प्रदेश कांग्रेस के तमाम नेता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

अंबेडकर चौक में धरना देने के बाद प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत कुछ कांग्रेस नेताओं का प्रतिनिधिमंडल राज भवन में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर धरना प्रदर्शन का समापन किया।

इससे पहले, सुबह राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, क्या आप तानाशाही का मजा ले रहे हैं, यहां रोज लोकतंत्र की हत्या हो रही है। इस सरकार ने 8 साल में लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया। दरअसल, कांग्रेस आज देशभर में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। मीडिया से बात करने के दौरान वह अपने बाजू पर काली पट्टी बांधे थे।

हर इंस्टीट्यूट में आरएसएस का आदमी : देश की मीडिया, इलेक्टोरल सिस्टम इनके दम पर विपक्ष खड़ा होता है, लेकिन देश में हर इंस्टीट्यूट में आरएसएस का आदमी बैठा है। वह सरकार के कंट्रोल में है। जब हमारी सरकार होती थी तब इन्फ्रास्ट्रक्चर न्यूट्रल होता था। हम उसमें दखल नहीं देते थे। आज यह सरकार के साथ है। कोई विरोध करता है तो उसके खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियां लगा दी जाती हैं।

263 चीनी नागरिकों ...

सीबीआई के मुताबिक, बिजली परियोजना की स्थापना का काम एक चीनी कंपनी द्वारा किया जा रहा था और समय से पीछे चल रहा था। सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार, टीएसपीएल के एक कार्यकारी ने 263 चीनी कामगारों के लिए परियोजना वीजा फिर से जारी करने की मांग की थी, जिसके लिए कथित तौर पर 50 लाख रुपये का आदान-प्रदान किया गया था।

एजेंसी ने आरोप लगाया है कि मानसा स्थित बिजली संयंत्र में काम कर रहे चीनी कामगारों के लिए परियोजना वीजा फिर से जारी करने के लिए टीएसपीएल के तत्कालीन सहयोगी उपाध्यक्ष विकास मखरिया ने भास्करमन से संपर्क किया था। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि मखरिया ने अपने करीबी सहयोगी भास्करमन के माध्यम से कार्ति से संपर्क किया।

एशिया कप तय करेगा टी-20 वर्ल्ड कप टीम की सूरत

12 स्पॉट फिक्स, 3 पोजीशन के लिए रेस : खराब फॉर्म के बावजूद विराट का सिलेक्शन तय

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। इस सप्ताह के अंत में या अगले सप्ताह की शुरुआत में, भारत के चयनकर्ता एशिया कप के लिए टीम का सिलेक्शन करेंगे। इस दौरान अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले चयनकर्ता आखिरी बार एक साथ बैठेंगे।

सितंबर में एशिया कप के बाद भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज हैं। हालांकि, संभावना है कि उन मैचों से पहले ही विश्व कप टीम का चयन करके ICC को सूचित करना होगा।

दो में से किसी एक ऑप्शन के साथ जा सकते हैं चयनकर्ता

भारत एशिया कप के लिए दो तरह का नजरिया अपना सकता हैः अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनें, या विश्व कप के विकल्पों का आकलन करने के लिए टूर्नामेंट का उपयोग करें। फिलहाल जो नजर आ रहा है, उसके हिसाब से 15 में 12 स्थान भरे हुए नजर आते हैं।

बल्लेबाजी के मोर्चे पर रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक। हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा दो ऑलराउंडर होने चाहिए। जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार और हर्षल पटेल तेज गेंदबाजों के तौर पर टीम का हिस्सा बनने की दौड़ में सबसे आगे नजर आते हैं। इनके साथ कलाई के स्पिनर के तौर पर युजवेंद्र चहल का लिया जाना भी लगभग तय है।

भारत इन 12 खिलाड़ियों को प्राथमिकता देते हुए टी-20 वर्ल्ड कप से पहले बड़े टूर्नामेंट में एक साथ खेलने का अनुभव देता है या दूसरे दावेदारों को मौका देता है, यह देखने वाली बात होगी। 12 स्पॉट के लिए प्लेयर तय होने के बाद गौर करने वाली बात ये है कि बचे 3 स्थानों पर दावेदारी

कैसे तय होगी। दरअसल बात ये है कि इन 3 खाली जगहों में कई खिलाडियों का भविष्य दांव पर लगा है।

दीपक चाहर और भुवनेश्वर में चयन को लेकर कड़ी टक्कर

बहुत समय पहले की बात नहीं है, दीपक चाहर पावरप्ले विकेट-टेकर के रूप में भारत के पसंदीदा विकल्प हो सकते थे, लेकिन उनकी चोट के बीच भुवनेश्वर ने अपनी पुरानी लय हासिल कर ली। चाहर की छक्के मारने की क्षमता हालांकि अभी भी उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप टीम का दावेदार बनाती है, खासकर अगर जडेजा नहीं चलते तो बैकअप के तौर पर दीपक मौजूद होंगे।

हार्दिक और जडेजा जहां ऑलराउंडर के रूप में भारत की पहली पसंद होंगे, वहीं जडेजा का बल्ले और गेंद दोनों से स्ट्राइक रेट इस साल टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। इसलिए अगर जडेजा की बल्लेबाजी अच्छी नहीं होती है, तो भारत अधिक आक्रामक स्पिन विकल्प की तलाश कर सकता है। ऐसे में चाहर बल्लेबाजी क्रम को लंबा कर सकते हैं। भारत निश्चित रूप से देखना चाहेगा कि दीपक चाहर एशिया कप की दबाव भरी परिस्थिति में कैसा प्रदर्शन करते हैं।

2022 मेंअश्विन का टी-20 में जडेजा की तुलना में बेहतर बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट है, लेकिन इस फॉर्मेट में अश्विन के फिर से उभरने का कारण बल्लेबाजी नहीं है। अश्विन की दावेदारी की प्रमुख वजह उनकी ऑफस्पिन है, जिसके तरफ दुनियाभर की तमाम टीमों ने रुख किया है। एक ऐसा गेंदबाज जो हर मैच में 4 ओवर का कोटा पूरा करने की क्षमता रखता है और विकेट हासिल करने के अवसर भी पैदा करता है।

हो सकता है कि कुछ मुकाबलों में उसका प्रदर्शन खराब हो जाए, लेकिन वह वापसी की क्षमता रखते हैं। अश्विन के पास कई बाएं हाथ के बल्लेबाजों वाली टीमों के खिलाफ खेलने का अच्छा मौका है, खासकर अगर भारत जडेजा के रन कहीं और से ढूंढ सकता है। हालांकि, अगर वे दाहिने हाथ के भारी लाइन-अप के खिलाफ हैं, तो चहल और जडेजा शायद पहली पसंद के स्पिनरों के रूप में खेलेंगे। ऐसी सिचुएशन की कल्पना करना कठिन है, जिसमें भारत तीन स्पिनरों के साथ खेलता है।

अक्षर जडेजा के लिए एक ही तरह के बैक-अप हैं। प्रारूप जितना छोटा होता जाता है, अक्षर जडेजा की जगह के लिए उतना ही बड़ा खतरा पैदा करते हैं। हालांकि, यह संभावना नहीं है कि भारत एक ऐसे खिलाड़ी को चुनेगा जो उस सटीक भूमिका में बैक-अप हो और बहुत कुछ नहीं।

आखिर में नौबत होगी कि प्लेइंग-11 में या तो जडेजा या अक्षर होने जा रहे हैं। इसलिए अगर अक्षर एशिया कप के लिए टीम के लिए जगह बनाते हैं, तो इसका मतलब यह होगा कि वह अभी भी जडेजा की जगह के लिए खतरा हैं।

दीपक हुड्डा 15 खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं

हुड्डा ने 2022 में आए हर मौके का फायदा उठाया। उन्होंने गेंद से भी अपनी उपयोगिता साबित की है। सवाल है कि क्या उन्हें बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ एक या दो ओवर करने की जरूरत है। हालांकि, यह संभावना है कि पहले बताए गए 12 तय खिलाड़ियों में से एक बल्लेबाज पहले से ही बेंच पर होगा। इसके बावजूद हुड्डा के लिए 15 की टीम में दूसरे बल्लेबाजी बैक-अप के रूप में जगह हो सकती है।

रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हुईं स्मृति मंधाना

बारबाडोस के खिलाफ हासिल की खास उपलब्धि

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की स्टार महिला क्रिकेट खिलाडी स्मृति मंधाना इन दिनों शानदार फॉर्म चल रही हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार 63 रन बनाने वाले स्मृति ने टी20 क्रिकेट में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है। वह टी20 में दो हजार से ज्यादा रन बनाने वाली देश की दूसरी ओपनर बल्लेबाज बन गई हैं। इस मामले में उनसे आगे पुरुष टीम के कप्तान रोहित शर्मा हैं। रोहित ने भी बतौर ओपनर दो हजार से से ज्यादा टी20 रन बनाए हैं।

मंधाना ने राष्ट्रमंडल खेलों में टीम के तीसरे मुकाबले के दौरान यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बारबाडोस के खिलाफ दूसरा रन बनाते ही बतौर ओपनर दो हजार रन पूरे कर लिए। हालांकि, उनका बल्ला इस मैच में नहीं चला। वह सात गेंद पर पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। उन्हें शानिका ब्रूस एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया।

बतौर ओपनर मंधाना के 79 पारियों में 2004 रन हो गए हैं। इस दौरान उनका औसत 27.45 है। उनके बल्ले से 14 अर्धशतक निकले हैं। मंधाना का उच्चतम स्कोर 86 रन है। रोहित शर्मा की बात करें तो बतौर ओपनर उन्होंने 96 पारियों में 33.03 की औसत से 2,973 रन बनाए हैं। इस दौरान चार शतक और 22 अर्धशतक उनके बल्ले से निकले हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 118 रन रहा है।

रोहित और मंधाना का टी20 करियर

ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो रोहित शर्मा ने टी20 में 131 मैच की 123 पारियों में 3454 रन बनाए हैं। चार शतक और 27 अर्धशतक उनके नाम हैं। वह पुरुषों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं, मंधाना ने 90 मैच की 88 पारियों में 2125 रन बनाए हैं। उन्होंने 15 अर्धशतक लगाए हैं।

भारत ने बारबाडोस को 100 रन से हराया

बारबाडोस से मैच की बात करें तो टीम इंडिया ने 100 रनों की धमाकेदार जीत दर्ज की। भारतीय महिला क्रिकेट टीम राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। भारतीय टीम इस जीत के बाद ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया पहले पायदान पर काबिज है। वहीं, बारबाडोस और पाकिस्तान की टीम बाहर हो चुकी है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 162 रन बनाए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में श्रीशंकर ने रचा इतिहास

मेंस लॉन्ग जंप में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय बने; गोल्ड मेडलिस्ट के बराबर जंप, फिर भी दूसरा स्थान

बर्मिंघम, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के मुरली श्रीशंकर ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। उन्होंने लॉन्ग जंप इवेंट में 8.08 मीटर की छलांग के साथ सिल्वर मेडल जीता। श्रीशंकर इस इवेंट में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले सुरेश बाबू ने 1978 कॉमनवेल्थ गेम्स में लॉन्ग जम्प का ब्रॉन्ज मेडल जीता था। पुरुष और महिला मिलाकर इस मेगा इवेंट में यह लॉन्ग जंप में भारत का अब तक का चौथा मेडल है। अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2002 में ब्रॉन्ज और प्रजुषा मलियाक्कल ने 2010 में सिल्वर मेडल जीता था।

गोल्ड मेडलिस्ट के बराबरी की छलांग फिर सिल्वर क्यों

बहामास के नारिन लकुआन ने भी श्रीशंकर जितनी (8.08) मीटर की छलांग लगाई, लेकिन उन्हें गोल्ड मेडल दिया गया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि लकुआन की सेकेंड बेस्ट छलांग श्रीशंकर की सेकेंड बेस्ट छलांग से बेहतर रही। लकुआन की दूसरी सर्वश्रेष्ठ छलांग 7.98 मीटर की रही, वहीं श्रीशंकर की दूसरी सबसे अच्छी छलांग 7.84 मीटर की रही।

लॉन्ग जंप फाइनल में हर एथलीट को 6-6 अटैम्प्ट मिलते हैं। श्रीशंकर ने अपने पांचवें और बहामासी एथलीट ने अपने दूसरे अटैम्प्ट में 8.08 मीटर की छलांग लगाई थी। श्रीशंकर के नाम भारत का नेशनल रिकॉर्ड भी है। उनका पर्सनल बेस्ट 8.36 मीटर है। अगर वे इस प्रदर्शन को दोहरा देते तो गोल्ड उनके नाम हो जाता।

7वें दिन बॉक्सिंग में भारत के 4 मेडल हुए पक्के

1. 60 केजी वेट कैटेगरी में भारत की जैस्मिन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में न्यूजीलैंड की टोरी ग्रांटन को हराया है।

2. बॉक्सर अमित पंघाल भी अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। अमित ने स्कॉटलैंड के लेनन मूलिगन को 48 केजी वेट कैटेगरी में 5-0 से हराया।

3. 92 केजी वेट कैटेगरी में सागर अहलावत ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेशेल्स के केड्डी इवान्स को 5-0 से हराया।

4. भारतीय बॉक्सर रोहित टोकस ने भी 67 केजी वेट कैटेगरी में सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने 7वें दिन भारत का चौथा पदक पक्का किया। भारत ने बॉक्सिंग में अब तक इन खेलों में सात पदक पक्के कर लिए हैं। रोहित ने क्वार्टर फाइनल में नियूए के जेवियर माताआफा इकिनोफो को 5-0 से हराया।

हॉकी में भारत ने वेल्स को 4-1 से हराया

मेंस हॉकी के पूल बी में भारत ने वेल्स को 4-1 से हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। टीम के 10 अंक हो गए हैं। टीम इंडिया के लिए तीन गोल हरमनप्रीत सिंह ने दागे।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भिड़े हॉकी प्लेयर

स्टिक लगने से नाराज एक खिलाड़ी ने दूसरे का गला पकड़ा, टीशर्ट खींची; रेफरी ने मैदान से बाहर किया

कॉमन, 5 अगस्त (एजेंसियां)। वेल्थ गेम्स में गुरुवार को इंग्लैंड और कनाडा के बीच पुरुष हॉकी मैच खेला गया। इस दौरान दो खिलाड़ियों के बीच जमकर लड़ाई देखने को मिली। कनाडा के बलराज पनेसर और इंग्लैंड के क्रिस ग्रिफिथ ने एक दूसरे की गर्दन पकड़ ली और मैदान पर ही भिड़ गए। दोनों के बीच लड़ाई इतनी बढ़ गई कि खिलाड़ियों और रेफरी को बीच-बचाव करना पड़ा।

बलराज पनेसर और स्टिक ग्रिफिथ के बीच हुई भिड़ंत

दरअसल हुआ ये कि इंग्लैंड की टीम कनाडा के खिलाफ गोल करने के लिए लगातार आक्रमण खेल दिखा रहे थे। तभी बलराज पनेसर की हॉकी स्टिक ग्रिफिथ के हाथ पर लगी और फंस गई। इससे ग्रिफिथ गुस्से में आ गए और पनेसर को धक्का दे दिया। जिससे पनेशर आगबबूला हो गए और उन्होंने इंग्लैंड के खिलाड़ी की गर्दन पकड़ ली। फिर दोनों ने एक दूसरे का टी शर्ट पकड़ा और खींचने लगे। ऐसा लगा खेल का मैदान जंग का मैदान बन गया है।

तभी दोनों टीमों के खिलाड़ी आए और दोनों को अलग किया। इसके बाद रेफरी ने कनाडा के बलराज पनेसर को रेड कार्ड दिखाया और बाहर भेज दिया। वहीं, क्रिस ग्रिफिथ को यलो कार्ड दिखाकर चेतावनी दी।

कनाडा को मिली हार

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने कनाडा को 11-2 से हराया और ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर खत्म किया। पहले स्थान पर टीम इंडिया रही। सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और भारत का सामना न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच जीतने वाली टीम से हो सकता है। भारत ने वेल्स को 4-1 से हराया था।

भारत ने भी कनाडा को 8-0 से हराया था

इससे पहले बुधवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कनाडा को 8-0 से हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह और आकाशदीप सिंह ने सबसे ज्यादा दो-दो गोल दागे थे। इसके अलावा अमित रोहिदास, ललित उपाध्याय, गुरजंत सिंह और मनदीप सिंह ने भारत के लिए एक-एक गोल किया था।

सुधीर ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ जीता सोना

पैरा-पावरलिफ्टिंग में कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय

बर्मिंघम, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कहते हैं कि यदि जीत का जज्बा हो तो कोई भी सफलता हासिल की जा सकती है। भारतीय पैरा पॉवरलिफ्टर सुधीर ने इस बात को सही कर दिखाया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडल जीता है। वे इन गेम्स में गोल्ड जीतने वाले देश के पहले पैरा पॉवरलिफ्टर बने हैं। उनसे पहले सकिना खातून ने 2014 के सीजन में ब्रॉन्ज जीता था।

5 साल की उम्र में सुधीर को पोलियो हो गया था। सोनीपत के गांव लाठ के सुधीर ने 2013 में खुद को फिट रखने के लिए पावरलिफ्टिंग शुरू की।

87.30 KG के सुधीर ने पुरुषों की हैवी वेट कैटेगरी में 212 KG वेट उठाते हुए गेम्स रिकॉर्ड रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। सुधीर पहले प्रयास में 208 KG, दूसरे में 212 KG और 212 KG वजन उठाया है। वे आखिरी प्रयास में 217 KG वजन उठाने में नाकाम रहे। 134.5 पॉइंट्स लेकर सुधीर टॉप पर रहे और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हालांकि, वे आखिरी प्रयास में 217 KG उठाने में नाकाम हो गए। नाइजीरिया के इकेचुकवु

क्रिस्टियन उबिचुकवु ने 133.6 अंक के साथ रजत जबकि स्कॉटलैंड के मिकी यूले ने 130.9 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। क्रिस्टियन ने 197 किग्रा जबकि यूले ने 192 किग्रा वजन उठाया।

इससे पहले मनप्रीत कौर और सकीना खातून महिला लाइटवेट फाइनल में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गईं जबकि पुरुष लाइटवेट फाइनल में परमजीत कुमार तीनों प्रयासों में विफल रहने के बाद अंतिम स्थान पर रहे।

सुधीर अपनी डाइट में 5 लीटर दूध, चना और बादाम खाते हैं। वे हर रोज 250 बेंच प्रेस लगाते हैं और 5 घंटे ट्रेनिंग करते हैं। वे सुबह तीन घंटे और शाम को दो घंटे जिमिंग करते हैं।

इस गोल्ड के साथ मेडल टैली में भारत के 20 मेडल हो गए हैं। इनमें 6 गोल्ड, 7 सिल्वर और इतने ही ब्रॉन्ज शामिल हैं।

पाक खिलाड़ी चोटिल हुई तो अकर्षी ने दिलासा दी

बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ी भावना का परिचय दिया, फैंस ने सराहा

बर्मिंघम, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कौन कहता है कि भारत और पाकिस्तान हमेशा चिढ़े रहते हैं। भारत की राइजिंग स्टार आकर्षी कश्यप पाकिस्तान की नेशनल चैंपियन महूर शहजाद को उनके चोटिल होने के बाद दिलासा देती देखी गई हैं। यह वाकया कॉमनवेल्थ गेम्स के सातवें दिन गुरुवार को देखने को मिला जब विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 32 मुकाबले के दौरान पाक चैंपियन चोटिल हो गईं। चोटिल शहजाद के मैच के हटने के बाद अकर्षी ने उन्हें दिलासा दिलाई। पाकिस्तानी स्टार को एंकल में चोट आई थी। जब शहजाद चोटिल होकर रिटायर हर्ट हुईं तब आकर्षी एक गेम जीत चुकी थीं और दूसरे में 1-7 की बढ़त पर थीं।

एक समय आकर्षी पहले गेम पर 20-18 से पीछे चल रही थीं। फिर भारतीय स्टार ने लगातार 4 अंक लेकर जोरदार वापसी करते हुए गेम अपने नाम कर लिया।

बता दें कि भारत-पाक को हमेशा से चिर प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। खेल का मैदान हो या राजनीति का मंच, लेकिन जब खेल भावना की बात आती है तो दोनों देशों के खिलाड़ियों ने आपस में खेल भावना दिखाई है। फिर चाहे वह शोएब अख्तर और सचिन तेंदुलकर की रायवलरी हो या फिर विराट-बाबर की।

बीते दिनों पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की हौसलाअफाई की थी। उन्होंने लिखा था- 'ये समय भी गुजर जाएगा, हौसला रखें।'

शाकिब अल हसन बुरे फंसे

सट्टेबाजी फर्म से स्पॉन्सरशिप डील नहीं कर पाएंगे; बीसीबी भेजेगा नोटिस, सोशल मीडिया पोस्ट की भी होगी चेकिंग

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन फिर बुरे फंस गए हैं। वह अब सट्टेबाजी फर्म के साथ स्पॉन्सरशिप डील (साझेदारी) नहीं कर पाएंगे। यही नहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) उन्हें नोटिस भी भेजेगा। इसके अलावा उनकी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट की जांच होगी। बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन ने गुरुवार 4 अगस्त 2022 को बोर्ड की बैठक के बाद यह जानकारी दी।

नजमुल हसन ने कहा कि बोर्ड शाकिब को सौदे की जानकारी नहीं देने के लिए नोटिस देगा। बीसीबी शाकिब अल हसन की उस हालिया सोशल मीडिया पोस्ट की जांच करेगा, जिसमें दिग्गज ऑलराउंडर ने बेटविनर न्यूज नामक कंपनी के साथ अपनी स्पॉन्सरशिप डील (साझेदारी) का ऐलान किया था।

बांग्लादेश के जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरा टी20 मैच हारने के तुरंत बाद शाकिब अल हसन ने मंगलवार 2 अगस्त 2022 को ट्विटर पर इसकी घोषणा की थी। शाकिब ने शुरू में ट्वीट को डिलीट कर दिया, लेकिन कुछ ही देर बाद उन्होंने इसे दोबारा पोस्ट किया था।

बांग्लादेश का मौजूदा कानून जुए की सुविधा देने वाले किसी भी कंपनी या प्रतिष्ठानों पर कड़े प्रतिबंध लगाता है। जुए के कारोबार को काम करने देना कानून के साथ-साथ देश के संविधान का भी उल्लंघन है। नजमुल हसन ने कहा, 'दो चीजें हैं। पहली तो उनके पास मंजूरी लेने का कोई रास्ता नहीं है, क्योंकि हम नहीं देंगे।

नीरज चोपड़ा को लेकर पाक जैवलिन थ्रोअर नदीम का बयान जीत लेगा दिल, आप भी भुला देंगे दोनों देशों की 'दुश्मनी'

बर्मिंघम, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के जैवलिन थ्रोअर अरशद नदीम का कहना है कि उन्हें कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की कमी महसूस होगी क्योंकि वे एक परिवार का हिस्सा हैं। नीरज ने पिछले महीने वर्ल्ड चैम्पियनशिप में 88.13 मीटर के थ्रो से ऐतिहासिक सिल्वर मेडल जीता था जिसमें अरशद पांचवें स्थान

पर रहे थे, हालांकि वह फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले पाकिस्तानी बने थे।

'नीरज भाई मेरा भाई है'

नीरज ने 'ग्रोइन स्ट्रेन' के कारण कॉमनवेल्थ गेम्स से हटने का फैसला किया, जबकि अरशद के ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स के साथ पोडियम पर रहने की उम्मीद है। पीटर्स गोल्ड मेडल के प्रबल दावेदार हैं, जिन्होंने हाल में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था। अरशद ने कहा, 'नीरज भाई मेरा भाई है। मुझे यहां उसकी कमी खल रही है। अल्लाह उन्हें स्वस्थ रखे और मुझे जल्द उनके साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिले।'

भारत-पाक प्रतिद्वंद्वियों के बीच यह 'भाईचारा' 2016 में गुवाहाटी में हुए दक्षिण एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के दौरान शुरू हुआ। चार साल पहले जब एशियाई खेलों में नीरज ने गोल्ड मेडल जीता तो अरशद ने ब्रोन्ज मेडल हासिल किया था। तब इस भारतीय ने पाकिस्तानी खिलाड़ी के प्रति गर्मजोशी नहीं दिखाई थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

मुसी नदी की सफाई पर सीएम का वादा खोखला साबित : बंडी

प्रेदश भाजपा प्रमुख ने मुसी नदी प्रदूषण से प्रभावितों की बाठचीत

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर 4,000 करोड़ रुपये की लागत से मुसी नदी को साफ करने और हुसैनसागर के पानी को नारियल पानी के समान स्वच्छ बनाने के अपने वादे से पीछे हटने के लिए हमला किया। संजय अपनी प्रजा संग्राम यात्रा के चौथे दिन राचबंडा कार्यक्रम के तहत मुसी नदी के प्रदूषण से प्रभावित भोनगीर निर्वाचन क्षेत्र के पेद्दा रावुलापल्ली गांव के ग्रामीणों से बातचीत कर रहे थे। मुसी नदी के प्रदूषण के कारण ग्रामीणों ने अपनी व्यथा बताई, जिसके बारे में उनका कहना था कि इससे उनका भोजन भी दूषित हो गया था। उन्होंने अफसोस जताया कि फसलों को नुकसान हो रहा है और लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं। उनकी शिकायतों पर पीड़ा व्यक्त करते हुए, संजय ने आश्चर्य व्यक्त किया कि केसीआर

ग्रामीणों की दुर्दशा से क्यों विचलित नहीं हैं, जो फसलों के नुकसान और स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली एनडीए सरकार के दौरान तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने मुसी नदी की सफाई के लिए 344 करोड़ रुपये जारी किए थे।

केसीआर के सत्ता में आने के बाद, उन्होंने घोषणा की कि वह मुसी रिवर फ्रंट कॉरपोरेशन का गठन करेंगे और इसके लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित करेंगे। उन्होंने कहा कि वह साबरमती नदी की तर्ज पर रिवर फ्रंट का भी सौंदर्यीकरण करेंगे, लेकिन उन्होंने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है। जबकि उन्होंने अपने फार्महाउस में केवल पानी लाने के लिए कालेश्वरम के निर्माण पर 1.30 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, उन्होंने मुसी नदी की सफाई पर एक रुपया भी खर्च नहीं किया। उन्होंने केसीआर सरकार पर केंद्र के फंड को डायवर्ट करने और केंद्रीय योजनाओं को लागू नहीं करने का आरोप लगाया–चाहे वह चावल का मुफ्त वितरण हो या रोजगार गारंटी योजना। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि केंद्र सरकार ने मुसी नदी की सफाई के लिए धन जारी किया है, लेकिन राज्य सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब औद्योगिक अपशिष्टों को नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे फसलों और लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान हो रहा है।

नांदेड़-तिरुपति-विकाराबाद स्पेशल ट्रेनें

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) नांदेड़-तिरुपति और तिरुपति-विकाराबाद के बीच दो विशेष ट्रेनें चलाएगा।

ट्रेन संख्या 07651 नांदेड़-तिरुपति (सोमवार) 8 अगस्त को 23.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.15 बजे पहुंचेगी और ट्रेन संख्या 07652 तिरुपति-विकाराबाद (मंगलवार) 9 अगस्त को 22.40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 12.45 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन नंबर 07651 विशेष ट्रेन मुदखेड, धर्माबाद, बसर, निजामाबाद, कममारेड्डी, अकानापेट, मेडचल, मलकाजगिरी, सिकंदराबाद, नलगोंडा, मिर्यालगुडा, नादिकुडी, पिदुगुराला, सत्तेनपल्ली, गुंटूर, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, नेल्लोर और रेनिगुंटा स्टेशन में रुकेगी। ट्रेन नंबर 07652 यह विशेष ट्रेन रेनीगुंटा, गुडूर, नेल्लोर, ओंगोल, चिराला, बापटला, तेनाली, गुंटूर, सत्तेनापल्ली, पिदुगुराला, नादिकुडी, मिर्यालगुडा, नलगोंडा, सिकंदराबाद और लिंगमपल्ली स्टेशनों पर रुकेगी।

टीआरएस उपराष्ट्रपति चुनाव में मार्गरेट अल्वा को देगी समर्थन

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शनिवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार, पूर्व केंद्रीय मंत्री मार्गरेट अल्वा को समर्थन देने का फैसला किया है। उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार को समर्थन देने के पार्टी के मुख्य निर्णय की घोषणा करते हुए, टीआरएस संसदीय दल के नेता डॉ. के. केशव राव ने पार्टी के 16 सांसदों को तदनुसार मतदान करने की सलाह दी।

एयर पिस्टल मिसफायर के बाद 10 वर्षीय लड़का घायल

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुगलपुरा के सुल्तान शाही में एक एयर पिस्टल के मिसफायर होने से 10 वर्षीय एक बच्चा कथित रूप से घायल हो गया। घटना 1 अगस्त की है, जब एक व्यक्ति मो. अफसर अपने घर के पास आवारा कुत्तों को भगाने के लिए उन पर फायरिंग कर रहा था।

सूत्रों ने कहा कि यह तब जब नाबालिग लड़के ने उसे दीवार पर एक छिपकली पर गोली मारने के लिए कहा था। जब अफसर ने गोली चलाने की कोशिश की, तो बंदूक मिस हो गई और लड़के की पीठ वक्ष रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई। दो दिन बाद 3 अगस्त को उन्हें बहादुरपुरा के अस्पताल में शिफ्ट किया गया और इलाज किया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई।

हैदराबाद में बारिश : अगले 3 दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), हैदराबाद ने शुक्रवार को अगले दो दिनों में हैदराबाद में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। पूरे शहर में गरज के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार को जारी बुलेटिन में आईएमडी ने कहा कि शाम के समय शहर में भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में राज्य में भारी बारिश का भी अनुमान लगाया है, जो जिलों को क्रमशः भारी, बहुत भारी और अत्यधिक भारी बारिश का संकेत देते हुए पीले, नारंगी और लाल अलर्ट जारी कर रहा है।

आईएमडी के अनुसार अगस्त 6 को रंगारेड्डी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी,

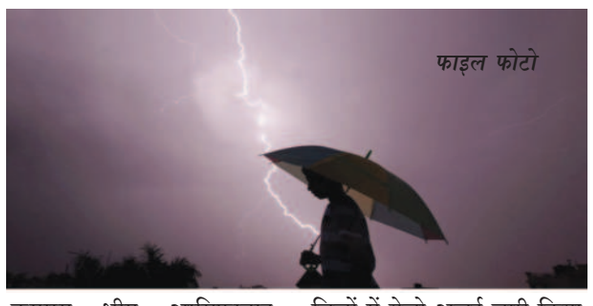

कुमारम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, राजन्ना सिरिसिला, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, नलगोंडा, सूर्यपेट, महबूबाबाद, वारंगल (ग्रामीण), वारंगल सहित जनगांव, सिद्दीपेट, और यादाद्री भुवनगिरी जिलों को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

आदिलाबाद, निर्मल, निजामाबाद, जगत्याल, करीमनगर, पेद्दापल्ली और खम्मम जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 7 अगस्त के लिए कुमारम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निजामाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, महबूबाबाद, नलगोंडा, सूर्यपेट, वारंगल (ग्रामीण), वारंगल (शहरी), जनगांव, और सिद्दीपेट सहित जिलों को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आदिलाबाद, निर्मल, जगत्याल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली और कामारेड्डी में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

8 अगस्त के लिए आदिलाबाद, कुमारम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जगित्याल, राजन्ना सिरसिला, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम और खम्मम सहित जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। करीमनगर, पेद्दापल्ली, महबूबाबाद, वारंगल (ग्रामीण), और वारंगल (शहरी) सहित जिलों को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। नलगोंडा और सूर्यापेट सहित जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार को शहर में अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसमें सापेक्षिक आर्द्रता 84 प्रतिशत रही।

आंध्र सरकार ने आयुष सेवाओं पर केन्द्रीय राशि का पूरा उपयोग नहीं किया : सोणोवाल

नई दिल्ली, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्र सरकार ने आज दावा किया है कि आंध्र प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत केंद्रीय राशि का पूरा उपयोग नहीं किया। केन्द्र सरकार ने पिछले तीन साल के दौरान अपने हिस्से के करीब 22 करोड 86 लाख रूपये मंजूर और जारी किये गये लेकिन उसने इसमें से केवल 31 लाख 47 हजार 800 रूपये व्यय किये जाने की सूचना दी है। केन्द्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल ने लोकसभा में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की डॉक्टर बीसेट्टी वेंकट सत्यवती के सवाल के जवाब में बताया कि भारत सरकार ने आयुष पद्धतियों के समग्र विकास के लिये आंध्र प्रदेश सहित देश के सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के माध्यम से कार्यान्वित राष्ट्रीय आयुष मिशन एनएएम की केन्द्रीय प्रायोजित योजना शुरू की है।

उन्होंने कहा कि इसमें अवसंरचनात्मक विकास एवं आयुष सेवाओं तक पहुंच शामिल है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन आंध्र प्रदेश सहित देश में आयुष पद्धतियों और औषधियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्री और जिला अस्पतालों में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना, मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन, मौजूदा सरकारी, पंचायत और सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन और मौजूदा आयुष औषधालय के लिये भवन का निर्माण और नये आयुष औषधालयों की स्थापना के लिए भवन का निर्माण का प्रावधान करता है।

श्री सोणोवाल ने बताया कि इसके अलावा राष्ट्रीय आयुष मिशन में 50, 30 और 10 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना, सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकार एवं सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक औषधियों की आपूर्ति, आयुष जन-स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष स्नातकपूर्व संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास शामिल है।

आंध्र के व्यक्ति ने हैदराबाद में जीवन समाप्त किया

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। फाइनेंसरों से उत्पीड़न सहन करने में असमर्थ आंध्र प्रदेश के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हैदराबाद में आत्महत्या कर ली।

पीड़ित, आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के एक रियाल्टर, चौधरी गिरिधर वर्मा (40), तीन महीने पहले व्यावसायिक उद्देश्य से शहर आए थे और एएस राव नगर में अयोध्या नगर में किराए के घर में रह रहे थे। पुलिस ने कहा कि वर्मा ने हैदराबाद में अपना व्यवसाय जारी रखा और उनके परिवार के अनुसार, कर्ज और उन्हें चुकाने में असमर्थता से परेशान थे। बुधवार की देर रात उसकी पत्नी दिव्या ने उसे कई बार उसके मोबाइल फोन पर फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने अपने रिश्तेदारों को सूचना दी। दंपति के परिजन वर्मा के घर आए और उन्हें मृत पाया।

सूचना मिलने पर, कुशाईगुड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और वर्मा द्वारा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को उनकी स्थिति और कथित उत्पीड़न का वर्णन करते हुए लिखा एक सुसाइड नोट बरामद किया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय रिज़र्व बैंक
पर्यवेक्षण विभाग, हैदराबाद

सार्वजनिक सूचना

बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (सहकारी समितियों पर यथा लागू) की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए के तहत निदेश – दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा

जनसाधारण के सूचनार्थ एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35ए की उप धारा (1) के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने दिनांक 28 जुलाई 2022 के निदेश संदर्भ सं. एचवाईडी.डीओएस. आईएनएसपी4. सं.एस 241/15-36-070/2022-2023 द्वारा **दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा** को कतिपय निदेश जारी किए हैं, जिसके द्वारा 29 जुलाई 2022 को कारोबार की समाप्ति से बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक की लिखित पूर्वानुमोदन के बिना आरबीआई के दिनांक 28 जुलाई 2022 के निदेश, जिसकी एक प्रति इच्छुक जन साधारण के अवलोकनार्थ बैंक के परिसर में प्रदर्शित की गई है, में यथा अधिसूचित को छोड़कर, किसी ऋण और अग्रिम की स्वीकृति या नवीनीकरण और कोई निवेश नहीं करेगा, अपने ऊपर कोई भी देयता नहीं लेगा, जिसमें उधार लेना और नई जमाराशि स्वीकार करना शामिल है, किसी भी भुगतान का संवितरण या संवितरित करने के लिए सहमति नहीं देगा चाहे वह उसकी देनदारियों और दायित्वों के निर्वहन में हो या अन्यथा, कोई भी समझौता या इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं करेगा और अपनी किसी भी संपत्ति या परिसंपत्ति का विक्रय और स्थानांतरण या अन्यथा निपटान नहीं करेगा। विशेष रूप से, सभी बचत बैंक या चालू खातों या जमाकर्ता के किसी अन्य खाते में कुल शेष राशि के **₹1,50,000 (एक लाख पचास हजार रुपये मात्र)** तक की राशि को निकालने की अनुमति दी जा सकती है, जो आरबीआई द्वारा जारी उपर्युक्त निदेशों में उल्लेखित शर्तों के अधीन है।

2. आरबीआई द्वारा उपर्युक्त निदेशों को जारी करने का यह अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए कि आरबीआई द्वारा बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक प्रतिबंधों के साथ बैंकिंग कारोबार करना जारी रखेगा। रिज़र्व बैंक परिस्थितियों के आधार पर इन निदेशों में संशोधन करने पर विचार कर सकता है।

3. ये निदेश 29 जुलाई 2022 को कारोबार की समाप्ति से छह महीने की अवधि के लिए लागू रहेंगे और ये समीक्षाधीन होंगे।

स्थान: हैदराबाद
दिनांक: 06 अगस्त, 2022

(अंजनी मिश्रा)
महाप्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.